पेज-10

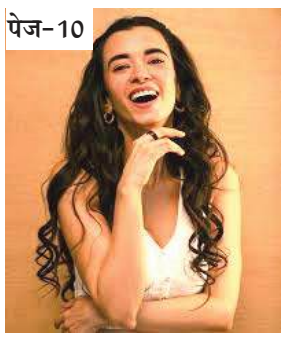

निजी जिंदगी पर ट्रोल करने वाले.....

हिन्दी दैनिक

दबंग हिन्द

जन की बात, सबके साथ

RNI NO. JHAHIN/2013/54377

रांची संस्करण

पेज-11

कप्तान बटलर ने दिया इस्तीफा...

वर्ष : 13 | अंक : 60 | रांची (झारखंड) | E-mail : dabanghind@gmail.com | रविवार, 2 मार्च 2025 | website : www.dabanghind.com | मूल्य – ₹ 2

एक नजर

मार्च में 14 दिन बैंक रहेंगे बंद

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक मार्च के कैलेंडर के मुताबिक बैंकों में 14 दिन छुट्टियां रहेंगी। इनमें सार्वजनिक अवकाश, क्षेत्रीय अवकाश और नियमित अवकाश (दूसरे और चौथे शनिवार के साथ सभी रविवार) शामिल हैं। राज्य-विशेष त्योहारों के दौरान बैंक केवल संबंधित राज्यों में बंद रहेंगे। होली और रमजान जैसे प्रमुख त्योहारों पर अधिकांश राज्यों में बैंक अवकाश रहेगा। कैलेंडर के मुताबिक क्षेत्रीय त्योहारों और उत्सवों के कारण अलग-अलग शहरों में बैंक अलग-अलग तारीखों पर बंद रहेंगे। यह नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के अनुसार होगा। प्रत्येक महीने के सभी रविवार और दूसरे व चौथे शनिवार को देशभर में बैंक बंद रहते हैं। इस दौरान बैंकों में कोई भी कामकाज नहीं होता।

कैग रिपोर्ट से क्या केजरीवाल की बढ़ेंगी और मुश्किलें

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में आबकारी नीति और राजधानी की स्वास्थ्य सेवाओं पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की. कैग रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने पूर्व की आप सरकार पर हमला बोला. इस रिपोर्ट के पेश किए जाने के बाद अब फिर से शराब नीति और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पूर्व सरकार के नेताओं की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पूर्व कैग महानिदेशक शेष कुमार ने कैग रिपोर्ट के वैल्यू और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद सरकार द्वारा की गई कार्रवाई पर कहा कि दिल्ली विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट के आधार पर मौजूदा सरकार जांच कर सकती है, क्योंकि शराब नीति पर तो पहले से ही आपराधिक मामला पूर्ववर्ती सरकार में मुख्यमंत्री रहे समेत अन्य पर चल रहा है, लेकिन उनके निर्णयों के चलते सिर्फ शराब नीति मामला ही नहीं बल्कि अन्य में भी जो नुकसान हुआ है।

लॉरेंस बिश्नोई सहित गैंगस्टर्स का दिल्ली से होगा सफाया

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के बाद अब एक्शन शुरू हो चुका है. गृह मंत्री अमित ने साफ कर दिया कि दिल्ली में अब गुंडाराज नहीं चलेगा. शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद और पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा के साथ लॉ एंड ऑर्डर पर एक बैठक की. इस दौरान उन्होंने दिल्ली को अपराध मुक्त करने के लिए इंटरस्टेट गैंग और गैंगस्टर के खिलाफ काफी सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय में हुई बैठक में गैंगस्टर के सफाए की रणनीति तय की गई. दिल्ली में एक्टिव गैंगस्टर की हिटलिस्ट जल्द ही तैयार की जाएगी. प्रशासन गैंगस्टर के नेक्सस को तोड़ने का काम करेगा. ताकि कनेक्शन खत्म हो जाए।

विधानसभा भवन लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर : सीएम हेमंत

यहां किसी धर्म, जाति या व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होता

दबंग हिंद संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शनिवार को झारखण्ड विधान सभा सभागार में झारखण्ड विधान सभा के सदस्यों हेतु आयोजित प्रबोधन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा भवन लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। यहां किसी धर्म, जाति या व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होता है। इस सदन में भले हम पक्ष या विपक्ष के लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग विचार रखते हो, परंतु इस लोकतांत्रिक व्यवस्था से एक ऐसी मार्ग प्रशस्त होती है जहां सभी को सदन में स्वागत के भाव से आमंत्रित किया जाता है। सभी माननीय सदस्य जनहित से जुड़े मुद्दों

को सदन के समक्ष रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर की गरिमा और भव्यता किसी धर्म से अछूता नहीं है। यहां सभी धर्म समुदाय के हक अधिकार की आवाज गूंजती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। जो भी इस सदन में आते हैं वे सीखते भी हैं, जन आकांक्षाओं को पटल पर रखते भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। सदन की कार्यवाही में सभी माननीय सदस्यों को साथ लेकर चलते हुए इस राज्य को समृद्ध तथा विकसित बनाने हेतु संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। सभी माननीय सदस्य राज्य के विकास के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे ऐसा मुझे पूरा विश्वास है। इस कार्यक्रम में उपसभापति, राज्यसभा हरिवंश, विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, संसदीय कार्य मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर सहित मंत्रीगण, विधायकगण, झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव श्री मानिक लाल हेंब्रम, पी. आर. एस श्री चक्षु राय समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

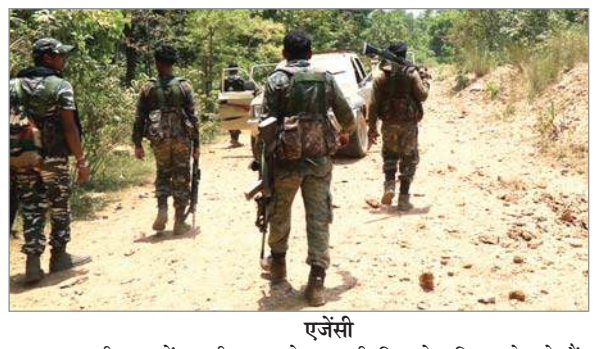

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ में काफी समय से नक्सली फिर से एक्टिव हो गये हैं। सुरक्षाबलों की बड़े एक्शन के बाद अन्य नक्सली सुरक्षाबलों से बदला लेने के मूड में चल रहे हैं। काफी समय से मुठभेड़ की खबरें आ रही हैं। ताजा रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है जिसमें 2 नक्सली मारे गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है।

दो नक्सलियों के शव बरामद : सुरक्षाबलों ने अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर शुक्रवार को सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था।

नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की : अधिकारियों ने बताया कि दल आज जब क्षेत्र में था तब नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि आज सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रूक-रूक कर मुठभेड़ जारी है। अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं।

चमोली हादसे में 4 मजदूरों की मौत, सेना ने बचाई 50 जिंदगियां, बचाव कार्य जारी

एजेंसी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा गांव में बीआरओ कैंप पर ग्लेशियर टूटने से चार मजदूर की मौत हो गई, जबकि राहत और बचाव कार्य में जुटीं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सेना की टीमों ने 55 में से 50 मजदूरों को बाहर निकाल लिया. भारतीय सेना के पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने चार लोगों की मौत की पुष्टि की. हालांकि अभी भी सेना और एनडीआरएफ की टीमें बचाव और राहत कार्य में जुटी हुई हैं. दूसरी ओर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया और अधिकारियों को बचाव अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धामी से बात की और उन्हें पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। दूसरी ओर, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान के लिए चार टीमें भेजी हैं, जबकि चार और टीमें स्टैंडबाय पर हैं. खराब मौसम के बावजूद बाकी लोगों को बचाने के प्रयास जारी हैं. अब तक 55 में से 50 मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया है और भारतीय सेना ने 14 नागरिकों को भी बचाया है।

बचाव कार्य में जुटे सेना के जवान

दूसरी ओर,आवश्यक उपकरण, संसाधन और घायलों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर भी लगातार काम कर रहे हैं. आर्मी कमांडर ने आश्वासन दिया कि विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से भारतीय सेना तेजी से बचाव प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संसाधनों से पूरी तरह सुसज्जित है। मौके पर मौजूद भारतीय सेना के डॉक्टरों ने गंभीर रूप से जरूरतमंद लोगों के लिए जीवन रक्षक सर्जरी की है, जबकि जोशीमठ हेलीपैड से हेलीकॉप्टर संचालन भारतीय सेना विमानन और वायु सेना के आठ हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया जा रहा है. अब तक कुल 19 लोगों को माना से जोशीमठ तक पहुंचाया गया है. भारतीय सेना की मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, उत्तर भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग और सीमा सड़क के महानिदेशक समेत उच्च पदस्थ अधिकारी इस अभियान की निगरानी और समन्वय के लिए मौजूद हैं।

दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा डीजल और पेट्रोल

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली सरकार अहम कदम उठाने जा रही है। इसी कदम के तहत सरकार 15 साल पुराने वाहनों को दिल्ली से बाहर करने की योजना पर काम कर रही है। दरअसल, सरकार ने निर्णय लिया है कि 1 अप्रैल से 15 साल पुराना वाहनों को डीजल और पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को पर्यावरण विभाग, एमसीडी और एनडीएमसी के साथ बैठक के बाद कहा कि 15 साल से पुराने वाहनों को 1 अप्रैल से पेट्रोल और डीजल नहीं मिलेगा। दिल्ली सरकार अपनी इस योजना को लागू करने के लिए एक विशेष टीम का गठन करेगी, जो इस तरह के वाहनों की पहचान करेगी।

पेट्रोल पंपों पर लगेंगे उपकरण

बैठक के बाद सिरसा ने कहा कि हम पेट्रोल पंप पर ऐसे उपकरण लगा रहे हैं, जो 15 साल से पुराने वाहनों की पहचान करेंगे और उन्हें ईंधन नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस निर्णय के बारे में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय को सूचित करेगी। पुराने वाहनों को ईंधन की आपूर्ति प्रतिबंधित करने के अलावा, सिरसा ने घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में सभी ऊंची इमारतों, होटलों और वाणिज्यिक परिसरों में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य होगा।

बैठक में प्रमुख नीतिगत निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सुरंग फंसे चार लोगों का पता चला, एक हफ्ते से फंसे हैं 8 मजदूर

एजेंसी

श्रीशैलम। तेलंगाना में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग पिछले 22 फरवरी से आठ मजदूर फंसे हुए हैं. तब से उन्हें बचाने के लिए राहत और बचाव का कार्य चल रहा है, लेकिन अभी तक फंसे लोगों का कोई सुराग नहीं मिला था, लेकिन शनिवार को फंसे आठ लोगों में से 4 लोगों का सुराग मिल गया है, लेकिन उनके बचे रहने की संभावना बहुत ही कम है। राज्य के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने शनिवार को बताया कि सुरंग ढहने के बाद बचाव अभियान में एक सफलता मिली है, जिसमें फंसे कुल आठ लोगों में से चार के बारे में पता लगा लिया गया है। राज्य के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने शनिवार को सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के साथ बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों के

साथ बैठक की. बैठक के बाद कृष्ण राव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में काफी प्रगति हुई है. उन्होंने कहा कि रडार के माध्यम से सुंरग में फंसे चार लोगों के बारे में पता लगा लिया गया है. उन्होंने आशा जताई कि रविवार शाम तक फंसे उन चार लोगों को बाहर निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बचाव दल ने ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) का उपयोग करके 4 व्यक्तियों का पता लगाया. सुरंग के अंदर की स्थिति गंभीर है, यही वजह है कि सरकार इतना समय ले रही है. उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि अन्य चार लोग सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) के नीचे फंसे हुए हो सकते हैं। हालांकि जिन चार लोगों के बारे में पता चला है, जब उनके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह पहले दिन ही कह चुके हैं कि उनके बचने की संभावना बहुत कम है. उन्होंने कहा कि 450 फीट ऊंची टीबीएम को बचावकर्मियों द्वारा काटा जा रहा है।

मणिपुर में सुरक्षा स्थिति पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

सभी रास्ते खोले जाएं, नशे का नेटवर्क करें ध्वस्त

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में मणिपुर में सुरक्षा स्थिति पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि 8 मार्च 2025 से मणिपुर के सभी मार्गों पर जनता की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाए और बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री ने रंगदारी के सभी मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि मणिपुर की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निर्दिष्ट प्रवेश बिंदुओं के दोनों ओर बाड़ लगाने का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि मणिपुर को नशा मुक्त बनाने के लिए नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाना चाहिए।

मणिपुर की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निर्धारित प्रवेश बिंदुओं के दोनों ओर बाड़ लगाने का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया कि मणिपुर को नशा मुक्त बनाने के लिए नशीली दवाओं के व्यापार में शामिल पूरे नेटवर्क को नष्ट किया जाना चाहिए। बैठक नॉर्थ एवेन्यू में सुबह 11 बजे शुरू हुई। राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह पहली ऐसी उच्च स्तरीय बैठक थी, जो मई 2023 से जातीय संघर्ष से जूझ रहा है। सूत्रों ने कहा कि यह बैठक अशांत राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने और विभिन्न समूहों द्वारा रखे गए अवैध और लूटे गए हथियारों को आत्मसमर्पण करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आयोजित की गई थी। सूत्रों ने कहा कि गृह मंत्री ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया।

एनएक्सटी सम्मेलन में दुनिया की कई हस्तियों से मिले मोदी

अपने मित्र रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की : पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एनएक्सटी सम्मेलन में न्यूजएक्स वर्ल्ड चैनल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका वोकल फॉर लोकल अभियान अब रंग ला रहा है, क्योंकि भारतीय उत्पाद वैश्विक हो रहे हैं और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं. भारत अंतहीन नवाचारों, किफायती समाधान खोजने और उन्हें दुनिया को उपलब्ध कराने का देश बन रहा है. दुनिया 21वीं सदी के भारत को उत्सुकता से देख रही है. दुनिया भर से लोग भारत आकर इसे समझना चाहते हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने सम्मेलन में

दुनिया भर की कई मशहूर हस्तियों से मुलाकात की. पीएम मोदी ने अपने एक्स पर एनएक्सटी सम्मेलन में प्रमुख रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग आर्टेमयेव, माइक मासिमिनो, प्रोफेसर वेसलिन पोपोवस्की, डॉ. एन लिबर्ट, कार्लोस मोंटेस, अमेरिकी लेखक एलेक रॉस, श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट से मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अलग-अलग पोस्ट में सभी से अपनी मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं।

ट्रंप के सामने दिखाया दम, यूक्रेन में हीरो बने जेलेंस्की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ ओवल ऑफिस में हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की यूक्रेन में हीरो बन गए। उन्होंने दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेता माने जाने वाले ट्रंप के सामने अपनी बात दमदारी से रखी। व्हाइट हाउस से बाहर निकलते ही यूक्रेन के लोग जेलेंस्की के समर्थन में आ गए और उन्हें देश के हितों का रक्षक करार दिया।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय में हुई बैठक के दौरान ट्रंप और अमेरिका उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने जेलेंस्की से कुछ तीखे सवाल किए और इस दौरान जेलेंस्की थोड़े परेशान दिखे। इस घटना ने मॉस्को में रूसी अधिकारियों को खुश किया होगा और वे इसे अमेरिका तथा जेलेंस्की के संबंधों को खत्म करने वाली घटना के तौर पर देख रहे होंगे। बहरहाल,

यूक्रेन के लोग शुक्रवार को जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई तीखी बहस को लेकर अपने राष्ट्रपति के साथ खड़े दिखे। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने देश की गरिमा और हितों के लिए आवाज उठाई। कीव में सेवानिवृत्त 67 वर्षीय नतालिया सेरहिएन्को ने कहा कि उन्हें लगता है कि यूक्रेन के लोग वाशिंगटन में अपने राष्ट्रपति के रवैये से सहमत हैं, क्योंकि जेलेंस्की ने शेर की तरह लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि उनके बीच तीखी, बहुत तीखी बातचीत हुई लेकिन जेलेंस्की यूक्रेन के हितों की रक्षा कर रहे हैं। शुक्रवार की रात यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर दो ड्रोन के हमले के बाद, रूस की सीमा पर स्थित इस क्षेत्र के प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने जेलेंस्की की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इस बात पर अड़े रहे कि भविष्य में रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की सुरक्षा के आश्वासन के बिना कोई शांति समझौता नहीं किया जा सकता। सिनीहुबोव ने कहा कि हमारे नेता दबाव के बावजूद यूक्रेन और यूक्रेनवासियों के हितों की रक्षा को लेकर दृढ़ संकल्पित हैं।

किसने क्या कहा : - यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वोन डेर लेयेन ने एक्स पर लिखा, आपने जो गरिमा दिखाई, उसने यूक्रेन के लोगों की बहादुरी को दशार्या है। मजबूत, बहादुर और निडर बने रहें, प्रिय वोलोदिमीर जेलेंस्की। हम न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए आपके साथ काम करते रहेंगे।

- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर लिखा, एक हमलावर हैः रूस। एक पीड़ित हैः यूक्रेन। हमारा तीन साल पहले यूक्रेन की मदद करना और रूस पर प्रतिबंध लगाना सही था - और ऐसा करते रहना सही भी है। मैक्रों ने कहा, हमारे से मेरा तात्पर्य अमेरिकी, यूरोपीय, कनाडाई, जापानी और कई अन्य से है। उन्होंने कहा, उन सभी का आभार जिन्होंने मदद की और कर रहे हैं। उन लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं जो शुरू से ही लड़ रहे हैं - क्योंकि वे अपनी गरिमा, अपनी स्वतंत्रता, अपने बच्चों और यूरोप की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं।
- ट्रंप की करीबी सहयोगी मानी जाने वाली इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा कि वे कूटनीति को पुनः पटरी पर लाने के लिए यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच शिखर सम्मेलन का आह्वान करेंगी। उन्होंने एक बयान में कहा, ह्लअमेरिका, यूरोपीय देशों और सहयोगियों के बीच तत्काल एक शिखर सम्मेलन आयोजित किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें इस बारे में खुलकर बात की जाए कि हम आज की बड़ी चुनौतियों से कैसे निपटना चाहते हैं। इसकी शुरूआत यूक्रेन से हो, जिसका हमने हाल के वर्षों में मिलकर बचाव किया है।

शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन समारोह का आयोजन किया गया

दबंग हिन्द,संवाददाता

गुमला। झारखंड शिक्षा परियोजना, गुमला के तत्वावधान में टाऊन हॉल गुमला में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा और विकास के महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी मोहम्मद बेलाल अहमद, जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा, उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो, एसडीओ सदर राजीव नीरज, एसडीओ चैनपुर पूर्णिमा कुमारी, एसडीओ बसिया जयवंती देवगम, डीसीएलआर राजीव कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खान, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीएसपी गुमला सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी नागरिक को सरकारी योजनाओं की जानकारी होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुखियाओं को केवल ग्रामीण विकास तक सीमित न रहते हुए अन्य व्यवस्थाओं पर भी ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर योग्य बच्चों को कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नामांकन दिलाने और जरूरतमंदों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मुखिया की भूमिका अहम है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं को समझें और उनके क्रियान्वयन में सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर शिक्षा में सुधार हेतु मुखियाओं को अग्रणी भूमिका निभानी होगी और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए सतत प्रयास करने होंगे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए समाज को एक नई दिशा में ले जाना होगा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में मानव तस्करी, नशा, और डायन प्रथा

जैसी सामाजिक बुराइयों पर भी प्रकाश डाला और मुखियाओं से आग्रह किया कि वे ग्राम सभाओं के माध्यम से इन मुद्दों पर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि गांवों और टोलों में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। जब के जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी अहमद बिलाल अनवर कहां की ने लड़कियों की शिक्षा पर विशेष बल देते हुए कहा कि एक लड़की को शिक्षित करने का अर्थ है आने वाली पीढ़ियों को सशक्त बनाना। उन्होंने मुखियाओं से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें CT जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा के अभाव के कारण ही समाज में अंधविश्वास जैसी कुरीतियां फैली हुई हैं। उन्होंने मुखियाओं से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्र के बच्चों को स्कूल भेजने और उनकी पढ़ाई को सुनिश्चित करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि यदि हम चाहते हैं कि हमारा समाज प्रगति करे, तो हमें शिक्षा की ज्योति जलाए रखनी होगी और इसे हर बच्चे तक पहुंचाना होगा। जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खान ने सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालयों के सुचारू संचालन, मध्यान्ह भोजन योजना, बच्चों की नियमित विद्यालय उपस्थिति, स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति, तथा मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्यों में मुखियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में पलायन की घटनाओं के कारण कई बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, जिनके लिए विशेष शिक्षा की व्यवस्था की गई है। यदि किसी पंचायत में ऐसे दिव्यांग बच्चे हैं जो विद्यालय नहीं जा सकते, तो उन्हें चिन्हित कर उनकी जानकारी दी जाए ताकि उन्हें होम शिक्षकों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा सके। उन्होंने सीएमसी (स्कूल प्रबंधन समिति) के चुनाव में अच्छे और योग्य व्यक्तियों का चयन करने की आवश्यकता पर जोर दिया और विद्यालयों में रसोइयों के चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मुखियाओं से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त गुमला, जिला परिषद उपाध्यक्ष और एसडीओ सदर ने भी अपने विचार रखे और शिक्षा को समाज की रीढ़ बताते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से इसे मजबूत करने का आह्वान किया। सम्मेलन में भाग लेने वाले कई मुखियाओं ने अपने अनुभव साझा किए और शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 38 मुखियाओं को सम्मानित किया गया।

एक नजर

लांडुपोदा उप स्वास्थ्य केंद्र को शीघ्र चालू करने का ग्रामीणों ने किया मांग

चक्रधरपुर/बंदगांव। उप स्वास्थ्य केंद्र लांडुपोदा राजापारण गांव के समीप बनकर तैयार हो गया है. ग्रामीणों ने इसकी जानकारी मुखिया कुश पूर्ति को दी. ग्रामीणों ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र पूर्ण हो जाने के बावजूद अब तज यह चालू नहीं किया गया है. जिससे ग्रामीणों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. ग्रामीणों ने कहा यह स्वास्थ्य केंद्र चालू हो जाने से करीब 5000 लोगों को इसका लाभ मिल पाएगा. उन्होंने कहा यहां लांडुपोदा पंचायत के साथ-साथ दूर दराज के लोग भी इलाज करने आ सकते हैं. ग्रामीणों ने यथाशीघ्र अस्पताल का उद्घाटन कर प्रारंभ करने का मांग किया. जिससे लोगों को देर रात्रि में भी दवा उपलब्ध हो सके. ग्रामीणों की समस्या सुनकर मुखिया कुश पूर्ति ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आप लोगों की समस्या का समाधान के लिए डीसी से मांग किया जाएगा.जिससे यथा शीघ्र अस्पताल को चालू किया जाए .इस मौके पर चुम्बरू पूर्ती,सुषमा पूर्ती, नानिका पूर्ती, सुशीला पूर्ती, गांधी पूर्ति, समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा : डॉ. एके एस झा

प्रोफेसर डॉ. विभा राय के सेवानिवृत्त पर जुबिली कॉलेज में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। प्रोफेसर डॉ. विभा राय के सेवानिवृत्त पर जुबिली कॉलेज भुरकुंडा में शनिवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एकेएस झा और संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अर्जुन कुमार मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना से की गई। समारोह में जुबिली कॉलेज के समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. विभा राय का फूल माला पहनाकर महाविद्यालय परिवार ने जोरदार स्वागत किया गया। तत्पश्चात अंग वस्त्र और बुके देकर सम्मानित करते हुए उपहार देकर भावभीनी विदाई दी गई। मौके पर प्राचार्य ने महाविद्यालय में डॉ. विभा राय के 32 वर्षों से अधिक के सेवाकाल का स्मरण करते हुए कहा कि विभा राय महाविद्यालय के समाजशास्त्र की संस्थापक विभागाध्यक्ष रहीं। इनके सेवाकाल के दौरान समाजशास्त्र के छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय स्तर पर कई आयाम गढ़ें। उन्होंने कहा कि सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा होता है। हर कर्मी को एक न एक दिन इस रास्ते से गुजरना ही पड़ता है। इस अवसर पर विभा राय ने महाविद्यालय में बीते 32 वर्षों के अपने अनुभव और यादों को सभी के साथ साझा किया। इस दौरान भावुक माहौल में डॉ. विभा राय के द्वारा सभी महाविद्यालय कर्मियों को उपहार भेंट किया गया। वहीं कॉलेज के सभी व्याख्याताओं ने महाविद्यालय में डॉ. विभा राय के अहम योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ्य शरीर सुखद जीवन की कामना करते हुए प्रषस्ति-पत्र देकर भावभीनी विदाई दी गई। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एसपी पांडेय ने किया। मौके पर प्रो. अर्जुन कुमार मिश्रा, आलोक कुमार, राजेश कुमार, डॉ. बी. रविदास, डॉ. अरुण कुमार सिंह, प्रो. एस. पी. दांगी, प्रो. मनोज कुमार दास, प्रो. मनोज कुमार, डॉ. मिथलेश सिंह, डॉ. बालमुकुंद सिंह, सुरेश सिंह, मोहन, संध्या, रामप्रवेश, महावीर शन्नी, कृष्णा, नारायण, सुशील सहित कॉलेज के सैंकड़ों विद्यार्थी मौजूद थे।

भाजपा नेता की माता के निधन पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने व्यक्त की शोक संवेदना

भुरकुंडा (रामगढ़)। सौंदा डी निवासी भाजपा के युवा नेता और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रामगढ़ जिला के सक्रिय सदस्य राकेश सिन्हा के माता रामशिला देवी (75 वर्ष) के निधन पर जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रामगढ़ ने गहरा शोक जताया है। उन्होंने कहा कि रामशिला देवी का आकस्मिक निधन से कायस्थ समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। ईश्वर पवित्र आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिजनों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में कायस्थ महासभा शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रामगढ़ जिला के राष्ट्रीय, प्रांतीय और जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्य समिति सदस्य ने भी शोक संवेदना प्रकट की। शोक संवेदना प्रकट करते हुए राष्ट्रीय मंत्री अमित कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शंभु प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिन्हा, वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार सिन्हा, रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, बामेश्वर प्रसाद, विनोद कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार, जिला महामंत्री राजीव पामदत्त, मनोज कुमार सिन्हा, प्रो. प्रदीप कुमार सिन्हा, कुंवर बख्शी, धनंजय वर्मा, सुजीत कुमार सिन्हा उर्फ पप्पु, मुन्ना श्रीवास्तव, अधिवक्ता आनन्द कुमार सिन्हा, रोहित वर्मा, सूरजदेव प्रसाद कर्ण, सुजीत नारायण सिन्हा, संजय लाला, अनिल कुमार सिन्हा, उपेन्द्र कुमार सिन्हा, सूर्यवंश श्रीवास्तव, वीरेंद्र कुमार सिन्हा, डॉ संजीव कृष्ण जमुआर, विकास कुमार सिन्हा, ज्योति कुमार सिन्हा, योगेन्द्र कुमार सिन्हा, विश्वरंजन सिन्हा, अवधेश कुमार सिन्हा, अनिल कुमार सिन्हा, दीपक कुमार सिन्हा, सुदेश कुमार सिन्हा ने कहा कि हमने परिवार के एक महत्वपूर्ण सदस्य को खो दिया है।

झारखंड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए कब से किए जाएंगे ऑनलाइन आवेदन, कब होगी परीक्षा ?

रांची। रांची-झारखंड पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. इसकी प्रक्रिया पांच मार्च से शुरू होगी. इच्छुक अभ्यर्थी 30 अप्रैल तक आवेदन दे सकेंगे. प्रवेश परीक्षा 18 मई को होगी. यह परीक्षा रांची, हजारीबाग, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, चाईबासा, दुमका और पलामू जिला मुख्यालय स्थित केंद्रों पर होगी. परीक्षा के चार दिन पूर्व प्रवेश पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा. इस संबंध में झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की ओर से सूचना जारी की गयी है. प्रवेश परीक्षा को लेकर पूरी जानकारी के लिए झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट देखी जा सकती है।

इस योग्यतावाले छात्र कर सकेंगे आवेदन: प्रकाशित सूचना के मुताबिक प्रवेश के लिए वैसे योग्य आवेदक, जो भारत के नागरिक होने के साथ-साथ झारखंड राज्य के स्थायी/स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और योग्यता की अहर्ता पूरी करते हैं. वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में अभियंत्रण डिप्लोमा पाठ्यक्रम के शैक्षणिक वर्ष 2025-26 (प्रथम सेमेस्टर/प्रथम वर्ष) में नामांकन लिया जायेगा. इसके लिए शैक्षणिक योग्यता माध्यमिक/10वीं/समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण है।

ये भी कर सकते हैं आवेदन: शैक्षणिक वर्ष 2025 की अर्हक परीक्षा माध्यमिक/10वीं समकक्ष परीक्षा में शामिल होनेवाले छात्र भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, लेकिन संस्थान में नामांकन के समय उन्हें उत्तीर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा. पर्षद की वेबसाइट पर विस्तृत सूचना देखी जा सकती है।

नीट यूजी 2025 : सात मार्च तक आवेदन का मौका, परीक्षा चार मई को

रांची। अगर आपका सपना डॉक्टर बनने का है, तो नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी) 2025 आपके लिए सुनहरा अवसर है. आवेदन इस साल परीक्षा में कई अहम बदलाव किये गये हैं. इस कारण रणनीति बनाकर पढ़ाई करना और भी जरूरी हो गया है. इसके लिए सात मार्च आवेदन की अंतिम तिथि है और परीक्षा चार मई को होगी. इस रिपोर्ट में नीट यूजी 2025 के नये पैटर्न, आवेदन प्रक्रिया, सीटों की उपलब्धता और कटऑफ ट्रेंड के बारे में जानकारी दी जा रही है।

इस साल नहीं होंगे ऑप्शनल सवाल, क्लोजिंग स्कोर में आ सकती है गिरावट: नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट, नीट यूजी 2025 में आवेदन प्रक्रिया चल रही है. आवेदन की अंतिम तिथि सात मार्च तक निर्धारित है, जबकि परीक्षा चार मई को होगी. इस साल होनेवाली नीट यूजी की परीक्षा में कई बदलाव किये गये हैं. इस साल परीक्षा में 180 सवाल पूछे जायेंगे. इसमें फिजिक्स व केमिस्ट्री में 45-45 सवाल और बायोलॉजी में 90 सवाल पूछे जायेंगे. इस साल से ऑप्शनल सवालों को हटा दिया गया है. परीक्षा के लिए तीन घंटे का समय मिलेगा, जो दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी।

पीसीसी पथ निर्माण कार्य का विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया शिलान्यास

दबंग हिन्द,संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। पटेलनगर पंचायत अंतर्गत करमाली टोला में शनिवार को डीएमएफटी मद से बनने वाले पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। सर्वप्रथम पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद विधायक रोशनलाल चौधरी ने नारियल फोड़कर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। बताया गया कि पटेलनगर बिरसा चौक से करमाली टोला तक डीएमएफटी मद से 20 लाख 15 हजार 900 रुपए की लागत से 1100 फीट पथ का निर्माण किया जाएगा। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि पूरे बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र का चहंमुखी विकास करना ही मेरी पहली प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सड़क बन जाने से ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। मौके पर संवेदक गौतम वर्मा, पूर्व जिप उपाध्यक्ष मनोज राम, आजसू जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, भाजपा जिला मंत्री संजीव कुमार बाबला, भाजपा भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा, प्रमंडलीय प्रभारी योगेश दांगी, राजेश मंडल, अमरेश सिंह, राजन सिंह, संतोष अग्रवाल, श्रीनाथ करमाली, गौतम कुमार वर्मा, विक्रम करमाली, रंजीता करमाली, संतोष चौबे, नन्द किशोर करमाली, अवधेश पासवान, अमित करमाली, शशि करमाली, राजेश करमाली, विश्वनाथ करमाली, राजू करमाली, राज करमाली, सूरज करमाली, नंदू करमाली, शीला देवी, लालो देवी, गणेश करमाल, सुनील सोनी सहित कई लोग मौजूद थे।

पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में 110वें स्थापना दिवस पर भव्य ध्वज लोकार्पण समारोह का हुआ आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। देशवासियों को प्रतिदिन पूरे गर्व और सम्मान से राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिलाने वाले कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद, जाने-माने उद्योगपति और नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाले फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने रामगढ़ में शनिवार को देश की सबसे पुरानी रेजीमेंट पंजाब रेजीमेंट के 110वें स्थापना दिवस समारोह में 108 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लोकार्पित किया। इस अवसर पर फ्लैग फाउंडेशन के मुख्य कार्याधिकारी मेजर जनरल अशीम कोहली (अवकाश प्राप्त) ने ध्वज फहराया और आह्वान किया कि देशवासी तिरंगे से राष्ट्र सेवा की प्रेरणा लें। इस अवसर पर पंजाब रेजीमेंट के ब्रिगेडियर संजय चंद्र कांडपाल ने कहा कि फ्लैग फाउंडेशन देश के कोने-कोने में पूरे समर्पण भाव के साथ देशभक्ति की अलख जगा रहा है। गौरतलब है कि देश को अनेक जनरल देने वाले पंजाब रेजीमेंट ने न सिर्फ राष्ट्र की सुरक्षा बल्कि विश्व शांति में भी

अभूतपूर्व योगदान दिया है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत यह रेजीमेंट गाजा, अंगोला, लेबनान, कांगो जैसे देशों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है। पंजाब रेजीमेंट की बटालियन की कुल संख्या 21 है। इस रेजीमेंट को 53 युद्ध सम्मान प्राप्त हैं, जिसमें स्वतंत्रता के उपरांत 10 विशेष सम्मान भी शामिल है, जैसे कि जोजिला, बडोरी तथा लोंगेवाला युद्ध सम्मान। भारत की आजादी के बाद इस रेजीमेंट को कुल 2329 सम्मान तथा पुरस्कार मिले हैं। विशाल ध्वज लोकार्पण के अवसर पर अपने संबोधन में मेजर जनरल अशीम कोहली (अवकाशप्राप्त) ने कहा कि, ह्लभारतीय राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्र की एकता का सर्वोच्च प्रतीक है। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ह्लहर घर तिरंगा-हर दिन तिरंगाह्व मिशन के साथ राष्ट्रीय ध्वज में निहित संदेश को घर-घर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। फ़्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम-1980 के तहत की गई है। नवीन जिन्दल के एक दशक लंबे कानूनी संघर्ष के परिणामस्वरूप सर्वोच्च न्यायालय ने 23 जनवरी 2004 को फैसला सुनाया कि वर्ष के 365 दिन राष्ट्रीय ध्वज का सम्मानपूर्वक प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। नवीन जिन्दल कहते हैं कि तिरंगा हर भारतीय के लिए प्रेरणा का सर्वोच्च प्रतीक है। यह वास्तव में हमारी मातृभूमि के लिए गर्व और सम्मान की सच्ची अभिव्यक्ति है। इस भावना के प्रचार-प्रसार एवं राष्ट्रीय ध्वज से प्रेरणा लेकर देश की भलाई का कार्य करने हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया विभिन्न परियोजनाएं चला रहा है। इस मौके पर जेएसपी-पतरातू के प्लांट हेड सतेन्द्र सिंह, ग्रुप सीएसआर प्रमुख प्रशांत होता समेत कई अधिकारी भी उपस्थित थे।

लायंस क्लब ने 35वां सप्ताह भी मां शीतला देवी मंदिर में भव्य भंडारा का किया आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा द्वारा प्रत्येक सप्ताह की भांति इस शनिवार को भी लगातार 35वां सप्ताह भुरकुंडा के पटेलनगर सयाल मोड़ स्थित मां शीतला देवी मंदिर में नर सेवा नारायण सेवा कार्यक्रम के तहत भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मां को लड्डू का भोग चढ़ाया गया। तत्पश्चात आयोजित भंडारा में लायंस क्लब के लोगों द्वारा फूड फॉर हंगर के तहत लगभग 350 लोगों को खिचड़ी रूपी प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद लिया गया। बताया गया कि प्रत्येक सप्ताह लायंस परिवार के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत सहयोग से आयोजन किया जाता रहा है। मौके पर क्लब की अध्यक्ष लायन रेखा वर्णवाल, सचिव अंजू देवी और कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद ने बताया की लायंस क्लब भुरकुंडा समाज के निचले स्तर पर जीवन यापन

कर रहे लोगो को ध्यान में रखकर समाजिक उत्थान का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों को भोजन कराना सबसे बड़ा पूण्य का कार्य है। जरूरतमंदों की सेवा ही कल्ब का उद्देश्य भी है, जो निरंतर जारी रहेगा। लायंस परिवार ने ऐसे नेक और सामाजिक कार्यों में सबों को सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब की अध्यक्ष रेखा वर्णवाल, सचिव अंजू देवी, कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद, जोन चेयरपर्सन एमजेएफ डॉ राजेंद्र महतो, जिला चेयरपर्सन अशोक सिन्हा, जिला चेयरपर्सन अखिलेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष माला शर्मा, लायन विजयंत कुमार, लायन डॉ एमके मंजुल, सूबेदार एचएन यादव, लायन दीनबंधु सिंह, लायन विजय वर्णवाल, एमजेएफ संजय जयसवाल, लायन भूपेंद्र सिंह सैनी उर्फ जीबु आदि का विशेष योगदान रहा। इधर परमानेंट प्रोजेक्ट वैक्सीनेशन के तहत लायंस क्लब द्वारा भुरकुंडा ट्रैक्टर स्टैंड स्थित राज नर्सिंग होम में गर्भवती महिलाओं व दर्जनों शिशुओं का स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा निःशुल्क टीकाकरण किया गया।

रामनवमी मंगला जुलूस निकालने को ले खोपड़िया बाबा धर्मशाला में रामभक्तों की हुई बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा बाजार स्थित खोपड़िया बाबा धर्मशाला में शनिवार को रामभक्तों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता शंकर यादव और संचालन सुनील कुमार ने किया। बैठक में रामनवमी की तैयारियों पर चर्चा करते हुए आगामी 25 मार्च को भव्य मंगला जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया। कहा गया कि मंगला जुलूस में सैकडों की संख्या में श्री राम-हनुमान भक्त पारंपरिक हथियार, महावीरी पताका, गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ जुलूस में शामिल होंगे। मंगला जुलूस की सफलता को लेकर सुरज करमाली को शोभायात्रा का अध्यक्ष बनाया गया है।

दोतल्ला पंचायत में पीसीसी पथ निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

दबंग हिन्द,संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। बुध बाजार दोतल्ला पंचायत के दुंदुवा से शिवनगर, बीटीटीआई मोहल्ला होते इमली गछ तक बनने वाले पीसीसी पथ निर्भाण कार्य का शनिवार को शिलान्यास किया। सर्वप्रथम मुखिया सत्यवंती देवी, पूर्व जिप उपाध्यक्ष मनोज राम, पूर्व मुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि लव कुमार महतो, उप मुखिया प्रशांत कुमार ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद विधायक रोशनलाल चौधरी ने नारियल फोड़कर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर सत्यवंती देवी ने बताया गया कि ग्राम पंचायत में लंबी सड़कों का घोर अभाव था। जिसके कारण प्रतिदिन दुर्घटनाएं घटती रहती थी। लोगों को विशेष कर बरसात के दिनों में आवागमन में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बताया गया कि ग्राम पंचायत के लगभग सभी अति महत्वपूर्ण लंबी सड़कों का निर्माण हेतु टेंडर निकल चुका है। आगामी 2 से 3 माह में पूरे ग्राम पंचायत का सड़कों का कायाकल्प हो जाएगा। मौके पर जामा देवी, बेबी खातून, अविनाश कुमार सहिया रंजू सिंह, आंगनबाड़ी सेविका किरण सिंह, कांग्रेस नेत्री मंजू देवी, बालेश्वर बेदीया, विनोद कुमार, संजय कुमार चंद्रवंशी, पवन कुमार, अनिकेत कुमार, दिविलाल सोरेन, वीरेंद्र यादव, रंजीत मालाकार, संजय पासवान, संजय पांडेय, विकास सोनी, संजय शर्मा सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थें।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में विशाल ध्वज लोकार्पित किया

कुरुक्षेत्र के सांसद, जाने-माने उद्योगपति नवीन जिन्दल हैं फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

दबंग हिन्द,संवाददाता

रामगढ़। देशवासियों को प्रतिदिन पूरे गर्व और सम्मान से राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिलाने वाले कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद, जाने-माने उद्योगपति और नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाले फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने शनिवार को देश की सबसे पुरानी रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट के 110वें स्थापना दिवस समारोह में 108 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लोकार्पित किया गया। इस अवसर पर फ्लैग फाउंडेशन के मुख्य कार्याधिकारी मेजर जनरल अशीम कोहली (अवकाशप्राप्त) ने ध्वज फहराया और आह्वान किया कि देशवासी तिरंगे से राष्ट्र सेवा की प्रेरणा लें। इस अवसर पर पंजाब रेजीमेंट के ब्रिगेडियर संजय चंद्र कांडपाल ने कहा कि फ्लैग फाउंडेशन देश के कोने-कोने में पूरे समर्पण भाव के साथ देशभक्ति की अलख जगा रहा है। गौरतलब है कि देश को अनेक जनरल देने वाले पंजाब रेजीमेंट ने न सिर्फ राष्ट्र की सुरक्षा बल्कि विश्व शांति में भी

अभूतपूर्व योगदान दिया है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत यह रेजीमेंट गाजा, अंगोला, लेबनान, कांगो जैसे देशों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है। पंजाब रेजीमेंट की बटालियन की कुल संख्या 21 है। इस रेजीमेंट को 53 युद्ध सम्मान प्राप्त हैं, जिसमें स्वतंत्रता के उपरांत 10 विशेष सम्मान भी शामिल है, जैसे कि जोजिला, बडोरी तथा लोंगेवाला युद्ध सम्मान। भारत की आजादी के बाद इस रेजीमेंट को कुल 2329 सम्मान तथा पुरस्कार मिले हैं। विशाल ध्वज लोकार्पण के अवसर पर अपने संबोधन में मेजर जनरल अशीम कोहली (अवकाशप्राप्त) ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्र की एकता का सर्वोच्च प्रतीक है। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया हर घर तिरंगा-हर दिन तिरंगा मिशन के साथ राष्ट्रीय ध्वज में निहित संदेश को घर-घर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। फ़्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम-1980 के तहत की गई है। श्री नवीन जिन्दल द्वारा एक दशक लंबी कानूनी लड़ाई जीतने के बाद एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में फाउंडेशन ने देशवासियों को गर्व और सम्मान के साथ साल के 365 दिन अपने घर और प्रतिष्ठान में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के माध्यम से प्रतिदिन देशभक्ति प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री नवीन जिन्दल के एक दशक लंबे कानूनी संघर्ष के परिणामस्वरूप सर्वोच्च न्यायालय ने 23 जनवरी 2004 को फैसला सुनाया कि वर्ष के 365 दिन राष्ट्रीय ध्वज का सम्मानपूर्वक प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। श्री नवीन जिन्दल कहते हैं कि तिरंगा हर भारतीय के लिए प्रेरणा का सर्वोच्च प्रतीक है। यह वास्तव में हमारी मातृभूमि के लिए गर्व और सम्मान की सच्ची अभिव्यक्ति है। इस भावना के प्रचार-प्रसार एवं राष्ट्रीय ध्वज से प्रेरणा लेकर देश की भलाई का कार्य करने हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया विभिन्न परियोजनाएं चला रहा है। इस मौके पर जेएसपी-पतरातू के प्लांट हेड सतेन्द्र सिंह, ग्रुप सीएसआर प्रमुख प्रशांत होता समेत अनेक अधिकारी भी उपस्थित थे।

रामगढ़ जिला एन एस यु आई कार्यकारिणी बैठक हुई संपन्न

दबंग हिन्द,संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिला एन एस यु आई के द्वारा थाना चौक रामगढ़ में शनिवार को दिन के एक बजे कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बतोर मुख्य अतिथि जिला प्रभारी अमन अहमद साथ ही प्रदेश महासचिव वजाहत उल्लाह उपस्थित हुए। बैठक में जिला प्रभारी ने संगठन के सक्रिय सदस्यों से परिचय प्राप्त कर सदस्यों से सुझाव लेकर जल्द से जल्द जिले में संगठन विस्तार को लेकर अपनी रणनीति बताई एवं जिले के सभी कॉलेज कमेटी जल्द से जल्द बनाने की बात कही वही उन्होंने कहा की छात्रों की समस्याओं का समाधान करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस मौके पर प्रदेश महासचिव ने अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की और जल्द से जल्द संगठन विस्तार पर बल दिया। वही एनएसयूआई के सक्रिय सदस्य धीरेंद्र कुमार ने कहा की जिले के प्रतेक कॉलेजों का भ्रमण जारी हैं और छात्रों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा हैं। इस मौके पर विशाल यादव, आकाश करमाली, रईस अंसारी, सौरव कुमार, विवेक कुमार आदि अनेको उपस्थित थे।

ऑन ड्यूटी शराब पीने वाले और भ्रष्टाचार में लिप्त रहने वालों की खैर नहीं

डीजीपी ने पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों की मांगी लिस्ट

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य पुलिस के विभिन्न जिलों और इकाइयों में काम कर रहे गैर अनुशासित पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की लिस्ट मांगी है. उन्होंने रांची जोनल आईजी और सभी रेंज के डीआईजी को इससे संबंधित निर्देश जारी कर दिये हैं. जारी निर्देश में सात मुख्य बिंदुओं के आधार पर लिस्ट मांगी गयी है. साथ ही एक सप्ताह के अंदर गैर अनुशासित पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की लिस्ट उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है.

इन कार्यों में शामिल रहने वाले पुलिसकर्मियों की मांगी गयी है सूची : ▸▸ जिनके खिलाफ आम नागरिक और महिलाओं से दुर्व्यवहार करने के आरोप में कार्रवाई की गयी है. ▸▸ जिनकी भू माफिया और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के साथ संलिप्तता पाई गयी है. ▸▸ जिनके खिलाफ अपने वरीय पदाधिकारी के साथ उदंड तरीके से व्यवहार करने के आरोप में कार्रवाई की गयी है या उदंड तरीके व्यवहार करते हैं. ▸▸ जो ड्यूटी से फरार (अनुपस्थित) रहते हैं. ▸▸ जो ड्यूटी के दौरान अक्सर शराब का सेवन करते हैं. ▸▸ जो अक्सर बिना कारण अवकाश (छुट्टी) लेते हैं. ▸▸ जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप हो।

चतरा के हंटरगंज थाना प्रभारी को डीजीपी ने किया था सस्पेंड : बता दें कि चतरा जिले के हंटरगंज थाना प्रभारी मनीष कुमार को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने एक दिन पहले तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया. उन्हें भ्रष्टाचार में लिप्त पाये जाने के बाद निलंबित कर प्रशासनिक दृष्टिकोण से चाईबासा स्थानांतरित कर दिया गया है मनीष कुमार पर अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अवैध वसूली और अन्य भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा का केंद्रीय महाधिवेशन कई मायनों में इस बार खास होने वाला है

झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने संगठन को धार और विस्तार देने की कवायद में जुटा

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने संगठन को धार और विस्तार देने की कवायद में जुटा है. इसके लिए पार्टी के आला नेता लगातार कवायद में जुटे हैं. झामुमो का सदस्यता अभियान अब आखिरी पड़ाव पर है. इस अभियान के समाप्त होने के बाद अब पूरा संगठन पंचायत, प्रखंड और जिला कमेटियों के गठन की तैयारियों में जुट गई है. इस प्रक्रिया को पूरा करने में 30-35 दिन और लगेंगे. इसके बाद अप्रैल महीने के दूसरे सप्ताह में झारखंड मुक्ति मोर्चा का 13वां केंद्रीय महाधिवेशन होने की संभावना है।इको लेकर पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि रांची में इस बार पार्टी का केंद्रीय महाधिवेशन न सिर्फ भव्य होगा बल्कि बेहद खास भी होने जा रहा है. देश की बड़ी राजनीतिक शक्ति भाजपा को चुनाव में परास्त करने के बाद बढ़े हुए सांगठनिक क्षमता और ऊंचे मनोबल के साथ केंद्रीय महाधिवेशन आयोजित होगा।

बिहार और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की रुचि : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी के केंद्रीय महाधिवेशन को लेकर जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इस वर्ष बिहार और अगले वर्ष पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी विशेष रणनीति बनाई जाएगी. क्योंकि इन दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी की रुचि है।

देश की खस्ताहाल आर्थिक स्थित और अन्य मुद्दों पर भी होगी चर्चा : झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति खराब है, हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है. ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना और कई राजनीतिक प्रस्ताव केंद्रीय महाधिवेशन के केंद्र में होंगे. उन्होंने कहा कि पार्टी अगले 03 वर्षों के लिए पार्टी की कार्य-योजना को भी महाधिवेशन के समक्ष रखा जाएगा।

इस बार तीन दिन का होगा केंद्रीय महाधिवेशन : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी संगठन के लिए इस बार का केंद्रीय महाधिवेशन बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहा है. कोरोना की वजह से वर्ष 2021 में पार्टी का 12वां केंद्रीय महाधिवेशन सिर्फ एक दिन के लिए आयोजित कर सभी औपचारिकता पूरी कर ली गयी थी. जिसमें 500 से भी कम प्रतिनिधियों ने भाग लिया था. इस बार अंडमान-निकोबार के साथ साथ सात से आठ राज्यों के पार्टी प्रतिनिधि इस महाधिवेशन का हिस्सा होंगे।

सीएम हेमंत सोरेन देश में आदिवासियों के एक मात्र नेता : रांची के प्रभात तारा मैदान में अप्रैल महीने में होने वाली तीन दिवसीय झामुमो केंद्रीय महाधिवेशन में 07-08 राज्यों के प्रतिनिधियों के शिरकत की संभावना है. इसको लेकर पार्टी नेता मनोज पांडेय ने कहा कि इस बार अंडमान-निकोबार के भी प्रतिनिधि महाधिवेशन में अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

एक नजर

क्राइस्ट विश्वविद्यालय बेंगलुरु में सम्मानित हुई झारखंड की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

दबंग हिन्द,रांची। बेंगलुरु के क्राइस्ट विश्वविद्यालय में पूर्ववर्ती छात्रों के सम्मान समारोह में झारखंड की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सम्मानित हुई।इस सम्मान समारोह में देश भर के कई सांसद, विधायक और मंत्री सम्मानित हुए। क्राइस्ट विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद समाज में अपने काम के दम पर अलग पहचान बनाने वाले सफल छात्रों को ये सम्मान दिया गया। सम्मान पाने वाले सभी आज अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर मुकाम पर है। सम्मान पाने के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अपनों के हाथ सम्मान पाना गर्व की बात है। बेंगलुरु के क्राइस्ट विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मान पा कर जो सुखद अनुभूति हुई उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य को गढ़ने में शिक्षण संस्थान का हमेशा से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गुरुदेव हमेशा पथ प्रदर्शक की भूमिका में रहे है। क्राइस्ट विश्वविद्यालय देश के गिने चुने उन विश्वविद्यालयों में शामिल है जहां शिक्षा प्राप्त करना हर एक मेधावी छात्र का सपना होता है। विश्वविद्यालय के प्रांगण में आ कर पुरानी यादें ताजा हो गई और वो तमाम सपने भी जो भविष्य को लेकर अक्सर देखती थी। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के साथ सांसद सुधा मूर्ति, सांसद फ्रांसिस जॉर्ज, कर्नाटक सरकार में राजस्व मंत्री कृष्णा गौड़ा, सांसद मल्लेश बाबू , विधायक चांडी ओमन, विधायक दर्शन ध्रुवनरायणा , सांसद सागर ईश्वर खंड्रे को विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय पहचान बना रहा झारखंड, एक करोड़ से अधिक विदेशी मेहमानों ने किया भ्रमण

दबंग हिन्द,रांची। झारखंड ने पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. वर्ष 2021 में, राज्य ने 3.34 करोड़ घरेलू पर्यटकों का स्वागत किया,यह संख्या 2022 में बढ़कर 3.83 करोड़ हो गई, जबकि 2023 में यह थोड़ी घटकर 3.58 करोड़ रह गई. अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है.वर्ष 2021 में केवल 1,637 विदेशी पर्यटक झारखंड आए, जो 2023 में बढ़कर 1,89,261 हो गए. वर्ष 2024 में मासिक आंकड़े ने फिर से छलांग मारी. जुलाई 2024 में 60.85 लाख और सितंबर 2025 में 51.18 लाख पर्यटक झारखंड आए.सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने, संस्कृति को संरक्षित करने और खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए हैं. प्रमुख पर्यटन स्थलों को बेहतर सुविधाओं, जैसे कि पाथवे, सोलर लाइटिंग और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

देवेंद्र नाथ सिंह हाई स्कूल चोरेया के भुवनेश्वर सिंह और अभिश्वर महतो को विदाई दी गई

दबंग हिन्द,चान्हो। देवेंद्र नाथ सिंह हाई स्कूल चोरेया के दो शिक्षकों, भुवनेश्वर सिंह और अभिश्वर महतो, को शनिवार को विदाई दी गई। विदाई समारोह के अवसर पर स्कूल प्रबंधन द्वारा एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवानिवृत होने वाले शिक्षक भुवनेश्वर सिंह ने कहा सेवानिवृत्ति जीवन का एक अहम हिस्सा होता है। इस विद्यालय को फर्श से अर्श तक पहुंचने में उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया। आज इस विद्यालय में मेरे पढ़ाई हुए बच्चे कई बेहतरीन जगह पर कार्य कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस स्कूल में कार्यरत वर्तमान शिक्षक आगे भी विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य को गढ़ने का कार्य करते रहेंगे। मौके पर वरिष्ठ शिक्षक राकेश शर्मा, प्रधानाचार्य नवलेश सिंह सहित स्कूल के शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

जकात, फितरा के नाम से पैसा वसूल करने वालों से करें तहकीकात:अबुल कलाम आजाद

दबंग हिन्द,चान्हो। एक अहम जरूरी एलान 2 मार्च बरोज इतवार से रोजा शुरू है सावधान रहें दो नंबर के कागज दिखा करके जकात फितरा के नाम से पैसा वसूल करने वालों से अबुल कलाम आजाद ने इलाके के तमाम जिम्मेदारों से या आम लोगों से भी अपील की जाती है के चान्हो प्रखंड के ओलमाए केराम की तस्दीक के बगैर किसी भी हाल में चंदा ना दें , आप लोगों का पैसा सही जगह पर लगे इसी वजह से ऐसा कदम उठाया गया है, और एक बात तमाम सोफरा से अपील की जाती है के एमारत शरिया की तस्दीक जरूरी है इसके अलावा और जो भी तस्दीक हो एत्माद के काबिल हो तभी इलाके के ओलमाए केराम तस्दीक कर सकते हैं , और इन हजरात से तस्दीक कराना लाजमी होगा तभी इलाका में आप हजरात चंदा कर सकते हैं, मौलाना अब्दुल कयूम साहब अल्वी पंडरी मौलाना इदरीस साहब हाफिज अब्दुल अजीज मौलाना अब्दुल कयूम कासमी मौलाना इकराम मौलाना गाजी सलाहुद्दीन कासमी मौलाना खतीब मौलाना नूरुल हसन मौलाना रफीक साहब हाफिज तजम्मुल हुसैन मौलाना कमाल सोंस अबुल कलाम आजाद , इनमें से किसी एक से भी तस्दीक करा लीजिएगा सबसे करवाना जरूरी नहीं है ,यह जानकारी चान्हो प्रखंड के ओलमाए केराम के हवाले से।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने डोरंडा महाविद्यालय के प्राध्यापक का समर्थन किया

दबंग हिन्द,रांची। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने डोरंडा महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो मतीउर रहमान के तबादले का समर्थन किया है। श्री अहमद ने कहा कि प्रो रहमान का तबादला एक रूटीन प्रक्रिया है। वह कई वर्षों से डोरंडा महाविद्यालय में पदस्थापित थे। कुलपति डॉ अजित कुमार सिन्हा द्वारा उनका दूसरे महाविद्यालय में स्थानांतरित करना छात्र हित में उठाया गया कदम है इससे JUTAN (Jharkhand University Teachers Association) को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। यह कुलपति का विशेष अधिकार है और इसके लिए स्थानांतरित होने वाले शिक्षक से कुलपति को पूछने की आवश्यकता नहीं है। यदि जुटान की मांग को कुलपति ने माना तो शिक्षकों के साथ साथ शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे अपने स्थानांतरण को लेकर हमेशा आंदोलन करने को तैयार रहेंगे। यह छात्रहित एवं उच्च शिक्षा के लिए उचित नहीं है। इसलिए संगठन यह स्पष्ट कर देना चाहती है कि छात्रहित एवं उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए उठाए गए कुलपति के इस कदम पर हम उनके साथ हैं और जुटान की मांग का खंडन करते हैं। साथ ही, कुलपति से मांग करते हैं कि जितने स्थायी शिक्षक वर्षों से एक ही जगह कार्यरत हैं, उनका स्थांतरण यथाशीघ्र किया जाए ताकि शिक्षकों की मनमानी पर रोक लगे और विवि में पठन-पाठन सुव्यवस्थित रूप से संचालित होते रहे। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन हर छात्र हित के कार्यों में रांची विश्विद्यालय प्रशासन के साथ है ।

रमजान-उल-मुबारक रहमतों और बरकतों का महीना- समीउल्लाह अंसारी

दबंग हिन्द,ओरमांझी। रमजान-उल-मुबारक का मुकदस महीना तमाम बरकतों और रहमतों के साथ उम्मते मुस्लिमा के लिए निजात का जरिया है। इस महीने में अल्लाह अपने नेक बंदों पर रहमतों की बारिश करता है और शैतान को कैद कर देता है। यह बातें करमा के पूर्व पंचायत समिति सदस्य सह समाजसेवी समीउल्लाह अंसारी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि रमजान का रोजा अच्छी जिंदगी जीने का प्रशिक्षण है। रोजेदार का जमीर उसे नेक इंसान बनने की हर जरूरी सीख देता है। इस माह में हर नेकी का सवाब 70 गुना कर दिया जाता है। नफिल इबादत का सवाब सुन्नत के बराबर और सुन्नत का सवाब फर्ज के बराबर कर दिया जाता है, वहीं फर्ज का सवाब 70 गुना बढ़ा दिया जाता है। समीउल्लाह अंसारी ने बताया कि रमजान में कुरआन पाक नाजिल हुआ था और इस महीने की कुछ खास तारीखें हजार महीनों से भी बेहतर मानी गई हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर बीआईटी, मेसरा में डीएवी हेहल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बीआईटी,मेसरा में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल,राँची के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता भारत के महान वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन की स्मृति में आयोजित की गई थी,जिन्होंने 1928 में रमन प्रभाव की खोज की थी और इसके लिए 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया था। इस प्रतियोगिता में राजधानी के चार प्रतिष्ठित सीबीएसई से सम्बंधित विद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद डीएवी हेहल के विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट ज्ञान,तीव्र बुद्धिमत्ता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर शानदार सफलता अर्जित की।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने बढ़ाया आयोजन का गौरव : इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. सुशांत कुमार दत्तागुप्ता (पूर्व निदेशक, क्कएफकोलकाता), विशिष्ट अतिथि प्रो. इन्द्रनील मन्ना (कुलपति, बीआईटी,मेसरा) एवं प्रो. प्रतीम चटर्जी (रसायन विभाग, बीआईटी,मेसरा) सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े जटिल प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी प्रतिभा और तार्किक क्षमता का परिचय दिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, नवाचार को बढ़ावा देना और विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करना था।

विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर : डीएवी हेहल के विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष का माहौल रहा। विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने विद्यार्थियों की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत, समर्पण और विद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षण प्रणाली का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

जनगणना प्रपत्र में आदिवासी धर्म कॉलम की मांग को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। जनगणना प्रपत्र में आदिवासी धर्म कॉलम की मांग को लेकर दिल्ली में एक प्रदर्शन आयोजित किया गया. यह धरना राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति भारत द्वारा आयोजित किया गया था. इसमें विभिन्न राज्यों से सैकड़ों आदिवासी धार्मिक अगुवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए.इस दौरान पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने कहा कि आदिवासी अपनी हक, अधिकार और पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं. आदिवासी धर्म कॉलम की मांग अब देशभर में उठने लगी है और इसके लिए आदिवासी युवा एकजुट हो रहे हैं.धर्म कॉलम न होने के कारण आदिवासियों की पहचान हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध के रूप में की जा रही है. आदिवासियों का अलग धर्म कॉलम न होने के कारण तेजी से धर्मांतरण हो रहा है, जिसके कारण उनकी जनसंख्या घट रही है. इस समस्या को दूर करने के लिए केंद्र सरकार से जल्द से जल्द जनगणना प्रपत्र में आदिवासियों के लिए अलग धर्म कॉलम देने की मांग की गई है।

नौ राज्यों के आदिवासी प्रतिनिधि शामिल हुए : आदिवासियों के लिए अलग धर्म कॉलम की मांग अब झारखंड से बाहर भी जोर पकड़ने लगी है. युवा पीढ़ी केंद्र सरकार से आदिवासी धर्म कॉलम की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रही है. इसके कारण ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम समेत अन्य राज्यों के आदिवासी संगठन भी यह मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन में ये शामिल हुए : कंधर्व राज सिद्धार्थ, भुवन सिंह कोराम, निपोन चूतिप्पा, विनोद नागवंशी, जनार्दन कोड़ा, अल्मा एक्का, निशा भगत, बुधवा उरांव, शकुंतला हंसदा, फूलचंद तिर्की, बलकू उरांव, धुनकू मुंडा, नारायण गजवे, संजय तिर्की, अभय भूटकुंवर समेत अन्य लोग प्रदर्शन में शामिल हुए।

भक्तिमय जागरण का हुआ आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। श्री सर्वेश्वर महादेव शिव बारात आयोजन समिति हेसल के तत्वावधान में 27 फरवरी को रात्रि में झारखंड के मशहूर जागरण मंडली द्वारा संगीत संध्या एवं भक्तिमय जागरण का आयोजन हुआ जो 28 तारीख को 2:00 बजे प्रातः महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश वंदना एवं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रांची के लोकप्रिय विधायक सी.पी.सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर हुआ। धनबाद के मशहूर जागरण मंडली आनंद पांडे,गायिकी जया एवं प्रिया जी ने हमसे भंगिया पिसायक हे गणेश के पापा नहियर जात बानी हे गणेश के पापा, ओम नमः शिवाय,शंभू ओम नमःशिवाय , होलिया में उड़ेला गुलाल आदि आदि गाने पर रात भर श्रोताओं को नचाया एवं झुमाया। इस भक्तिमय जागरण को सफल बनाने में मुख्यरूप से समिति के अध्यक्ष राजीव प्रवीण सिंह, मुख्य आयोजन प्रभारी विनोद कुमार साहू,मुख्य संरक्षक नीरज कुमार,महिला अध्यक्ष रागिनी देवी,दीक्षा सिंह,प्रवक्ता शिव किशोर शर्मा सहित बबलू सिंह,लाल अजयनाथ शाहदेव, अविनाश मिश्रा,मंटू कुमार,मुन्ना पाहन,सानंद कुमार सिंह,जितेंद्र गुप्ता,राहुल बिहारी,डब्लू सिंह,दिनेश गुप्ता,पंकज सिंह,धर्मेंद्र कुमार,अशोक वर्मा,विजय नायक,संजय सिंह, कुमारी अनिता,नीतू गुप्ता,रजनी रंजन, प्रतिभा कुमारी,पुष्पा देवी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन चुनाव संपन्न

राहुल मुर्मू अध्यक्ष, संयुक्त सचिव पद पर राकेश पांडे विजयी

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस एसोसिएशन का चुनाव शुक्रवार की देर रात संपन्न हो गया. 28 फरवरी को हुए चुनाव में 1056 मतदाताओं में से 996 ने अपने मत का प्रयोग किया.काउंटिंग में अध्यक्ष पद पर राहुल मुर्मू, उपाध्यक्ष पद पर रोहित रजक व महताब आलम, महामंत्री के पद पर संजीव कुमार, संयुक्त सचिव के पद पर राकेश कुमार पांडे व संतोष महतो और संगठन सचिव पद पर मंटू कुमार ने जीत हासिल की.चयनित नये पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एक मार्च को होगा।

चुनावी मैदान में इन पद के लिए ये प्रत्याशी थे मैदान में : ▸▸ **अध्यक्ष :** राहुल कुमार मुर्मू, रवींद्र कुमार व कमलेश सिंह ▸▸ **उपाध्यक्ष :** निरंजन तिवारी, रोहित कुमार रजक, रामाकांत उपाध्याय, महताब आलम व अशोक तिवारी ▸▸ **महामंत्री :** संजीव कुमार, अरविंद कुमार यादव व नीलमणी राम ▸▸ **संयुक्त सचिव :** संतोष कुमार महतो, राकेश कुमार पांडेय, श्रीकांत शर्मा व मनोज पासवान ▸▸ **संगठन सचिव :** मंटू कुमार व निर्मल कुमार यादव।

दो साल की देरी से हुआ चुनाव : बता दें कि झारखंड पुलिस के एएसआई से पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारियों का केंद्रीय एसोसिएशन चुनाव, दो साल की देरी से हुआ. झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नये पदाधिकारियों के चुनाव को लेकर पुलिस मुख्यालय से भी कई बार रिमाइंडर भेजे जा चुके था।

मनरखन महतो ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

ओरमांझी। मनरखन महतो ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ संस्थान के अध्यक्ष मनरखन महतो ने किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में कुल 21 मॉडलों को प्रदर्शित किया गया जिसमें विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष मनरखन महतो ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है, साथ ही वैज्ञानिक सोच और अनुसंधान के प्रति रुचि भी विकसित होती है। प्रदर्शनी में निर्णायक मंडल द्वारा सभी मॉडलों की गहनता से समीक्षा की गई जिसके बाद विजेताओं की घोषणा की गई। प्रथम स्थान - कुमारी खुशी एवं समूह डी.एल.एड. 2024-2026 द्वितीय स्थान - सीमा कुमारी एवं समूह बीएससी नर्सिंग 2023-2027 तृतीय स्थान - कृति शर्मा एवं समूह बी.एड. 2023-2025। इस अवसर पर ट्रस्टी विरेन्द्रनाथ ओहदार, खुशबू सिंह, कृति काजल, निदेशक मनोज कुमार महतो, प्रबंधक मुकेश कुमार, प्रशासिका मीना कुमारी और पूनम कुमारी, मनरखन महतो बी.एड. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दूधेश्वर महतो, मनरखन महतो नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य चित्रवेल वी, मनरखन महतो फामेर्सी कॉलेज की प्राचार्या रागिनी कुमारी, मनरखन महतो पारामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डी.के. शर्मा सहित सभी व्याख्यातागण एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का समापन विद्यार्थियों और शिक्षकों के उत्साहवर्धन के साथ हुआ।

08 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी गयी

बच्चों को सभी प्रकार के भेदभाव से बचाएँ : कविता कुमारी खाती

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। माननीय झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के तहत नामकूम प्रखंड के चंदाघासी पंचायत भवन में डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी डिपुटी चीफ, श्रीमति कविता कुमारी खाती, पीएलवी लता कुमारी, रूही अग्रवाल, अनिता कुमारी, प्रीति कुमारी, बिनोद कच्छप, प्रहलाद उपाध्याय, मुखिया संदीप मुंडा, वार्ड सदस्य अंजली टोप्पो, अनिता टोप्पो एवं राजा वर्मा उपस्थित थे। श्रीमति खाती ने लोगों को आगामी 08 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वादकारी उक्त तिथि को आकर अपने वादों का निस्ताकरण करा सकते है। आगे उन्होंने जे. जे. एक्ट, पोक्सो एक्ट इत्यादि की जानकारी दी। नशा उन्मूलन पर फोकस किये और कहा कि नशा न करें, नशा से धन और स्वस्थ दोनों पर बुरा असर पड़ता है। आगे उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को सभी प्रकार के भेदभाव से बचाना चाहिए। पीएलवी लता कुमारी ने अंजली टोप्पो व अनिता टोप्पो के सहयोग से संयुक्त रूप से डायन बिसाही पर चर्चा की। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का समस्या होने पर पीएलवी से सम्पर्क करें या जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची में सीधे तौर पर आवेदन दें। रूही अग्रवाल ने वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन पर फोकस की। अनिता कुमारी एवं प्रीति कुमारी के द्वारा जॉब कार्ड, मईंया सम्मान योजना पर फोकस किया गया। बिनोद कच्छप एवं प्रहलाद उपाध्याय ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं नशा पर फोकस किये। यह भी ज्ञात हो कि एलएडीएसएस डिपुटी चीफ एवं पीएलवी के द्वारा माननीय नालसा के स्कीम बच्चों के लिए कानूनी सेवाओं पर फोकस किया गया। इसके तहत बच्चों के अधिकार के बारे में जानकारी दी गयी। शिक्षा का अधिकार पर फोकस किया गया। श्रीमति खाती ने कहा कि बाल विवाह व बाल श्रम एक अपराध है। यह भी ज्ञात हो कि एलएडीसी डिपुटी चीफ एवं सभी पीएलवी ने आगामी 08 मार्च को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए अपने वादों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से कराने पर प्रकाश डाला। पीएलवी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

नगर निगम से आवंटित दुकानों में रखी जा रही हैं आलू प्याज की बोरियां

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। रातू रोड में करोड़ों रुपए खर्च कर वेजिटेबल मार्केट बनाया गया है. यहां पर नगर निगम ने सैकड़ों फल औ? सब्जी विक्रेताओं को दुकान आवंटित किया गया है. गर्मी, बरसात औ? ठंड के मौसम में एक छत के नीचे फल औ? सब्जी बेच सकते हैं. नगर निगम ने विक्रेताओं के लिए शौचालय औ? लाइट की भी व्यवस्था की है. खरीदार के लिए पार्किंग भी बनाया गया है. लेकिन इन दिनों वेजिटेबल मार्केट के ग्राउंड फ्लोर में अधिकांश आवंटित दुकान खाली हो गई हैं। अब यहां पर आलू, प्याज, टमाटर, खीरा औ? लहसुन का बोरा और पेटी रखी जा रही है. यहां पर दुकान लगाने की बजाय रोड पर दुकान लगाए जा रहे हैं. इसके कारण वेजिटेबल मार्केट के फस्ट औ? ग्राउंड फ्लोर में लगने वाली सब्जियों की दुकानों पर खरीदार कम पहुंच रहे हैं. इस कारण सब्जी विक्रेता खरीद के दाम से कम दाम पर बेचकर घर जा रहे हैं।

वेजिटेबल मार्केट में कम पहुंच रहे हैं ग्राहक : मार्केट के अंदर लगाने वाले दुकानदारों ने बताया कि रोड पर सब्जी बिक रही है. नगर निगम कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. इसके कारण रोड पर बेचने वाले सब्जी विक्रेताओं का मनोबल बढ़ गया है. दोनों स्थानों पर एक ही दाम पर सब्जी मिल रही है. इसके कारण वेजिटेबल मार्केट के अंदर लगने वाले दुकानों पर ग्राहक कम पहुंच रहे हैं. मार्केट परिसर में पार्किंग भी बनाया गया है. यहां पर दस रुपये औ? बीस रुपये मासूल वसूली जाती है. इसके कारण भी लोग बाहर ही साग सब्जी खरीदकर जा रहे हैं।

आलू और प्याज से भरा बोरा रखा जा रहा है : आवंटित दुकान पर बैठकर साग सब्जी बेचने वाले स्थानो पर आलू और प्याज से भ?ा बोरा ?खा जा रहा है. इसके साथ ही टमाटर, बैगन, खीरा, कद्दू, नेनुवा का पेटी भी रखा जा रहा है. क्योंकि यहां से सब्जी बेचने वाले लोग अब वेजिटेबल मार्केट के बाहर दुकान लगा रहे है।

24 घंटे के अंदर कूड़ें - कचड़ों को साफ कराएं: उपायुक्त

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । समाहरणालय बोकारो के बगल में पर्यटन विभाग द्वारा आवंटित भवन में जायका हैपनिंग रेस्टुरेंट का संचालन किया जा रहा है ।प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि प्रबंधन द्वारा जायका हैपिनिंग से निकलने वाले कुड़े-कचड़े, पानी शराब की बोतलें रैपर्स फल-फूल इत्यादि के अवशिष्ट पदार्थों को समाहरणालय परिसर के आस-पास फेंका जा रहा है या उसे जलाया जा रहा है । खाने-पीने की वस्तुओं को फेंके जाने की स्थिति में तथा रेस्टोरेंट के बाहर रखे हुए कूड़ेदान में फेंके गये अवशिष्ट पदार्थों को खाने के लिए गाय-भैंस इत्यादि जानवर भटकते रहते है। जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है । साथ ही,पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। अवशिष्ट पदार्थों के दुर्गंध से समाहरणालय के पदाधिकारियों कर्मियों के साथ ही आमजनों को भी परेशानी होती है ।इसको लेकर उपायुक्त विजया जाधव ने रेस्टोरेंट प्रबंधन को चेतावनी दी है कि 24 घंटे के अंदर समाहरणालय परिसर के आस-पास तथा अन्य स्थानों पर रेस्टोरेंट द्वारा फेंके गये कूड़े-कचड़े को साफ कराएं। अन्यथा पर्यावरण को प्रदूषित करने एवं सरकारी सम्पति का दुरुपयोग कर आमजनों को परेशान करने के आरोप में *प्रबंधन के विरूद्ध रू०- 5000/- पाँच हजार का आर्थिक जुमार्ना लगाते हुए अन्य दण्डणात्मक कार्रवाई की जाएगी।

लंबित कार्यों को संबंधित एजेंसी अविलंब करें पूरा : उपायुक्त

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त विजया जाधव ने समेकित बिरसा ग्राम सह कृषक पाठशाला नावाडीह एवं जरीडीह की जिला स्तरीय निगरानी समिति का बैठक किया। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी मो. शाहिद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रीमती शालिनी खालखो व अन्य पदाधिकारी आदि उपस्थित थे। उपायुक्त ने समेकित बिरसा ग्राम सह कृषक पाठशाला के संबंध में कौन सा काम पूरा व कौन सा पूरा किया जाना है के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधूरे कार्य को त्वरित गति से पूर्ण करने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया। समीक्षा क्रम में *समेकित बिरसा ग्राम सह कृषक पाठशाला के उद्देश्य व लाभ से क्षेत्र के किसानों को अवगत कराने को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार - प्रसार कराने को कहा ।कृषक पाठशाला नावाडीह के एजेंसी आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के सचिव

बासुदेव शर्मा ने बताया कि मार्च 2023 में नावाडीह कृषक पाठशाला का कार्य प्रारंभ किया गया था एवं 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया एवं शेष बचे कार्य को एक माह के अंदर पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं, जरीडीह कृषक पाठशाला का डीपीआर अनुमोदन का कार्य प्रगति पर है ।बैठक में कृषक पाठशाला नावाडीह में किये गए कार्यों एवं मानव संसाधन मानदेय, श्रमिकों के भुगतान समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने अनुमोदन को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी मोहम्मद शाहिद व अन्य पदाधिकारियों द्वारा जरूरी दिशा - निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी को जिला के वातावरण अनुरूप चीकू, ड्रैगन फ्रूट, अमरूद, पपीता, नींबू आदि का फसल उत्पादन पर बल देने एवं इसके लिए किसानों को प्रेरित करने को कहा।

सिकमी किस्म की जमीन से पीड़ितो ने अंचल अधिकारी से समस्या निदान की लगाई गुहार :अतीश

दबंग हिन्द,संवाददाता

चास । प्रभात कॉलोनी वार्ड 26 के सिकमी प्रभावित लोगों ने चास अंचल अधिकारी दिवाकर दुबे से मिलकर बिगत 28 जनवरी 2025 को दिए गए सामूहिक आवेदन पत्र पर हुई करवाई के संबंध में वार्ता किया. इस वार्ता में आम लोगों के अंदर भारी रोष और नाराजगी व्याप्त थी. सभी लोगों ने एक स्वर में लगभग एक माह बीत जाने के बावजूद उक्त समस्या के निदान के लिए अंचल अधिकारी के स्तर से किसी भी तरह के पहल नहीं होने पर भारी नाराजगी व्यक्त की. अंचल अधिकारी चास ने उक्त हल्का क्षेत्र के राजस्व कर्मचारी अशोक मिश्रा को बुलाकर पूरी मामले की गंभीरता से समाधान करने का निर्देश दिया.इस अवसर पर प्रभात कॉलोनी वासी नवल प्रसाद ने कहा कि अंचल अधिकारी चास ने राजस्व कर्मचारी अशोक मिश्रा को आज निर्देश दिया कि खाता संख्या 177 का खतियान का इंतजाम कर परिशोधन एप में जमीन के प्रकार का सुधार करने का काम किया जाए. हम लोग 2-4 दिनों के अंदर राजस्व कर्मचारी के साथ मिलकर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे और इसमें किसी तरह की कोताही होने पर उपायुक्त बोकारो से मिलकर सभी तथ्यों से अवगत कराने का काम किया जाएगा.इस अवसर पर अभय कुमार मुन्ना, अतीश कुमार सिंह, राम किंकर माहथा हरेंद्र प्रसाद, लक्ष्मण साव, विजय कुमार शर्मा, नवल प्रसाद, रंजन कुमार तिवारी, कृष्णा राय, कृष्ण प्रसाद, महेश प्रसाद, राजेंद्र गुप्ता, रंजन तिवारी, श्याम कुमार साव, भुवनेश्वर ठाकुर, हरेंद्र प्रसाद पांडेय, विनोद कुमार चौधरी, संजय कुमार, शंकर साहू, रिश्व राज, शशांक राज, सत्यम सिंह, साहिल कुमार, शुभम कुमार, संजीत कुमार, गौरव कुमार, संजय कुमार सहित अनेक लोग वार्ता में शामिल हुए।

प्री नर्सरी, द्वितीय एवं तृतीय के नव नामांकित छात्रों का हुआ भव्य स्वागत

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । चिन्मया विद्यालय बोकारो में वर्ष 2025-26 के प्री नर्सरी द्वितीय एवं तृतीय के नवीन नामांकित छात्रों के हेतु आयोजित सम्मेलन समारोह सोउल्लास संपन्न हुआ । इसमें सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने भाग लिया। जहां उन्हें विद्यालय की उपलब्धि, उद्देश्य ,सेवा कार्य एवं संस्थागत ढांचे के बारे में जानकारी दी गई ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहित गणमान्य उपस्थित अतिथियों विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय , विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार , रश्मि सिंह, रश्मि शुक्ला एवं सोमा झा , के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के संगीत नाटक विभाग द्वारा सुंदर स्वागत गाना एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया । सभी विशिष्ट अतिथियों, छात्रों एवं अभिभावकों का स्वागत प्राचार्य सूरज शर्मा ने किया ।चिन्मय विद्यालय

बोकारो, झारखंड का पहला विद्यालय है जिसने नावेट का सर्टिफिकेशन, सी.बी.एस.ई से न्यू जनरेशन स्कूल एवं ब्रिटिश काउंसिल से भी विशिष्ट प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुका है । मैं सभी छात्र एवं उनके अभिभावकों को विश्वाश दिलाना चाहता हूं कि उनका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। केवल आवश्यकता इस बात की है कि निर्भय होकर कोशिश करें। कोशिश हमेशा कामयाब होती। आपके प्रयास एवं सहयोग के लिए विद्यालय सभी संसाधनों के साथ साथ खड़ा है । सोनालीसा,सरिता वर्मा, आकांक्षा, पुनीत दोषी ने विद्यालय के आधारभूत ढांचा, विद्यालय शुल्क , बस एवं शैक्षणिक उपलब्धि का पी.पी टी शो प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षकों का परिचय करवाया ।इस प्रकार आज के कार्यक्रम में छात्रों के अभिभावकों को विद्यालय संबंधित सभी विषयों की जानकारी दी गई ताकि आने वाले दिनों में उन्हें कोई कष्ट ना हो । कार्यक्रम के अंत में उप प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने सभी अभिभावको सहित उपस्थित गणमान्य अतिथियों को कार्यक्रम में बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद प्रकट किया।

राजेंद्र विरोहर जिला कल्याण कार्यालय में 12 वर्षों से जीप चालक के पद पर है कार्यरत

बोकारो । 12 वर्ष सेवा देने के बाद भी राजेंद्र विरोहर को नियमित नहीं किया गया। रामगढ़ ।राजेंद्र विरोहर पिता स्वर्गीय झलकू विरोहर ग्राम सुगिया पोस्ट करमा थाना मांडू जिला रामगढ़ केद्वारा रामगढ़ जिला कल्याण कार्यालय मेंजीप चालक के पद पर 12 वर्षों से सेवा दे रहा हू ।अभी तक राजेंद्र बिरहार को नियमित नहीं किया गया है ।राजेंद्र विरोहर नेशनिवार को दिन के 4:00 बजेजानकारी देते हुए कहांकि मैं 12 वर्षों से कल्याण विभाग में जीप चालक के पद पर काम कर रहा हूं ।विभाग रांची से नियमित करने के लिए जिला कल्याण को पत्र भी आयाऔर कल्याण विभाग के द्वारा भी नियमित करने के लिए मेरा नाम भेजा गया ।लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ है ।राजेंद्र विरोहर ने जिले के आला अधिकारियों और सरकार सेजीप चालक के पद पर नियमित करने की मांग की है।

एक नजर

खनन विभाग की टीम ने वन क्षेत्र में चलाया छापेमारी अभियान अवैध रूप से रेट होल माइनिंग का मिला साक्ष्य

बोकारो । उपायुक्त बोकारो विजया जाधव के निदेर्शानुसार एवं जिला खनन पदाधिकारी के मार्ग दर्शन में शनिवार को जिला के जगेश्वर विहार थानांतर्गत मौजा दनिया के वन क्षेत्र पर खनन टीम ने छापामारी अभियान चलाया। जिसमें उक्त स्थल पर अवैध रूप से रेट होल माइनिंग कर कोयला खनिज के उत्खनन करने का साक्ष्य * पाया गया, उक्त स्थल पर अवैध रूप से कोयला खनिज का उत्खनन के दरम्यान किए गए सुरंगों के मुहाने को जेसीबी के माध्यम से टीम ने बंद कराया ।वहीं, उक्त अवैध कार्य में संलिप्त व्यक्तियों पर जगेश्वर विहार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। छापेमारी अभियान टीम में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू,वनरक्षी अजीत कुमार मुर्मू, तेनुघाट वन प्रक्षेत्र,वनरक्षी विकास कुमार महतो,तेनुघाट वन प्रक्षेत्र,स.अ.नि विशाल कुमार, जगेश्वर विहार थाना,वन सुरक्षा बल एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद थे।

राज्यस्तरीय विधिक सेवा व सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

बोकारो । झारखंड राज्य राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो एवं जिला प्रशासन बोकारो के द्वारा आज दिनांक 1 मार्च को चंद्रपुरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डीवीसी फुटबॉल मैदान में राज्य स्तरीय विधिक सेवा -सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया था। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय सह कार्यकारी अध्यक्ष झालसा न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद उपस्थित थे। साथ ही विशिष्ट अतिथियों में न्यायमूर्ति सुश्री अंजना अस्थाना एवं न्यायमूर्ति श्री प्रदीप कुमार, डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा, उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव, वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गीयारी, निदेशक डीपीएलआर श्रीमती मेनका, अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट मुकेश मछुआ सहित जिले के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ससमय एंबुलेंस के अभाव में हर साल 45 हजार लोगों की होती है मौत

बोकारो । फिलहाल सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा दे रहे रूपेश ने बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना प्रमुख चुनौतियों में से एक है। भागम-भाग और रफ्तार की होड़ में हर साल अपने देश में लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत सड़क हादसे में होती है। इनमें लगभग 30 फीसदी यानी लगभग 45 हजार लोगों की मौत सही समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पाने के कारण हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने और सही समय पर दुर्घटनाग्रस्त लोगों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से ही उसने यह प्रोजेक्ट तैयार किया, जिसे पूरा करने में इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के तहत भारत सरकार की तरफ से उसे पारितोषिक के रूप में सहयोग भी मिला।

पिता के दोस्त की सड़क हादसे में मौत के बाद आया आइडिया

बोकारो । रूपेश ने बताया कि लगभग कुछ वर्ष पहले उसके पिता बीएसएलकर्मी रविशंकर कुमार के एक पूर्व सैनिक मित्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। अगर सही समय पर एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई होती, तो शायद उनकी जान बचाई जा सकती थी। इस दुर्घटना के बाद ही उसे यह आइडिया सूझा कि कुछ ऐसा उपकरण वह बनाए, जिससे सड़क हादसे में घायल लोगों की जान समय रहते बचाई जा सके। उसने इस बारे में अपने विद्यालय में संबंधित गाइड टीचर मो. ओबैदुल्लाह अंसारी से बात की और उनकी मदद से इस प्रोजेक्ट की ओर काम आगे बढ़ाया। प्रारंभिक स्तर पर इसे मूर्त रूप देने में उसे लगभग एक महीने का समय लगा था और करीब 1200 रुपए का खर्च आया था। इस प्रोजेक्ट के लिए उसने सभी सामान आनलाइन जुगाड़ किए थे।

झारखंड से दो छात्रों को मिला पेटेंट

चास । डीपीएस बोकारो के रूपेश के साथ-साथ झारखंड से कुल दो विद्यार्थियों के वैज्ञानिक नवाचार को पेटेंट मिला है। दूसरा छात्र कोयलानगर, धनबाद का तुहीन भट्टाचार्जी है, जिसने कोयला चोरी रोकने को लेकर एक परिवहन प्रणाली विकसित की है। बता दें कि रूपेश ने डीपीएस बोकारो से नागपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित 108वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में भी झारखंड का प्रतिनिधित्व कर पूरे राज्य का मान बढ़ाया था। बीएसएलकर्मी रविशंकर कुमार एवं बिहार में राजस्व पदाधिकारी सुनीता कुमारी के होनहार पुत्र रूपेश की शुरू से ही कोडिंग में रुचि रही है। वह आगे चलकर एक सफल कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहता है।

श्रद्धा के साथ मनाई गई श्री रामकृष्ण परमहंस की जयंती

तालगड़िया । चंदनकियारी प्रखंड के देवग्राम पंचायत अंतर्गत योगीडीह स्थित श्री श्री रामकृष्ण विवेकानंद सेवाश्रम में भगवान श्री रामकृष्ण परमहंस की 190 वीं जयंती श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई गई । अनुष्ठान का शुभारंभ वैदिक मंत्रों उच्चारण एवं प्रार्थना के साथ किया गया । तत्पश्चात विशेष पूजन , चंडी पाठ व हवन किया गया । भक्तों ने पुष्पांजलि अर्पित की । अंत में महाप्रसाद का वितरण किया गया । मौके पर भक्तों ने परमहंस देव जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि । इस दौरान आश्रम की ओर से सैकड़ों जरुरतमंद लोगों के बीच वस्त्र वितरण किया गया । शाम को महा आरती का आयोजन किया गया । भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया । देर रात खेपा बाउल संप्रदाय के पंपा चक्रवर्ती बाउल गान परिवेशन की ।जिससे लोग मंत्रमुग्ध हो गए ।मौके पर अशोक कुमार सिंह, सुकुमार मुखर्जी, रामेश्वर कुम्भकार, मिहिर कुमार मुखर्जी , बामापद मुखर्जी, अशोक बनर्जी, अशोक दशौंधी, रामपद दास, शचीन्द्र महतो, आरती बनर्जी, मौसमी देवी, सपना देवी, दीपाली देवी, सुनंदा देवी आदि थीं ।

झामुमो का सदस्यता अभियान रहेगा जारी : मंटू

झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो महानगर इकाई का सम्मान समारोह आयोजित

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो महानगर इकाई के अंतर्गत आने वाली 34 शाखा समितियों के अध्यक्ष और सचिवों को नयामोड़ स्थित बिरसा आश्रम में सम्मानित किया गया। सभी को माला और गमछा पहनाकर स्वागत किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय सदस्य बीके चौधरी ने की। इस अवसर पर महानगर संयोजक प्रमुख मंटू यादव ने कहा कि केंद्रीय समिति के निदेर्शों के आलोक में टीम के सदस्यों ने मेहनत के साथ बोकारो, चास और फुसरों में 28 फरवरी तक सदस्यता अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने बताया कि सभी जगह शाखा समितियों का गठन किया गया है और आगे भी सदस्यता अभियान जारी रहेगा ।झामुमो नेता मंटू यादव ने निर्देश देते हुए कहा कि पंद्रह दिनों के अंदर शाखा समितियों का विस्तार किया जाए और सदस्यता अभियान को लगातार जारी रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि झामुमो की सदस्य बनने के लिए लोग काफी उत्सुक हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा किए गए विकास कार्यों को देखकर विपक्ष पूरी तरह से धराशायी हो चुका है। यादव ने विश्वास जताया कि कुछ ही दिनों में विरोधी दलों के पास कार्यकर्ता नहीं बचेंगे और पदाधिकारी बनाने के लिए उन्हें कोई नहीं मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव संतोष रजवार, केंद्रीय सदस्य हसन इमाम अंसारी, जिला संयोजक प्रमुख रतन लाल मांझी, जय नारायण महतो, मोहन मुर्मू, दीपक महतो, भोलू खान, प्रमोद तापड़िया, भागीरथ शर्मा, मटुकलाल किस्कू, फिरदौस अंसारी, फैयाज खान, मदन मोहन महतो, विजय रजवार, षष्ठी देवी, शांति सोरेन, मिथुन मंडल, कन्हैया सिंह,सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 36 लाभुकों का नामांकन

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना अन्तर्गत गाई ट्रेड में आवेदनों की संख्या बढ़ाने हेतु विशेष अभियान के तहत आज बोकारो जिला उद्योग केंद्र द्वारा सहयोगिनी कार्यालय बहादुरपुर में कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान 36 नाई कारीगरों का ऑनलाइन के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना में नामांकन कराया गया। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड झारखंड सरकार द्वारा नाई ट्रेड के शिल्पकारों को योजनाबद्ध तरीके से पीएम विश्वकर्मा योजना से लिंकेज कराने का कार्य कर रही है ।मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड बोकारो के डीईसी किशोर रजक ने बताया कि योजना के इस योजना से लाभुकों को स्किल अपग्रेडेशन हेतु 5 से 7 दिन की बेसिक ट्रेनिंग के साथ 500 रु. प्रति दिन का ट्रेनिंग स्टाइपेंड दिया जाएगा। साथ ही टूलकिट इंसेंटिव के तहत 15,000 रु. औद्योगिवा उपकरण खरीदने के लिए, योग्य आवेदकों को कोलैटर न-फ्री लोन, उत्पादों और सेवाओं का ऑनलाइन मार्केटिंग एवं ट्रेड फेयर में भाग लेने का अवसर मिल पाएगा। इस दौरान जिला उद्योग केंद्र के सुभाष कुमार, सहयोगिनी की कुमारी किरण, रवि कुमार राय, सूरजमनी देवी, अमरजीत कुमार आदि उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो के रूपेश के 'रक्षक' प्रोजेक्ट को अपनाएगी भारत सरकार, मिला पेटेंट

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास दिशा में डीपीएस बोकारो की कटिबद्धता ने एक बार फिर अपना रंग दिखाया है। विद्यालय का छात्र रहे रूपेश कुमार के वैज्ञानिक नवाचार संबंधी प्रोजेक्ट 'रक्षक' को अब भारत सरकार अपनाने जा रही है। सड़क हादसों में लोगों की जान बचाने में काफी महत्वपूर्ण उसके इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार ने 'इंस्पायर मानक अवार्ड स्कीम' के तहत पेटेंट प्रदान किया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीनस्थ राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन की ओर से इससे संबंधित सारी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। अब संभावना है कि आनेवाले दिनों में कार बनाने वाली कंपनियां उसके इस प्रोजेक्ट को इस्तेमाल करेगी और सड़क दुर्घटनाओं में समय रहते लोगों की जान बचाई जा सकेगी। बता दें कि रूपेश ने एक खास डिवाइस और मोबाइल एप्लीकेशन - रक्षक तैयार किया है। इसकी मदद से दुर्घटना होने के साथ ही संबंधित घटनास्थल के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी अस्पतालों को कॉल और एसएमएस के जरिए वाहन के लोकेशन के साथ सूचना मिल जाएगी। इससे सही समय पर घायल व्यक्ति तक एंबुलेंस पहुंचाई जा सकेगी। इतना ही नहीं, अस्पतालों के साथ-साथ वाहन में सवार लोगों के परिजनों और पुलिस को भी तत्काल सूचना मिल सकेगी। इसके अलावा उक्त एप में रजिस्टर्ड आसपास के कार चालकों को भी लोकेशन व सूचना मिल जाएगी। घर-परिवार के लोगों को भी अलर्ट मिल जाएगा। रूपेश की इस उपलब्धि से डीपीएस बोकारो परिवार में हर्ष है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इसके लिए उसे बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है। रूपेश प्रतिभाशाली छात्र रहा है। उसकी वैज्ञानिक कुशलता को विद्यालय ने पहचाना और तराशते हुए आज यह मुकाम दिलाया कि उसे सरकार से पेटेंट मिल सका। उसके द्वारा बनाया गया रोड सेफ्टी डिवाइस सड़क-सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी अहम है। इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के लिए चयनित होने वाले रूपेश को तीन महीने बाद जून 2025 में जापान टूर का भी मौका मिला है। उक्त योजना के तहत अंतिम चरण में चयनित होने पर उसे पुरस्कार-स्वरूप लगभग आठ लाख रुपए की पुरस्कार-राशि भी मिलेगी और राष्ट्रपति भवन में चार दिनों तक आतिथ्य का अवसर भी मिलेगा। अपनी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता तथा डीपीएस बोकारो परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए रूपेश ने कहा कि जिस तरह का सेफ्टी डिवाइस उसने बनाया है, अगर कार निमार्ता कंपनियां पहल करें, तो वह अपने आइडिया को व्यापक स्तर पर धरातल पर उतार सकता है। इससे दूसरा फायदा यह भी होगा कि सभी वाहन चालकों का डाटा एक जगह सुरक्षित रह पाएगा। साथ ही, सड़क हादसों के समय मिलने वाले लोकेशन के आधार पर संबंधित इलाके के एक्सीडेंट जोन की भी जानकारी मिल सकेगी।

राज्य स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो द्वारा बोकारो जिला प्रशासन के सहयोग से आदिम जनजातियों एवं समाज के कमजोर वर्गों के लिए राज्य स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन दिनांक 1 मार्च, 2025 को ऊरु फुटबॉल ग्राउन्ड, चंद्रपूर थर्मल पावर स्टेशन के नजदीक, चंद्रपुरा, बोकारो में किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर माननीय न्यायमूर्ति श्री सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय-सह कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा, एवं अन्य गणमान्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर झारखंड उच्च न्यायालय के अन्य माननीय न्यायाधीशगण सहित कुमारी रंजना अस्थाना, सदस्य सचिव, झालसा, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो, सुश्री जाधव विजया नारायण राव, उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो-सह-उपायुक्त, बोकारो, पुलिस अधीक्षक, बोकारो, प्रशासनिक पदाधिकारीगण, दामोदर घाटी निगम एवं उनके पदाधिकारीगण, बोकारो स्टील प्लांट एवं उनके पदाधिकारीगण, पुलिस सुरक्षा बल, पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, लाभुक, पी0 एल0 वी0 एवं अन्य भी उपस्थित थे। माननीय न्यायाधीश श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय ने सभा को संबोधित करते हुए निम्न बातें कहीः

- कमजोर वर्गों को न सिर्फ विधिक सहायता बल्कि सशक्तिकरण धरातल पर कैसे हो की अवधारणा हो।
- व्यक्ति के मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक तत्व का समावेषण देखने को मिला।
- अशिक्षा और गरीबी समान अवसर नहीं मिल पाने का कारण है।
- योजनाओं का वितरण कर सभी लोगों के बीच समान अवसर।
- महिलाओं के सशक्तिकरण करने का सार्थक प्रयास सराहनीय।

सभा को संबोधित करते हुए माननीय न्यायाधीश श्री सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा ने निम्न बातें कहीं:

- सरकारी स्कूल लोगों के कल्याण के लिए है।
- जीवन जीने के लिए रोटी, कपड़ा, मकान की जरूरत।
- एक मुट्ठी आसमान जो नालसा का थीम सॉन्ग है को साकार एवं आपको हमको जागरूक करना है।
- बच्ची को जन्म से पहले और बाद में कैसे स्वस्थ रखें।
- समाज, राज्य, देश आगे बढ़े।
- स्कूल को अंतिम व्यक्ति तक पहुँच बनाना, शिविर का उदेश्य है।
- महिलाओं का 50% सशक्त होंगे तो महिलायें बहुत आगे जाएंगी। घर आगे बढ़ेगा तो समाज, राज्य और देश बढ़ेगा।
- विधिक सहायता और सरकारी योजनाओं से अवगत कराएं।
- बिरहोर, पहाड़ियों को मुख्य धारा से कैसे जोड़ें। तभी एक मुट्ठी आसमान, हक हमारा भी तो है, को पूर्ण कर पाएंगे।
- हम सती प्रथा, बालश्रम इन सभी से ऊपर आ चुके हैं। पर आज भी डायन प्रथा है। इससे कैसे ऊपर उठें इसकी जागरूकता की आवश्यकता है।
- जागरूकता शिक्षा से आता है इसलिए शिक्षा जरूरी है।
- पढे-लिखे डॉक्टर के पास जाएं।
- घटना की जानकारी पी0 एल0 वी0 को कराएं।
- उक्त कार्यक्रम में स्वागत भाषण कुमारी रंजना अस्थाना, सदस्य सचिव, झालसा ने दिया।

कच्छी बलिहारी में चार दिवसीय 24 कुंडली गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ

दबंग हिन्द,संवाददाता

पुटकी। कच्छीबलिहारी में लगभग 501 कन्या व महिलाएँ द्वारा सिर पर कलश लेकर कलश यात्रा के साथ चार दिवसीय 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा कच्छीबलिहारी यज्ञ स्थल से आरम्भ होकर मुख्य मार्ग होते हुए सरकारडीह तालाब पहुंची। जहाँ जलभरण कराया गया। पुनः कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुँच यात्रा समाप्त हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रमोद साव एवं राम बिलाश राम ने बताया की शनिवार को कलश यात्रा के साथ 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ संध्या में संगीत प्रवचन की गई। रविवार को सामूहिक जप, ध्यान, प्रज्ञा योग-व्यायाम, देवपूजन, गायत्री महायज्ञ, कार्यकर्त्ता गोष्ठी, सायं को संगीत प्रवचन होगा। सोमवार को सामूहिक जप, ध्यान, प्रज्ञा योग-व्यायाम, गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार, कार्यकर्त्ता गोष्ठी, संध्या को विराट दीपयज्ञ एवं संगीत प्रवचन होगा। मंगलवार को सामूहिक जप, ध्यान, प्रज्ञा योग-व्यायाम, गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार, पूणार्हुति एवं टोली की विदाई दी जाएगी। कलश यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, धनबाद जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, रामबिलास राम, प्रमोद साव, संतोष सिंह, धनजय सिंह, राज कुमार राजभर, बच्चा दुबेदी, रवि रंजन, सुरेंद्र प्रसाद सहित अन्य मौजूद रहे।

चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ करने को लेकर विधायक ने विधानसभा में उठाई आवाज

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने धनबाद में चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने को लेकर आज झारखंड विधानसभा के सुन्यकाल के दौरान धनबाद मुख्यालय अंतर्गत प्रमुख अस्पताल एसएनएमएमसीएच में जेनेरिक केंद्र चिकित्सक के अभाव में बंद पड़े होने से धनबाद एवं आसपास के कई जिलों के मरीजों को होने वाली समस्या से अवगत कराया एवं अविलंब विशिष्ट चिकित्सकों के पदस्थापन किये जाने की मांग की। धनबाद सदर अस्पताल धनबाद में डे केयर सेंटर में दवाओं के अनुपलब्धता तथा विशिष्ट चिकित्सकों का पदस्थापन व अनुश्रवण नहीं होने के कारण थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को होने वाली कठिनाइयां संबंधित जानकारी सदन को दी एवं सरकार से एस एन एम एम सी एच तथा सदर अस्पताल धनबाद में स्थापित जेनेटिक केंद्र वार्ड तथा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे- बच्चियों की देखभाल हेतु विशिष्ट चिकित्सकों को पदस्थापित सहित डे केयर सेंटर स्थापना कराई जाने की जोरदार तरीके से मांग की। श्री सिन्हा ने अल्प सूचित प्रश्न के अंतर्गत राज्य के सभी जिले में आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज हेतु केंद्र स्थापित की जाने संबंधित सवाल किया। उन्होंने इस संबंध में यह भी पूछा कि क्या यह बात सही है कि पूरे राज्य के लिए 29 करोड रुपए और धनबाद जिले के लिए 2.37 करोड रुपए की आयुर्वेदिक दवाएं खरीद कर सभी केंद्रों में उपलब्ध कराने के बावजूद, स्थानीय मरीजों एवम आम लोगों को आयुर्वेदिक पद्धति से समुचित इलाज नहीं हो पा रही है। तथा आयुर्वेदिक दवाएं कैंप में मुफ्त दिए जाने थे एवं दवाओं का सुरक्षित इंतजाम नहीं होने कारण जीर्ण - शीर्ण अवस्था में होकर एक्सपायर होने के कगार पर हैं। विधायक श्री सिन्हा ने यह भी पूछा कि क्या यह बात सही है कि धनबाद जिला में आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज हेतु 63 केंद्र स्थापित किए गए थे। जिसमें मात्र साथ वैध(डाक्टर) हैं और उन सात वैधों में से 5 को स्कूलों में बाल स्वास्थ्य योजना में लगाया गया है। धनबाद जिला मुख्यालय सहित राज्य अंतर्गत 188 सीएचसी, 10 अनुमंडल अस्पताल, 24 सदर अस्पताल एवं 6 मेडिकल कॉलेज समेत 288 से अधिक अस्पतालों में अप्रैल 2023 तक जन औषधि केंद्रों का आम लोगों के लिए संचालन किया जाना था। जिन में आम लोग को सस्ती जेनरिक दवाएं मिलती। 228 जन औषधि केंद्रों के एवज में मात्र 27 जन औषधि केंद्र संचालित है। जबकि विभाग द्वारा इसके संचालन हेतु जनवरी 2023 से 3 महीने के अंदर निविदा प्रकाशित कर तथा एजेंसी के चयन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए जन औषधि केंद्रों की स्थापना की जानी थी। श्री सिन्हा ने पूछा कि यदि उत्तर सकरात्मक है तो क्या सरकार बताए गए राज्य के 201 से अधिक अस्पतालों में जन औषधि केंद्र की स्थापना अविलंब करते हुए आम जनों को सस्ती दवा उपलब्ध कराने का विचार रखती है हां तो कब तक और नहीं तो क्यों? धनबाद जिला मुख्यालय सहित जहां एक और कोयले के उत्खनन से प्रभावित है वहीं दूसरी ओर धनबाद के आम जन शुद्ध पेयजल आपूर्ति की समस्या से भी गंभीर पूर्वक ग्रसित हैं। धनबाद का जलस्तर तेज गति से घटता जा रहा है इसके निदान के लिए शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु मेगा योजनाएं प्रक्रियाधिन है व निर्माण कार्य जारी है। जिसमें कुल 917.69 करोड़ की तीन महत्वपूर्ण योजनाएं हैं। यह योजनाएं पूर्ण क्यों नहीं हो रहे हैं? विभागीय शिथिलता व विभाग तथा संवेदकों के मिलीभगत एवं बार-बार योजनाओं के री एस्टीमेट के कारण मात्र 60% योजनाएं पूर्ण हो पाई।

कुंभ में श्रद्धालु की आकस्मिक मृत्यु पर उनके श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

जोड़ापोखर। रंधीर वर्मा चौक धनबाद के समीप आज आम आदमी पार्टी तथा अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से कुंभ में गए श्रद्धालु की आकस्मिक मृत्यु पर उनके आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने अपने बात रखते हुए कहा कि कुंभ में मारे गए सभी पुण्य आत्माओं को शहीदों का दर्जा दिया जाए। साथ ही आयोजन में हुई चूक के कारण दुर्घटना घटने के वजह से आयोजनकताओं पर कानूनी कार्रवाई की जाय। इस दौरान कार्यक्रम में उन आत्माओं के शांति के लिए पुष्प अर्पित किया गया तथा दीप जलाकर एक मिनट का मौन रखा गया। मौके पर महेंद्र सिंह, राजेश कुमार, मदन राम, समरेंद्र पासवान, भास्कर सुमन, संजय सिन्हा, नीतीश कुमार गुप्ता, रॉकी मंडल, नंदलाल तांती, जावेद खान, डब्लू अंसारी, मो इमरान, बबलू अंसारी आदि उपस्थित थे।

नीतीश विचार मंच के द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मना 74 वां जन्मदिन

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। नीतीश विचार मंच एवं जिला जदयू ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 74वां जन्मदिन धुमधाम से धनबाद सर्किट हाउस में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीतीश विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष सह धनबाद जिला जनता दल यू के अध्यक्ष पिन्टू कुमार सिंह ने किया। सर्वप्रथम सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने पार्टी के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर जन्मदिन मनाया। उसके बाद एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर उनके जन्म दिवस पर बधाई दिए और नीतीश कुमार की दीघार्यु होने के लिए भगवान से कामना किए। नीतीश विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पिन्टू कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न के उपाधि से सम्मानित करने की मांग देश के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से किया गया। इसके अलावा बिहार की राजनीत में राजनीतिक पारदर्शिता बने रहे इसके लिए नीतीश कुमार के पुत्र निशान्त कुमार को बिहार के सक्रिय राजनीत में लाने की मांग की गई। मौके पर पार्टी के प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, उदय कुमार सिंह, ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, हाजी हसीब खान, प्रदेश सचिव राजु कुमार सिंह, मुन्ना सिन्हा, विजय सिंह कुशवाहा, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रूपेश पासवान, महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पुष्पा पांडेय आदि मौजूद थे।

यमुना सहाय स्मृति भवन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

दबंग हिन्द,संवाददाता

लोदना। यमुना सहाय स्मृति भवन में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। विज्ञान दिवस, मंथन कला मंच, डी वाई एफ आई और एकता मंच के तत्वाधान में किया गया। जिसकी अध्यक्षता भगवान दास ने की।

इस अवसर पर जाने-माने शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता साथी आनंद महतो तथा प्रोफेशर नारायण चक्रवर्ती शिक्षक के रूप में उपस्थित थे। सर्वप्रथम सी वी रमन के चित्र पर माल्यार्पण तथा एक-एक कर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए गए।

शिक्षक आनंद महतो ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में सीवी रमन जी का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक भूमिका है। सी वी रमन साहब का शिक्षा दिशा भारतीय परिवेश में पहले वैज्ञानिक है। जो भारत में ही शिक्षा दीक्षा लेकर दुनिया को चौका दिए थे। वह 1920 में जब इंग्लैंड जा रहे थे तो पानी के जहाज पर थे। उन्होंने देखा की समुद्र का पानी नीला क्यों है। यह विचार और इस खोज को सी वी रमन इफेक्ट, 28 फरवरी 1928 खोज किया। विज्ञान के क्षेत्र में वह पहले भारतीय वैज्ञानिक सी वी रमन को सन 1930 नोबेल पुरस्कार दिया गया था। दुनिया में इसका बहुत प्रभाव पड़ा और इसे सन 2002 से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है।

प्रोफेसर नारायण चक्रवर्ती ने कहा कि विज्ञान और धर्म का अंतर विरोध हमेशा रहा है विज्ञान सच्चाई को दशार्ता है और धर्म अंधविश्वास को जैसे कि कार्ल मार्क्स ने कहा था की धर्म एक अफीम है इस अफीम का असर भारतीय परिपेक्ष में आज जकड़ लिया है। सत्ता और शासक वर्ग इसके मुख्य कारक है। अफीम से बचना चाहिए और विज्ञान से जनमानस को जुड़ना चाहिए। प्रकृति की संपदाओं से मनुष्य को जीवन जीने के लिए या जिंदा रहने के लिए भौतिक, आधुनिक युग में विज्ञान ही सर्वोपरि है। यह दुनिया जो आज खूबसूरत दिखाई दे रही है इसका मुख्य कारण विज्ञान है और रहेगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ साथी सुरेश प्रसाद गुप्ता, शिव बालक पासवान, नौशाद अंसारी, सुरेंद्र पासवान, यदू पासवान, कुन्दन पासवान, निरज पासवान, नागेश्वर पासवान, नगेन्द्र पासवान, रूदल पासवान, रामनरेश राम, तथा अन्य साथी उपस्थित थे।

दो ज्वेलर्स दुकान में लाखों की भीषण चोरी

दबंग हिन्द,संवाददाता

जोड़ापोखर। झरिया एवं जोड़ापोखर थाना के भीड़भाड़ वाली क्षेत्र लोदना मोड़ एवं कॉपरेटिव कालोनी जामाडोबा में शुक्रवार की रात को अज्ञात चोरों ने दो ज्वेलर्स की दुकानों में सेंधमारी तथा शटर तोड़कर लाखों के सोना तथा चांदी की जेवरात की चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया है। घटना को लेकर पीड़ित ज्वेलर्स के दुकानदारों द्वारा उसके दुकान से लाखों की जेवरात की चोरी होने कि बात कही जा रही है, लेकिन लोदना मोड़ के दुल्हन ज्वेलर्स के दुकानदार ने किस परिस्थिति में संबंधित थाना की पुलिस को मात्र 12 हजार की चोरी होने की लिखित शिकायत की है, जो जांच का विषय बना हुआ है। घटना की सूचना पाकर जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा एवं झरिया थाना प्रभारी शशिरंजन ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच कर रही है। चोरी की घटना मुख्य सड़क के भीड़भाड़ वाली क्षेत्र में होने के कारण स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर दहशत व्याप्त हो गया है। हालांकि पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर पूरी मुस्तैदी से पुलिस गश्ती किए जाने की दावा की जा रही है, इसके बाद भी अपराधियों ने भीषण चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर चोरो ने पुलिस की मुस्तैदी को चुनौती दिया है। वही जामाडोबा भौंरा मुख्य मार्ग के किनारे कॉपरेटिव कालोनी भुवनेश्वर चौक के समीप वर्मा ज्वेलर्स एवं कपड़े की दुकान के पीछे की दीवार में चोरों ने सेंधमारी कर दुकान में प्रवेश कर गया। इस दौरान चोरों ने दुकान के तिजोरी और अलमारी को ग्रांर्डर मशीन से काटकर उसमें रखे 6 किलो चांदी, सोने की जेवरात, नकद 5 हजार सहित कुछ कपड़े चोरी कर फरार हो गए है। दुकानदार शशि कुमार वर्मा ने उसके दुकान से लगभग सात लाख की संपति की चोरी होने का आकलन किया जा रहा है। घटनास्थल के समीप सीसीटीवी नहीं लगे रहने के कारण पुलिस को घटना को उद्भेदन करने में परेशानी हो रही है। बावजूद पुलिस उद्भेदन को लेकर घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच को नमूने लिए है। दूसरी ओर झरिया थाना के लोदना मोड़ स्थित शफी मार्केट में बीती रात को दुल्हन ज्वेलर्स की दुकान का चोरो ने शटर तोड़कर दुकान से सोने चांदी की जेवरातो की चोरी किया है। दुकान मालिक टिंकू सजाद आलम ने बताया कि चोरों ने आर्टिफिशियल जेवरातो को छोड़ ग्राहकों के लाखों के सोने चांदी के जेवरात की ही चोरी की है। जबकि पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि चोरी की गई जेवरात गिरवी में रखे गए होंगे, जिसकी कागजात के नहीं रहने से दुकानदार सकते में है। पुलिस दोनों चोरी की घटनाओं की हर बिंदुओं पर जांच कर रही है।

4 मार्च झारखंड मुक्ति मोर्चा के 52वाँ स्थापना दिवस की तैयारी जोरों पर

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू कार्यक्रम स्थल झंडा मैदान पहुँच लिया जायजा

दबंग हिन्द,संवाददाता

गिरिडीह। जिले के झंडा मैदान में आगामी 4 मार्च को झारखंड मुक्ति मोर्चा का 52वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसे लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां जोरों पर है। भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है।

समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन समेत झामुमो के तमाम आला पदाधिकारीयों के शामिल होने की संभावना है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर जहां एक ओर पार्टी के कार्यकताओं के द्वारा लगातार पार्टी स्तर से तैयारी की जा रही है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी प्रशासनिक अधिकारी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

आज कार्यक्रम स्थल में चल रहे तैयारियों का जायजा खुद झारखंड सरकार के मंत्री विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने लिया। इस दौरान मंत्री ने कहा यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होने वाला है जिसमें जिले के कोने-कोने से हजारों की संख्या में झामुमो के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

सरकारी अस्पताल से निजी अस्पतालों में बिचौलिया व सहियाओं द्वारा मरीजों का खींच तान जारी

दबंग हिन्द,संवाददाता

गिरिडिह। सदर अस्पताल के मातृत्व एंव शिशु अस्पताल चैता डीह में जहाँ प्रसूता मरीज निःशुल्क का लाभ लेने जाते हैं वहीं निजी अस्पताल के बिचौलिया और सदर अस्पताल के सहियाओं द्वारा उसे बहला फुसला कर कामशार्ली स्थित जनता हॉस्पिटल, बोडो स्थित कल्याण हॉस्पिटल एवं अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती कर मोटी रकम वसूली जाती है। दर असल अस्पताल के डॉक्टर, नर्स व कर्मी मरीज के परिजनों को डिलीवरी से पहले शिशु को खतरे में कह कर इतना डराया जाता है जो वे निजी अस्पताल में जाने के लिए बिवस हो जाते हैं, जहाँ 40 से 50 हजार रुपये का दोहन किया जाता है। विदित हो कि यह कोई नई बात नही है जो प्रसूता मरीजों को बिचौलिया और सहियाओं द्वारा बहला फुसला कर निजी अस्पताल में भर्ती कर मोटी रकम ऐठतें है जिससे अस्पताल प्रबन्धकों की दुकानदारी खूब चल रही है। बता दें कि उक्त निजी अस्पतालों में डॉक्टर एवं इलाज से सम्बंधित उपकरणों की सुबिधा नही होने से इलाज के दौरान कई प्रसूता की मौतें हो चुकी है, जिसे अस्पताल प्रबन्धक के द्वारा ले देकर रफा दफा कर दिया जाता है। इस मामले को लेकर कार्यालय, असैनिक शल्य चिकित्सक पदाधिकारी सह सिविल सर्जन शिव प्रसाद मिश्रा ने कहा कि उक्त अस्पतालों का नियमित जाँच की जाती है। अहर्ता पूरी नही करने पर पिछले साल लाइसेंस रद्द किया जा चुका है। कहा कि दोबारह शिकायत मिलेगी तो निश्चित कारवाई होगी। मानों की सिविल सर्जन द्वारा जांच टीम गठित कर खानापूर्ति कर दिया जाता है। ऐसे निजी सप्तालों पर स्पेशल ब्रांच को पैनी नजर रखते हुए लाइसेंस रद्द कर प्रबन्धकों पर कठोर कारवाई करनी चाहिए।

लिटिल मैगजीन मेला के दूसरे दिन जागरूकता प्रभात फेरी का आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। "शिल्पे अनन्या" बंगला पत्रिका द्वारा लिंडसे क्लब हीरापुर में आयोजित तीन दिवसीय चतुर्थ लघु पत्रिका मेला का उद्घाटन 28 फरवरी को किया गया। आज दूसरा दिन प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य धनबाद वासियों के बीच धनबाद में होने वाले 3 दिवसीय लिटिल मैगजीन मेला की जानकारी एवं लघु पत्रिका के प्रति जागरूकता पैदा करना है। इस लघु पत्रिका मेला में अधिक से अधिक जन साधारण लाभ लें, एक किताब जितना वफादार कोई दोस्त नहीं ,तुम किताबों के सामने झुक जाओ - यह तुम्हारे सामने दुनिया झुका देगी, किताब पढ़ना हमें अकेले में - विचार करने की आदत और सच्ची खुशी देता है आदि बातों के साथ नौ राज्यों से उपस्थित साहित्यकारों, लेखक, कवि, सांस्कृतिक साथियों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। ये प्रभात फेरी लिंडसे क्लब से मुख्य डाक घर होते हुए, रणधीर वर्मा चौक से पुन : लिंडसे क्लब पहुंची। प्रभात फेरी में आयोजन समिति के अध्यक्ष सह शिल्पे अनन्या के संपादक प्रो. दीपक कुमार सेन द्वारा कहा गया कि मेरे जीवन का सपना है लोगों को हमेशा पुस्तक के साथ जोड़ कर रखना आयोजन समिति के सचिव एवं भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी द्वारा कहा कि ये प्रभात फेरी साहित्यकार, कवि व लेखकों का प्रभात फेरी था। इसका मुख्य मकसद किताब से दूरी बनाने वाले को पुनः किताब से जोड़ना व फिर से लोगों का नैतिक मूल्य को बढ़ावा देना है।

एक नजर

लोदना क्षेत्र के संयुक्त ट्रेड यूनियन की एक आवश्यक बैठक संपन्न

तिसरा। लोदना क्षेत्र के संयुक्त ट्रेड यूनियन की एक आवश्यक बैठक सीआईटीयू के शाखा कार्यालय एमओसीपी में सुदर्शन प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मजदूरों के समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। जिसमें विभागीय परियोजना का विस्तार, मशीनों के स्थानांतरण के खिलाफ एवं मजदूरों को स्थानांतरण संबंधी मुद्दों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही साथ यह भी चर्चा किया गया कि एकीकृत नॉर्थ/साउथतिसरा/ जीनागोरा परियोजना में पिछले दिनों चली धरना के बाद कोयला भवन में जो समझौता हुआ उसका पालन प्रबंधन द्वारा नहीं किए जाने पर यूनियन पदाधिकारियों ने तिव्र आक्रोश जाहिर किया और चेतावनी दिया कि यूनियन के वरीय पदाधिकारियों के साथ किए गए समझौते को पूर्ण रूप से पालन करने में प्रबंधक द्वारा टालमटोल की नीति अपनार ही हैं। बैठक में इन मुदे को लेकर दिनांक 5 मार्च, को पुनःक्षेत्रीय संयुक्त ट्रेड यूनियन की बैठक होगी। जिसमें साउथ/नॉर्थ/जीनागोरा के सभी यूनियन के शाखा अध्यक्ष/ सचिव को भी आमंत्रित किया जाएगा। उक्त बैठक में प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ आंदोलन का शंखनाद किया जाएगा। उक्त बैठक में शिव कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, बिहारी लाल चौहान, उमाशंकर शाही, सुनील राय, कन्हाई सिंह, मुनिलाल राम, धर्मेंद्र राय, उज्जवल दे, वीरेंद्र पासी, जितेंद्र निषाद और पशुपति नाथ देव आदि उपस्थित थें।

मुख्य कार्यालय अधीक्षक का विदाई सह सम्मान समारोह

धनबाद। धनबाद रेल मंडल कार्यालय में पर्सनल विभाग के मुख्य कार्यालय अधीक्षक देबयेंन्दु चौबे राजू का सेवानिवृत्ति सह सम्मान समारोह का आयोजन धनबाद रेलवे ग्राउंड के गैलरी हॉल मे किया गया श्री चौबे 1988 को मंडल रेल कार्यालय मे बहाली हुआ और 37 वर्ष कार्य करने के बाद रिटायरमेंट हुए उनका रेल के कार्य के साथ-साथ स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भी उनका विशेष रुचि था। जिसमें क्रिकेट में भी जादा झुकाओ था जिसके कारण वह धनबाद रेल मंडल के क्रिकेट खिलाड़ी भी थे और समिति से भी जुड़े रहे। और ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन ईसीआरकेयू धनबाद शाखा दो के कई महत्वपूर्ण पदों पर पदाधिकारी रह चुके हैं। उनका भरपूर परिवार में उनका पत्नी रखी चौबे एकमात्र पुत्र अभिषेक चौबे आदित्य बिरला ग्रुप मुंबई के सहायक प्रबंधक है। आज का इस समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने बारी-बारी से श्री चौबे के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। केक काटे उपहार दिया गया एवं साल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। अंत मे सभी को खाना खिलाया गया। आज का इस विदाई समारोह में विशेष रूप से वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अजित कुमार सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी आर. के सिंह सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी अमरेंद्र कुमार, राकेश राव, एन के खवास, अमिताव बनर्जी, नितिन प्रधान, अमीर हासमी, महादेब सिंह, राकेश कुमार सिंह, राजीब कुमार, तपन भट्टचार्जी, संकु सरकार, गौतम ओझा, आशीष मुखर्जी, मंजरी पांडेय, अनीता, लिपिका चौबे सुदर्शना पाण्डेय, सस्टि, रजिआ और रेल कर्मचारी क्रिकेट खिलाड़ी, परिवार के सदस्य ओर शुभचिंतक उपस्थित थे।

बोरागढ़ ओपी क्षेत्र में बीसीसीएल तथा सीआईएसएफ की टीम ने अवैध कोयला को किया जब्त

झरिया। कोयले की लुट की खुली छुट, जिसको लूटना है आकर लुट यह कहावत आज के दौर में झरिया कोयलांचल में सटीक बैठती है। झरिया कोयलांचल में कोयले से काली कमाई थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीसीसीएल के बंद पड़े माईन्स तथा आउटसोर्सिंग पर कोल माफिया की पैनी नजर बनी रहती है। कोल माफिया बीसीसीएल के बंद पड़े माईन्स के द्वारा सरकार को करोडो का चुना लगाते रहे है, जिसमे स्थानीय प्रशासन से लेकर सम्बंधित अधिकारी सम्मिलित होते है। जिस कारण कोयले का लुट का खेल प्रबंधन तथा प्रशासन के नाक के नीचे ढंके की चोट पर की जाती रही है। इसका जीता जागता उदहारण झरिया के बोरागढ़ ओपी क्षेत्र के सुन्दर कॉलोनी मैदान में चल रहे कोयला भण्डारण तथा अवैध कोल माईन्स का सीआईएसएफ की टीम ने भंडाफोड़ कर किया है। गुप्त सुचना पर देर रात भौरा ईजे एरिया बीसीसीएल तथा सीआईएसएफ की टीम ने उक्त स्थल पास छापेमारी कर लगभग 150 टन अवैध कोयला को जब्त किया है। जब्त की गई कोयले को हाईवा के जरिये कांटा कर बीसीसीएल को सौप दिया गया है। साथ ही उक्त अवैध कोल माईन्स के मुहाने को मिटटी से भर दिया गया है। बीसीसीएल अधिकारी ने कहा की इससे पहले भी कपूरगढ़ा में अवैध माईन्स की भराई की जा चुकी है। प्रबंधन अवैध कोल का भण्डारण तथा माईन्स को किसी भी हाल में चलने नहीं दिया जायेगा।

सड़क निर्माण का झरिया विधायक रागिनी सिंह ने किया शिलान्यास

झरिया। शनिवार को झरिया विधानसभा के भालगढ़ा स्थित तारा बागान धोबी, ऊपर कुल्ही हामिद नगर में पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह द्वारा किया गया। सड़क निर्माण का शिलान्यास होने से स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर किया।

संजय चौक में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का होगा आयोजन

मैथन। मैथन स्थित संजय चौक में नवनिर्मित श्री बालाजी धाम मंदिर प्रांगण में आगामी 30 मार्च से 6 अप्रैल के बीच मंदिर में भगवान राम, श्री बालाजी, शीतला मां एवं श्री खाटू श्याम जी की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए मंदिर कमेटी के सदस्य अखिलेश्वर तिवारी ने बताया कि नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ श्री श्री 1008 गंगा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण त्रिदंडी स्वामी जी के तत्वाधान में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य आयोजन आगामी 30 मार्च से 6 अप्रैल के बीच मंदिर के समीप आयोजित किया गया है। इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर पूज्य दिलीप दास जी महाराज अयोध्या से आएंगे जो अपने आशीर्वचनों से लोगों को आशीष देंगे। वही यज्ञ के पहले दिन 30 मार्च को भव्य कलश यात्रा, 5 अप्रैल को नगर भ्रमण शोभायात्रा, 6 अप्रैल को हवन पूजन के साथ भव्य भंडारे का आयोजन होगा। इस दौरान संध्या 3 बजे से रात्रि 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भक्ति संध्या एवं प्रवचन का आयोजन किया जाएगा जो पूरे एक हफ्ते तक मैथन को भक्ति मय कर देगा।

ऑल इंडिया सांस्कृतिक कंपटीशन एंड फेस्टिवल का हुआ उद्घाटन

धनबाद। अनुभूति एक एहसास ऑल इंडिया सांस्कृतिक कंपटीशन एंड फेस्टिवल में डांस, सिंगिंग इंस्ट्रूमेंट्स एंड ड्राइंग कंपटीशन एंड फेस्टिवल में डांसिंग का दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिन बीसीसीएल सीएमडी की धर्मपत्नी मिली दत्ता, बीसीसीएल डायरेक्टर पर्सनल की धर्मपत्नी पूर्विता रमैया, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वैभव सिन्हा, काला हीरा के डॉयरेक्टर राजेंद्र प्रसाद, एआईटीसी उपाध्यक्ष वशिष्ठ सिन्हा, क्लब इंडिया के संस्थापक संतोष रजक, समाजसेवी सुमित सवारियां, अनुभूति एक एहसास की सेक्रेटरी सारसी चंद्रा एवं आकाश सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। मंच संचालन श्रुति चंद्रा और शिप्रा भट्ट ने किया। स्थानीय नन्हे कलाकारों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक एवं शानदार प्रस्तुति दी। निर्णायक में सिमरन छाबड़ा ने बारीकी से प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के प्रतिभाओं का आकलन कर उन्हें अंक दिए। उसी आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता घोषित किया गया जिन्हें अतिथियों के द्वारा मंच पर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय चंद्रा श्यामल राय चौधरी, सम्पा राय चौधरी की सक्रिय भूमिका थी। अनुभूति एक एहसास की सचिव सारसी चंद्रा ने बताया इस आयोजन से बच्चों को अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच मिलता है पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से उनका मनोबल बढ़ता है और वह बड़े मंच की और अग्रसर होते है। बच्चों के प्रतिभाओं को निखारने के लिए बीसीसीएल, 99 ग्रुप ऑफ कंपनीज क्लब इंडिया में अपना सहयोग एवं समर्थन दिया है।

राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह दुद्धी उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व विधायक हरिराम चेरो व राष्ट्रीय संयोजक अवधेश सिंह चेरो ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर महापुरुष महाराजा मेदिनी राय के विचारधारा संबंधित सात सूत्री मांग पत्र सौपा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आश्वासन दिया कि सभी कार्य पूरा किया जायेगा। मांग पत्र में लोगो ने -महाराजा मेदिनी राय को झारखंड सरकार द्वारा महापुरुष का दर्जा देने। पलामू किला का जीर्णोद्धार एवं औरंगा नदी पर पलामू किला के पास पुल का निर्माण कराने, पलामू जिला के शाहपुर किला एवं लातेहार जिला के नवगढ़ किला का जीर्णोद्धार करवाने, सतबरवा रबदा पलामू किला जतरा मेला को राजकीय मेला का दर्जा प्राप्त देने, आदिवासी विकास महाकुंभ मेला दुबियाखाड़ मेला को आने वाले अगले वर्ष राज्यस्तरीय मेला लगवाने, पलामू जिला मुख्यालय में जिला परिषद कार्यालय के सामने खाली जमीन पर महापुरुष महाराजा मेदिनी राय की प्रतिमा स्थापित कराने, महापुरुष महाराज मेदिनी राय जी के नाम से प्राइमरी से ग्रेजुएशन तक निशुल्क सरकार द्वारा पठन-पाठन जनजातीय छात्रावास एवं विद्यालय की स्थापना कराने सम्बंधित मांग पत्र सौंपा है।

पलामू में खनन माफियाओं ने आईएफएस अधिकारी को जांच करने से रोका

पलामू में खनन माफियाओं ने आईएफएस अधिकारी को स्टोन माइंस की जांच करने से रोक दिया

दबंग हिन्द,संवाददाता

पलामू। खनन माफियाओं ने दबंगई दिखाते हुए आईएफएस अधिकारी को स्टोन माइंस की जांच करने से रोक दिया है। माफियाओं ने रोड पर हाइवा खड़ा कर जाम लगा दिया था। दरअसल पलामू के छत्तरपुर रेंजर पद पर प्रशिक्षु आईएफएस नवनीत कुमार तैनात हैं। आईएफएस अधिकारी नवनीत कुमार, दंडाधिकारी एवं पुलिस की एक टीम अवैध माइनिंग के खिलाफ कार्रवाई के लिए छतरपुर में जांच कर रही थी। इस दौरान 12 स्टोन क्रशरों की जांच हो गई, जबकि तीन से चार स्टोन क्रशर की जांच बाकी थी। जांच के दौरान सभी स्टोन क्रशरों में अनियमितता पकड़ी गई थी। आईएफएस के नेतृत्व में जांच टीम जैसे ही आगे बढ़ी छतरपुर के बरडीहा के इलाके में रोड पर पांच हाइवा को लगातार खड़ा कर दिया गया था। ताकि जांच टीम आगे नहीं बढ़ सके।

जांच टीम देर तक हाइवा के हटने का इंतजार करती रही, वहीं इसे हटाने की कोशिश भी की गयी लेकिन हाइवा खड़ा रहा। जिस कारण तीन से चार स्टोन क्रशरों की जांच नहीं हो पाई थी। इस घटना के बाद पलामू जिला प्रशासन पूरी तरह से सख्ती पर उतर गई है। मामले में एक संयुक्त जांच रिपोर्ट तैयार की गयी है, जिसके बाद ही बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पलामू डीएफओ सत्यम कुमार ने बताया कि प्रशिक्षु आईएफएस छतरपुर रेंज के प्रभार में हैं। उनके साथ छतरपुर अनुमंडल कार्यालय में तैनात दंडाधिकारी एवं पुलिस की टीम मौजूद थी। तीन-चार क्रशर की जांच के लिए वह आगे नहीं बढ़ पाए क्योंकि पत्थर माफियाओं ने हाइवा लगाकर रोड को जाम कर दिया था। पूरे मामले में कार्रवाई की जा रही है। दंडाधिकारी और प्रशिक्षु आईएफएस एक विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर एसडीएम को देंगे। वहीं पूरी घटना की जानकारी पलामू डीसी एवं एसपी को दी गई है।

जांच के दौरान पकड़ी गई थी कई गड़बड़ी, मानक का पालन नहीं

18 फरवरी को छतरपुर के इलाके में कई स्टोन क्रशरों की जांच की गई थी। इस जांच में कई गड़बड़ियों को पकड़ा गया था। जांच में यह बात भी सामने आई कि छत्तरपुर थाना क्षेत्र के बचकोमा में पहाड़ को तोड़कर माइनिंग हो रही थी। कई स्टोन क्रशरों पर मानक का पालन नहीं हो रहा था। पूरे मामले में छतरपुर के अंचल अधिकारी प्रशिक्षु आईएफएस ने कार्रवाई की।

एक नजर

मुखिया ने किसानो के बीच किया मूंग बीज का वितरण

गर्मी के समय में किसानों के लिए आय का सर्वोत्तम साधन है इसकी खेती

कुंदा(चतरा)। कुंदा प्रखंड अंतर्गत नवादा पंचायत के चिलोय के ग्रामीणों के बीच मुखिया भरत यादव ने मुंग बीज का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रति किसान पांच केजी मुंग बीज का वितरण करने के साथ, मुंग की खेती के महत्व और इसके उपयोग के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मुखिया ने कहा कि मुंग की खेती से किसानों को अच्छी आय हो सकती है। साथ ही किसानो से मुंग की खेती करने की अपील करते हुए काहा कि चिलोय गांव में पानी पर्याप्त है, जिससे खेती पटवन में कोई समस्या नहीं होगी आप लोग खेती कर गर्मी के समय में अच्छा आय प्राप्त कर सकते हैं। बीज वितरण के दौरान कृषि विभाग के बीटीएम एटीएम, पंचायत समिति, वार्ड सदस्य समेत किसान उपस्थित थे।

गैर कानुनी रुप से नियम को ताक पर रख कर अवैध रुप से लगाए जा रहे ईंट भट्ठे

बच्चों से कराया जाता है काम, विभाग मौन

चतरा/पत्थलगड़ा। जिले के गिद्धौर, पत्थलगड़ा, इटखोरी, मयूरहंड, सिमरिया, हंटरगंज आदि प्रखंड में सरकारी आदेश का उलंघन कर गैर कानूनी रुप से सरकारी गैर मजरुआ समतल जमीन में ईट भट्ठें का संचालन किया जा रहा है। जिले के उपरोक्त प्रखंड़ों में अवैध ईंट भट्ठों का कारोबार जमकर चल रहा है। इससे खनिज विभाग को हर महीने लाखों रुपए के राजस्व की हानि हो रही है, मगर अवैध ईंट भट्ठी संचालकों पर कार्रवाई नहीं होने से संचालकों के हौसले बुलंद हैं। लाल ईंट का अवैध निर्माण कर मोटी कमाई करने में जुटे हैं माफिया। शासन-प्रशासन द्वारा आए दिन खनिज विभाग को अवैध रूप से संचालित होने वाले ईंट भट्ठों पर कार्रवाई करने का दिशा-निर्देश दिया जाता है। शहरी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों ईंट भट्ठे का कारोबार बगैर विभागीय अनुमति व रायल्टी जमा किए धड़ल्ले से चल रहा है। इससे खनिज विभाग को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। पत्थलगड़ा ब्लॉक के सभी पंचायतों में अवैध ईंट भट्ठों पर न तो प्रशासनिक लगाम लग पा रहा है और न ही किसी तरह रायल्टी वसूली हो पा रही है। गांवों में अवैध ईंट भट्ठों का कारोबार धड़ल्ले से जारी है। शासन-प्रशासन के नियम कायदे को ईंट भट्ठे के संचालकों ने ताक पर रख दिया है। इसके चलते वे न तो विभाग से किसी तरह अनुमति लेना जरुरी समझते न ही रायल्टी की राशि जमा करते। गांव-गांव में लोग ईंट बना रहे हैं, मगर खनिज विभाग की अनदेखी से ऐसे लोगों के खिलाप कार्रवाई नहीं हो पा रही है। इससे शासन को लाखों रुपयों के खनिज रायल्टी का नुकसान हो रहा है, जबकि लाल ईट बनाने वाले ईट भट्ठा संचालकों द्वारा कई जगह ईट भट्टे का निर्माण कर लाखों रुपएं की कमाई की जा रही है। वहीं पर्यावरण को दूषित किया जा रहा है, जबकि ईट भट्ठा के लिए पहले खनिज विभाग व पर्यावरण से इसकी मंजूरी लेकर ईट बनाने का कार्य किया जाता है। परन्तु इस क्षेत्र के रसूखदारों द्वारा बिना स्वीकृति लिए ही ईट भट्ठे का संचालन किया जा रहा है। साथ ही ईट भट्ठों में बच्चों से भी काम करवाया जात है, लेकिन बाल संरक्षण व श्रम विभाग कागजों पर आंकड़े तैयार करने में लगा है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ विधायक व भाजपा नेताओं ने लगाया काला बिल्ला

कहा प्रशासन के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन रहेगा जारी

मयूरहंड (चतरा)। जिले में भ्रष्टाचार का अरोप लगाते हुए शनिवार को सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास के साथ मयूरहंड प्रखंड के भाजपा नेताओं ने काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक विरोध जताया। ज्ञात हो कि चतरा सांसद कालीचरण सिंह डीएमएफटी मद से जिला मुख्यालय में लगाये गये सोलर स्ट्रीट लाइट में बरती गई अनियमितता की जांच कराने की मांग की थी। जिसमें जिला प्रशासन द्वारा जांच टीम गठित कर, टीम में अपर समाहर्ता चतरा, विद्युत कार्यपालक अभियंता एवं नगर निगम कार्यपालक अभियंता को शामिल किया था। जांच टीम में शामिल पदाधिकारी के खिलाफ चतरा के भाजपा सांसद ने एक लोकोक्ति चमड़े की रखवाली कुत्तो के हाथ उपयोग किया था। जिसके खिलाफ झारखंड प्रशासनिक अधिकारि/पदाधिकारी द्वारा गुरुवार को उक्त लोकोक्ति को अमर्यादित शब्द का प्रयोग करने के खिलाफ काला बिला लगाकर सांकेतिक विरोध जताया और कहे गए उक्त शब्द के प्रति खेद व्यक्त करने की मांग की। खेद व्यक्त नहीं करने पर चरणबद्ध आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। जिसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता ने चरणबद्ध आंदोलन का बिगुल फुका, जिसके तहत शनिवार को भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने जिला प्रशासन के खिलाफ काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया।

झूठे मुकदमे में फंसाने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप, विरुद्ध में ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

किया विरोध प्रदर्शन, जिला प्रशासन से न्याय की गुहार

हंटरगंज/चतरा। जिले के हंटरगंज अंचल के खूंटीकेवाल मौजा में 0.29 एकड़ गैरमजरूआ जमीन का मामला तूल पकड़ लिया है। ग्रामीण गोलबंद होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम दे देते हुए कहा है कि यदि उचित जांच नहीं की गई तो जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करेंगे। खुटिकेवाल ग्रामीणों ने बताया की खाता संख्या 44, प्लॉट 52, रकबा 0.29 एकड़ सर्वे खतियानी के अनुसार गैरमजूरआ खास खाते की है एवं किस्म मकान दर्ज है। जिसमें 0.03 एकड़ भूमि पर खंडहर मकान में पूर्व में जमींदार का अनाज रखने का गोदाम था। गांव से जमींदार चले जाने के बाद हमलोग 30 वर्षों से इस मकान का सार्वजनिक उपयोग कर रहे थे। वर्तमान में वही खंडहर भूमि को हटाकर हमलोगों के द्वारा सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था। जिसकी सूचना मिलते ही केशकर्ता अनूप कुमार पिता राजेंद्र प्रसाद के द्वारा बंद जमाबंदी को ऑनलाइन में दर्ज किया गया। जिसके बाद अनूप ने 33 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना वारंट के चेतना भारती सह गांव गणराज्य के संस्थापक विनय सेंगर को गिरफ्तार किया गया, जो नियम के विरुद्ध है। वहीं इसमें कई गांवों के निर्दोष लोग भी फंसे हैं। खुटिकेवाल गांव में कोई अनूप नाम का व्यक्ति है ही नहीं बल्कि अवैध तरीके से ऑनलाइन में जमाबंदी कर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। जिसका अंचल अधिकारी के द्वारा जांच प्रतिवेदन सौंपा गया गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में अंचल अधिकारी अरुण मुंडा ने मीडिया के सवालों के जवाब से बचते नजर आए। अब देखना होगा कि इन ग्रामीणों को न्याय मिलता है या नहीं, फिलहाल जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। वहीं पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है।

प्रगतिशील किसानों को दी गई प्राकृतिक खेती की जानकारी

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत भवन में प्रखंड स्तरीय तीन दिवसीय प्रगतिशील किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुखिया निर्मला देवी, एटीएम अमरेंद्र सिंहा, बीटीएम प्रभात कुमार सिंह आदि ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत प्रशिक्षण में उपस्थित 30 प्रगतिशील किसानों को प्राकृतिक खेती करने के साथ मिट्टी जांच, किट, कीटनाशक से बचाव से संबंधित जानकारी विस्तारपूर्वक दिया। प्रशिक्षण में सुरेश राणा, शशि कुमार समेत अन्य किसान मौजूद थे।

आदिम जनजाति परिवारों को मिला सोलर लाइट सिस्टम

कुंदा(चतरा)। कुंदा प्रखंड के सिकीदाग पंचायत अंतर्गत सोहरलात गांव में शनिवार को 14 आदिम जनजाति परिवारों के बीच मुखिया अनिता देवी के हाथों होम सोलर लाइट सिस्टम का वितरण किया गया। प्रधानमंत्री आदिम जनजाति योजना के तहत जरेडा कंपनी द्वारा उपलब्ध कराया गया था उपरोक्त सोलर सिस्टम। मुखिया ने बताया कि होम लाइट सिस्टम में एक सोलर, तीन बल्ब, एक लोहा का पाइप, इनवाईटर युक्त बैटरी समेत वायरिंग का समाग्री दिया गया है। वही सोलर लाइट समाग्री पाकर आदिम जनजाति परिवार के लोगों में हर्ष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि अखिलेश प्रसाद यादव समेत अन्य उपस्थित थे।

प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने को लेकर स्वास्थ्य सहियाओ ने की बैठक

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। राज्य सरकार के द्वारा पलामू जिले के स्वास्थ्य सहियाओ को बढ़ाया गया प्रोत्साहन राशि अभी तक नहीं मिला है। जिसे लेकर स्वास्थ्य सहियाओ ने शनिवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल कैंपस में बैठक की। बैठक में पलामू जिले के विभिन्न प्रखंड के स्वास्थ सहिया शामिल थी। बैठक की अध्यक्षता कर रही स्वास्थ्य सहिया राजकुमारी उर्फ. रजनी श्रीवास्तव ने बताया कि हम सभी पलामू जिले के स्वास्थ सहियाओ को झारखंड सरकार के द्वारा बढ़ाया गया प्रोत्साहन राशि अभी तक नहीं मिला है। जिसे लेकर सभी सहियाओं के साथ बैठक की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि हम सभी सहियाओ का बढ़ा हुआ प्रोत्साहन राशि यदि नहीं मिलता है तो हमलोग एक जुट होकर धनबाद पहुंच कर झारखंड सरकार से प्रोत्साहन राशि लेने के लिए लड़ाई लड़ेंगे। मौके पर सरस्वती देवी,ललिता देवी, सविता देवी, गीत देवी, सुनैना देवी, माधवी रंजन, रुखसाना खातून, प्रियंका देवी, इंद्राणी देवी, शशि देवी, सीता देवी, गीता देवी, अनुपमा देवी सरस्वती, देवी रीता देवी, मंजू देवी, सरिता देवी सहित अन्य सहिया उपस्थित थे।

महिला एवं बच्चों के खिलाफ अपराध को लेकर पुलिस गंभीर

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू महिला एवं बच्चों के प्रति अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने कई बिंदुओं पर कार्य शुरू किया है। इसके लिए पुलिस अधिकारियों के दिशा-निर्देश भी जारी किए गये हैं। महिला एवं बच्चों के अपराध से जुड़े हुए मुकदमे के अनुसंधान को लेकर पुलिस बेहद ही संवेदनशील हो गई है। वैसे अपराधी घटना जो महिला एवं बच्चों को प्रति हुई है और उसे जुड़े हुए मुकदमे की पर्यवेक्षण टिप्पणी तीन महीने से लंबित है उसके डाटा को खंगाल जा रहा है। अनुसंधानकर्ता से यह भी जानकारी मांगी गई है कि अपराध से जुड़े हुए आरोपी गिरफ्तार हुए हैं कि नहीं हुए हैं। आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए हैं तो किन परिस्थिति में कार्रवाई नहीं हुई है। इस दौरान यह देखा जा रहा है कि पीड़ित को प्रावधान के अनुसार मुआवजा मिला है कि नहीं मिला है। पलामू के जोनल आईजी सुनील भास्कर ने पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के पुलिस अधिकारियों को महिला एवं बच्चों के प्रति अपराध को लेकर कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश जारी किया है। आईजी सुनील भास्कर ने बताया कि बच्चे एवं महिला का प्रति अपराध के रोकथाम के लिए कई बिंदुओं पर कार्य किया जा रहा है। अपराध से जुड़े हुए मुकदमे का पर्यवेक्षण टिप्पणी एक सप्ताह में तैयार करने को कहा गया है। सार्वजनिक स्थानों पर भी महिला एवं बच्चों के सुरक्षा को लेकर पुलिस गंभीर है। दरअसल पलामू प्रमंडल के इलाके में महिला एवं बच्चों के खिलाफ हो रहे अपराध के मामले में यौन शोषण और अंधविश्वास के आंकड़े काफी ज्यादा होते हैं। इस दिशा में पुलिस काम कर रही है।

प्राचीन देवी मंडप का 13वां वार्षिक उत्सव कार्यक्रम शुरू

दबंग हिन्द,संवाददाता

लातेहार। शहर के मेन रोड में स्थित प्राचीन देवी मंडप सह काली मंदिर के 13वें वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम शनिवार से शुरू हो गया है। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को कलश यात्रा से किया गया। पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम ने पूजा अर्चना कर मंदिर परिसर से कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा के शहर के मुख्य पथ होते हुए काली मंदिर मोड़ पहुंची। इसके बाद मुख्य पथ और मानस पथ होते हुए बाइपास चौक पहुंची। यहां से चटनाही स्थित औरंगा नदी छठ घाट पहुंची। यहां अनिल मिश्रा के द्वारा किये गये वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलशों में जल भरा गया। मौके पर बतौर मुख्य यजमान सागर कुमार सप्तनीक मौजूद थे। इसके बाद कलश यात्रा पुनः बाइपास चौक और थाना चौक होते हुए मंदिर परिसर पहुंची। यहां कलशों की स्थापना कर पूजा अर्चना प्रारंभ की गयी। कलश यात्रा में पूर्व जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष राजधनी प्रसाद यादव, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल, त्रिभुवन पांडेय, मंदिर समिति के अध्यक्ष निर्मल कुमार महलका, विपिन ठाकुर व सुनील शौंडिक आदि मौजूद थे। मंदिर समिति के अध्यक्ष महलका ने बताया कि 13वें वार्षिकोत्सव पर दो मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे नौ कन्या का पूजन कर भंडारा का प्रसाद वितरण किया जायेगा। उन्होंने भंडारा में भाग लेकर माता का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

भजन गायिका शहनाज अख्तर के भजन पर झूमे लोग

दबंग हिन्द,संवाददाता

लातेहार। प्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर ने अपने भजनों से लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। शहनाज अख्तर शुक्रवार की रात जिले के बालूमाथ के जोगियाडीह मैदान में कार्यक्रम प्रस्तुत कर रही थीं। कार्यक्रम का उद्घाटन बालूमाथ निवासी सह बलियापुर धनबाद के अंचल अधिकारी प्रवीण सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि भजन से भक्ति की बयार बहती है। शहनाज अख्तर जैसी प्रसिद्ध गायिका का बालूमाथ जैसे जगह पर भजन की प्रस्तुति देना बहुत बड़ी बात है। समाजसेवी प्रेम प्रसाद गुप्ता ने कहा कि भारत एक सांस्कृतिक प्रधान देश हैं। जहां की संस्कृति ने संपूर्ण विश्व पर एक अलग छाप छोड़ा है। इससे पहले उन्होने शहनाज अख्तर को चुनरी भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद शहनाज अख्तर ने अपने सुरों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होने ये भगवा रंग, छुन छून छनन छन बाजे मैंया पांव पैजनिया जैसे लोकप्रिय गीत कर गा कर लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। मौके पर भजन गायिका ने अपनी आपबीती भी सुनाई। बताया कि भजन गाने के कारण उन्हें कई बार उन्हें सामाजिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ी है। मौके पर प्रेम प्रसाद गुप्ता, सूरज कुमार शाह, उपेंद्र रंगीला, अमित कुमार, मिथुन साव, अनिल कुमार, प्रदीप कुमार पुटून, अनुराग सिंह राजपूत समेत आयोजन समिति के समेत कई लोग मौजूद थे।

चावल लदा ट्रक पलटा, चालक-खलासी घायल

दबंग हिन्द,संवाददाता

लातेहार। छत्तीसगढ़ के सिंगरौली से चावल लोडकर पश्चिम बंगाल जा रहा एक ट्रक शनिवार की सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में ट्रक चालक मो. खुर्शीद व खलासी घायल हो गए। घटना रांची-चतरा मुख्य सड़क (एनएच-22) पर बारियातू थाना क्षेत्र के बरछिया टोंगरी मोड़ के पास की है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। चालक मो. खुर्शीद ने पुलिस को बताया कि ट्रक गढ़वा निवासी धीरज राणा का है। वह छत्तीसगढ़ के सिंगरौली से चावल लादकर बालूमाथ-बारियातू होते हुए बंगाल के पानागढ़ जा रहा था। टोंगरी मोड़ के पास अचानक ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे गहरे गड्ढे में गिरकर पलट गया। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगा रही है. घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

एमएमसीएच के प्रबंधन व बेहतर संचालन हेतु कार्यों में लाएं गति

नगर आयुक्त ने पदाधिकारियों के साथ की बैठक

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) के प्रबंधन व बेहतर संचालन हेतु उपायुक्त शशि रंजन द्वारा निदेशित कार्यों की गति व निष्पादन को लेकर आज नगर आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में बैठक हुई। मेदिनीनगर नगर निगम के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में नगर आयुक्त ने अस्पताल के बेहतर संचालन को लेकर किए जा रहे कार्यो की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने एमटीसी को सिफ्ट किये जाने संबंधित निदेश दिया। साथ ही अस्पताल के जर्जर भवन को धवस्त करने की कार्रवाई करने, कैदी वार्ड के लिए चिन्हित स्थान को निरीक्षण कर भौतिक जानकारी प्राप्त करते हुए अवगत कराने का निदेश दिया। नगर आयुक्त ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को चिन्हित स्थल का निरीक्षण कर अवगत कराने का निदेष दिया। उन्होंने 7 दिनों के अंदर भवन एवं बिजली से संबंधित कार्यो को पूर्ण कराने का निदेश दिया। बिजली विभाग के अभियंता को आवश्यकतानुसार बिजली पोल को सिफ्ट करने तथा आवश्यकतानुसार पेड़ की छटाई की जरूरत पर उसकी सूची तैयार कर वन प्रमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने का निदेश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के अभियंता महेन्द्र राम, अस्पताल अधीक्षक सहित अन्य उपस्थित थे।

दलित अल्पसंख्यक पिछड़ा आदिवासी वर्ग को आगे बढ़ाना कांग्रेस की प्राथमिकता

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत मिलन समारोह एवं संगठन सृजन पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। मिलन समारोह में हैदर खान शाहनवाज अहमद छोटू चंद्रवंशी गोपाल पासवान के नेतृत्व में सैकड़ो 500 संख्या में एससी, एसटी, माइनॉरिटी, ओबीसी के लोगों ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। जैश रंजन पाठक कहा कि जिनकी जितनी आबादी उनकी उतनी हिस्सेदारी मिलकर रहेगा दलित अल्पसंख्यक पिछड़ा आदिवासी वर्ग को आगे बढ़ाना मेरा है प्राथमिकता। जन-जन के नेता हम सभी के नेता राहुल गांधी जी के विचारों इन सिद्धांतों से प्रभावित होकर सैकड़ो की संख्या में युवाओं ने कांग्रेस पार्टी का सदस्य ग्रहण किया पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक ने आगे कहा कि झारखंड के नवनियुक्त प्रभारी के राजू जी के नेतृत्व में संगठन को क्रॉस रूट पर और मजबूती प्रदान मिलेगा कांग्रेस पार्टी में के राजू जी का कद बहुत बड़ा है और उनके पास लंबा राजनीतिक अनुभव है केंद्र में जब यूपीए की सरकार थी तब उन्हें सूचना का अधिकार खाद्य सुरक्षा अधिनियम मनरेगा अधिनियम में बड़ा योगदान रहा है तथा के राजू कुमार के कुशल मार्गदर्शन पर पलामू जिला के सभी कांग्रेस कार्यकताओं को नया ऊर्जा मिलेगा। कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने वाले कांग्रेस के कार्यकताओं को उचित सम्मान मिलेगा कार्यकताओं के बालपुती पर विधायक मंत्री बनता है कार्यकताओं के संघर्ष मेहनत के चलते प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी किसी कार्यकताओं के सम्मान के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन खुर्शीद आलम ने किया। मौके पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी विनोद तिवारी, शंकर पांडे, शमीम अहमद रायन, ओमप्रकाश, अमन, अरविंद पासवान, ईश्वरी प्रसाद सिंह, सुधीर चौबे, इंदु भगत, विश्राम दुबे, अशोक तिवारी, सत्येंद्र सिंह, जितेंद्र कमलापुरी, अजय साहू इत्यादि लोग उपस्थित थे।

ई-जनशिकायत कार्यक्रम में

रायडीह और सिसई प्रखंड के नागरिकों ने भी सी माध्यम से साझा की अपनी समस्या

दबंग हिन्द,संवाददाता

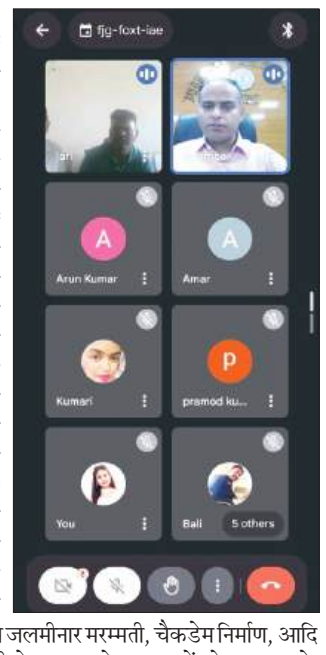

गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी गुमला की अध्यक्षता में आज आयोजित हुए साप्ताहिक ई-जनशिकायत कार्यक्रम में डुमरी और जारी प्रखंड के नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपनी समस्याओं को बताया।कार्यक्रम में डुमरी और जारी प्रखंड से लगभग 30 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याओं का विवरण दिया। इन समस्याओं में पेंशन, राशन, पीएम और अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित मुद्दे शामिल थे।उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को आवश्यक समस्याओं का ऑन द स्पॉटसमाधान करने का निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य रूप से आवास निर्माण, सड़क निर्माण, नाली निर्माण, केसीसी आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मती, पीएम जलमीनार मरम्मती, चैकडेम निर्माण, आदि के सम्बन्ध में कई नागरिकों ने भी सी के माध्यम से समस्याओं को रखा। इसके अलावा भी कई समस्याओं का समाधान प्रखंड स्तरों पर संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से ऑन द स्पॉट किया गया।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय रूप से जिन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है उसका त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।

सांसद जोबा माझी ने सोनुवा में एक हजार एमटी के खाद्य गोदाम का किया उद्घाटन

दबंग हिन्द,संवाददाता

चक्रधरपुर। सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने शनिवार को सोनुवा प्रखंड के बेगुना गांव में बने एक हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले सरकारी अनाज गोदाम भवन का उदघाटन किया. अनाज गोदाम का निर्माण खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के मद से भवन प्रमंडल विभाग चाईबासा द्वारा करीब एक करोड़ 18 लाख रुपए की लागत से कराया गया है. गोदाम उदघाटन के पश्चात सांसद जोबा माझी ने गोदाम भवन का निरीक्षण किया. इस दौरान भवन में पड़े दरार व पानी निकासी की सही व्यवस्था नहीं होने की स्थिति देख नाराजगी जाहिर की. बेगुना में गोदाम भवन चालू होने पर सोनुवा में पीडीएस तहत वितरण किये जाने वाले अनाज के रख-रखाव में सुविधा होगी. सोनुवा प्रखंड कार्यालय स्थित पुराने गोदाम पर बोझ कम होगा. इस दौरान सांसद ने गोदाम परिसर के चारदीवारी निर्माण जल्द करने के लिए प्रयास करने की बात कही. जिससे गोदाम में अनाज सुरक्षित रह पाये. मौके पर बीडीओ सोमनाथ उरांव, सीओ अनुज टेटे, जिप सदस्य सुहागी मुर्मू, जगदीश नायक, आसनतलिया पंचायत की मुखिया सुप्रिया बोदरा, पूर्व प्रखंड प्रमुख उमेश माझी, सहायक गोदाम प्रबंधक विजय विश्वकर्मा, किशोर दास, दीपक माझी, भीम माझी समेत विभाग के अधिकारी व झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

8 मार्च 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सिविल कोर्ट गुमला में

गुमला। झालसा के निदेर्शानुसार डालसा गुमला के तत्वाधान में यह लोग अदालत आयोजित किया जाना है इस संबंध में तैयारी का जायजा लेने के लिए माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला, श्री ध्रुव चंद्र मिश्र के द्वारा समय-समय पर संबंधित विभाग के सभी पदाधिकारीयों से बैठक कर उचित दिशा निर्देश दिया गया है ।तथा इसी क्रम में आज प्रधान जिला जज ने न्यायिक पदाधिकारीगण एवं अधिवक्ता गण , उत्पाद विभाग, श्रम विभाग, वन विभाग, आदि के पदाधिकारीयों के साथ बैठक किया तथा उन्हें आने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामले का निष्पादन करने हेतु दिशा निर्देश दिया गया। आज की बैठक मे डीएफओ पदाधिकारी अहमद बिलाल अनवर , श्रम अधीक्षक श्री पुनीत मिंज ,उत्पाद अधीक्षक श्री क्षितिज कुमार उपस्थित रहे ।साथ में बार अध्यक्ष अघन उरांव, एवं न्यायिक पदाधिकारी सीजीएम श्री मनोरंजन कुमार , एसीजेएम श्री पार्थ सारथी घोष, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री राम कुमार लाल गुप्ता, निर्मला बरला, श्रद्धा भूषण, श्वेता सोनी, एलएडीसी श्री डी एन ओहदर, श्री बुदेश्वर गोप, श्री जितेंद्र सिंह, अधिवक्ता असलम आदि उपस्थित थे।

कराईकेला सनसाइन पब्लिक स्कूल का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

चक्रधरपुर/बंदगांव। कराइकेला पंचायत में स्थित सनसाइन पब्लिक स्कूल का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई तथा विशिष्ट अतिथि झामुमो नेता सुनील लागुरी थे. कार्यक्रम का स्वागत भाषण विद्यालय का सेकेट्री जितेंद्र महतो ने दी उन्होंने कहा यहां के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है उन्हें मंच देने की कोशिश की गई है. यहां के बच्चे खेलकुद समेत अन्य कार्यक्रम में भी बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं. जो की काफी अच्छी बात है.मुख्य अतिथि मिथुन गागराई ने कहा कि यह विद्यालय बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में काफी बेहतर शिक्षा दे रहा है .जो कि काबिले तारीफ है. यहां के बच्चे पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ खेलकूद में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं. और उम्मीद है कि आगे भी यह बच्चे खेलकूद समेत अन्य कार्यक्रम में इस विद्यालय का नाम रोशन करेंगे.विशिष्ट अतिथि सुनील लागुरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों का खेलकूद काफी मायने रखता है.यहां बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है.उन्होंने कहा बच्चों को खेलकूद के क्षेत्र में सभी तरह की सहायता दी जायेगी. यह विद्यालय इस क्षेत्र में बच्चों को बेहतर शिक्षा दे रही है.यहां पढ़ने वाले बच्चे इस क्षेत्र का नाम रौशन करेंगे.खेलकूद प्रतियोगिता में सीनियर बच्चों का दौड़ में राजीव प्रामाणिक,विजय हैम्ब्रम,जूनियर दौड़ में राहुल बानरा,अंकित सामाड,बच्चियों का सीनियर दौड़ में दिव्या नाग,शिल्पा प्रधान,जूनियर में सुमिरन लोहार,श्रुति महंती,मतुजकल गेंद फेंकना में जानवी प्रधान,पायल महतो,जूनियर में पवित्रा कुर्तिया, संजना प्रधान, चम्मच रेस में दिव्या नाग,शिल्पा प्रधान, बैलून फोड़ में पुष्पा बंदिया,संजना प्रधान, आटा रेस अनूप मोदी,अखिल बोदरा, जूनियर में अंकिता मेलगांडी, मानसी मंडल, बिस्कुट रेस रोहित हैम्ब्रम,सुनील प्रधान, जूता रेस में संदीप हेम्ब्रम, अनु महंती ने प्रथम एवं दूसरा स्थान प्राप्त किया. इस मौके पर विद्यालय के डायरेक्टर राजाराम महतो,प्रिंसिपल शक्तिसेन मंडल, ज्ञानसेनी मिश्रा, हेमलता दास, कंचन साहू,रिंकी कुमारी, छबि नायक, निकिता सारंगी,गायत्री प्रधान समेत शिक्षक शिक्षिका तथा काफी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

टाउन काली मंदिर की कमिटी का हुआ पुनर्गठन

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर टाउन काली मंदिर में आज हुई बैठक में कमिटी का पुनर्गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से नई कमिटी के पदाधिकारियों का चयन हुआ।

नई कमिटी इस प्रकार हैं : संरक्षक पवन केजरीवाल, अध्यक्ष रामगोपाल जेना, उपाध्यक्ष श्री संजय मिश्रा, उपाध्यक्ष श्री अंकित तिवारी , सचिव श्री दिनेश केडिया , सह-सचिव श्री सिकन्दर कुमार, कोषाध्यक्ष श्री भोलानाथ महतो उप-कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मण चौरसिया, अंकेक्षक श्री जयंत चटर्जी चुने गए बैठक में प्रवीर प्रमाणिक, पवन संथालिया, त्रिलोकी नाथ कसेरा, कन्हैया, अमित मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

कामरेड महेंद्र जैक्सन उरांव को एकटू का राष्ट्रीय प्रवक्ता सह कार्यकारिणी समिति सदस्य चुना गया

दबंग हिन्द,संवाददाता

गुमला। जिला झारखंड निर्माण मजदूर यूनियन जिला कमेटी गुमला द्वारा श्री उरांव को बधाई पेश करते हुए मजदूर संघ के नेताओं ने कहा है कि उनके चुने जाने से झारखंड निर्माण मजदूर यूनियन गुमला जिला में मजबूती से मजदूरों के हक की लड़ाई लड़ेगी और अपनी आवाज गुमला से दिल्ली तक ले जाएगी ज्ञात हो विगत दिनों दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में तीन दिवसीय 24 से 26 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमें भाग लेने के लिए गुमला जिला से 4 प्रतिनिधि चयन किया गया था जिला अध्यक्ष कामरेड महेंद्र जेक्शन उरांव कामरेड बिरसाई उरांव कामरेड दर्शन उरांव कामरेड सविता कुमारी ऐकटू का राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल कार्यक्रम कर गुमला पहुंचे दिल्ली के राष्ट्रीय सम्मेलन में कामरेड महेंद्र जेक्शन उरांव को ऐकटू का राष्ट्रीय प्रवक्ता सह कार्यकारणी निर्वाचित किये गए है गुमला जिला के तमाम जनता व नागरिकों एवं महिलायें छात्र नौजवान साथियों किसान मजदूरों ने मिलकर आर्थिक सहयोग किया व सहारनियें भूमिका निभाने से हम सभी ऐकटू का राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल संपन्न कर वापस गुमला लौटे इस खुशी में गुमला के सभी जनता व मजदूर किसान साथियों को ऐक्टू का जिला कमेटी की ओर से आभार धन्यवाद करते हैं।

सुबानसाई हनुटोटा आमबगान में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

दबंग हिन्द,संवाददाता

चक्रधरपुर/बंदगांव। महाशिवरात्रि पर बंदगांव प्रखंड के सुबानसाई हनुटोटा आमबगान में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शुक्रवार को सम्पन्न हुआ. इसके समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई एवं विशिष्ट अतिथि हुडंगदा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजेश गागराई तथा झारखंड आंदोलनकारी सुखलाल महतो थे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मिथुन गागराई ने कहा कि खेल से लोगो का मानसिक विकास होता है. गांव में इस तरह का प्रतियोगीता आयोजन होने से खिलाडियों का मनोबल बढता है व आपसी भाई चारा कायम होता है. उन्होंने कहा यहां खेलकूद प्रतियोगिता बहुत ही भव्य रूप से होता है. यहां सभी खेलड़ियो को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है.मुखिया प्रतिनिधि राजेश गागराई ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के खेलाडियों को यहां बेहतर मंच प्रदान करने की कोशिश है.उन्होंने कहा यहां के खेलाडियों को खेल के क्षेत्र में सभी तरह की मदद प्रदान की जायेगी. मौके पर सुखलाल महतो ने कहा की यहां खेलकूद प्रतियोगिता काफी बृहत पैमाने पर की जाती है .यहां पर सभी खिलाड़ियों को अपने खेल दिखाने का मौका मिलता है .उन्होंने कहा यहां के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है. यहां खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए एक मंच देने का प्रयास किया गया है .बच्चों का दौड़ में वासु,अंसु, बच्चियों का दौड़ में सपना,संगीता, रेलगाड़ी रेस में तुराम, कृष्णा, जवानों का जूता रेस में शिवा बोदरा, गांधी मोहन,बूड़ो का रेस एसके बोदरा, बंगाली दोराई,मेढ़क रेस में बासु बोदरा, मदन कोड़ा, जवानों का दौड़ में तुरी कंडियांग, जीके रेस में विष्णु नायक, मोहन,स्लो मोटर साइकिल रेस में मोटो हेम्ब्रम,जोगेन नाग तथा साइकिल रेस में चमक दोराय एवं शंकर बोदरा प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया.सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने पुरुस्कार देकर सम्मानित किया.कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष सोनू महतो ,राकेश महतो, अभिषेक महतो, आर्यन महतो, राहुल महतो, अजय महतो, हरसिंह महतो, राजाराम महतो, दीपक महतो, नीलकंठ कटियार का अहम योगदान रहा .इस मौके पर हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

एस्पायर संस्था मनोहरपुर के प्रयास से बाल श्रम से मुक्ति: दो बच्चियों को सुरक्षित घर और शिक्षा की राह दिखाई

दबंग हिन्द,संवाददाता

चक्रधरपुर। बाल श्रम समाज के विकास में एक बड़ी बाधा है, जो बच्चों के बचपन, शिक्षा और भविष्य को प्रभावित करता है। हाल ही में पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड के दो मासूम बच्चे रीना बारला (11)और घासनी बारला(15), जो अपने पिता सोना बारला के साथ खड़गपुर (मेदनीपुर) के ईंट भट्ठे में काम कर रही थीं, बाल श्रम के शिकार बनीं। अपने पिता की डांट-धमकियों से भयभीत होकर वे मेदनीपुर से पैदल चलकर खड़गपुर रेलवे स्टेशन पहुंचीं और वहां से चक्रधरपुर जाने के लिए ट्रेन में सवार हुईं। रास्ते में ट्रेन में सो जाने के कारण दोनों बच्चियां 24 फरवरी 2025 को जराइकेला रेलवे स्टेशन पहुंच गईं।जराइकेला में बच्चियों का रेस्क्यू किया गया। स्थानीय लोगों ने उन्हें अकेले और भटकते देखा, जिससे संदेह हुआ कि वे परेशानी में हैं। उन्होंने तुरंत मनोहरपुर प्रखंड के इञ्ड को सूचित किया। इञ्ड ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जराइकेला पुलिस को जानकारी दी और उनके सहयोग से दोनों बच्चियों को मकरंडा पंचायत के वृद्धाश्रम में तीन दिनों तक सुरक्षित रखा गया। इस दौरान जराइकेला पुलिस ने बच्चियों से पूछताछ कर उनके परिवार का पता लगाया और उनके अभिभावकों से संपर्क किया। जब यह जानकारी एस्पायर संस्था के सावित्री महतो और रघुनाथ महतो को मिली, तो उन्होंने तुरंत जराइकेला पुलिस प्रभारी से संपर्क किया और बच्चियों के मौलिक अधिकारों और शिक्षा की बहाली को लेकर चर्चा की।

27 फरवरी 2025 को पुलिस और एस्पायर संस्था के संयुक्त प्रयासों से दोनों बच्चियों को उनके अभिभावकों मुक्ता बारला, पिंटूस बारला, मेचो बारला, जेमा बारला, सुनील महतो आदि को सौंप दिया गया। इसके साथ ही, यह सुनिश्चित किया गया कि बच्चियों को शिक्षा से जोड़ा जाए और उन्हें दोबारा मजदूरी में धकेला न जाए। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि बच्चियों को स्कूल नहीं भेजा गया, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले को लेकर एस्पायर संस्था के रघुनाथ महतो ने चक्रधरपुर में कार्यरत एस्पायर संस्था के मुकेश प्रधान और अनिल प्रधान से संपर्क किया। उन्होंने इस विषय पर ग्रामवासियों के साथ एक बैठक आयोजित की और सामूहिक प्रयासों से रीना बारला का नामांकन चक्रधरपुर के तिलोपदा RBC (Residential Bridge Course) में सुनिश्चित किया। यह कदम रीना के भविष्य के लिए एक नई दिशा साबित होगा और उसे शिक्षा के माध्यम से एक उज्जवल जीवन की ओर अग्रसर करेगा।

नेशनल मास्टर एथलेटिक्स में भाग लेने के लिए गुआ से 3 धावक रवाना

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम के गुआ खदान से तीन धावक नेशनल मास्टर एथलेटिक्स भाग लेने के लिए आज रवाना हुए. बता दें कि नेशनल मास्टर एथलेटिक्स बैंगलोर में 4 से 9 मार्च तक आयोजन किया जा रहा है. पश्चिमी सिंहभूम के गुआ खदान से तीन धावक अनूप नाग इवेंट जेवलिंग थ्रा, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो में भाग लेंगे. पंचम जार्ज सोय इवेंट फूल बोट जंप, ट्रिपल जंप, और लंबी कूद में भाग लेंगे. कृष्णा करूवा ने भी जंप पर भाग लेंगे. 1 मार्च को नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए गुआ स्टेशन से गुआ टाटानगर पैसेंजर रवान हुए हैं. स्थानीय लोगों ने अग्रिम बधाई देकर रवाना किया।

सिमडेगा ने खूंटी को 137 रनों पराजित कर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

दबंग हिन्द,संवाददाता

गुमला। जिला मुख्यालय के शहीद तेलगा खड़िया क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे जे एस सी ए अंतर जिला अंडर 23क्रिकेट मुकाबले के लीग चरण के आखिरी मैच में ! सिमडेगा ने खूंटी को 137रनो से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. शनिवार को सिमडेगा की टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते 211रनो का स्कोर खड़ा किया. टीम की ओर से गुरुशरण ने सर्वाधिक51रनो की पारी खेली. सुभादीप साहा ने 43व हर्ष व सचिन पाल ने 28-28रन बनाये. खूंटी की ओर से हर्ष ज्ञानी को तीन विकेट मिला. सत्यम व मीत जैन ने दो -दो विकेट अर्जित किये. लक्ष्य का पीछा करने उतरी खूंटी की पूरी टीम 74रनो पर सिमट गयी. खूंटी की ओर से आर्यन हुड्डा 17,प्रशांत 15व मनीष ने 11रनो का योगदान दिया.सिमडेगा के हर्ष कुमार ने 5.5ओवरो में 19रन खर्च कर सात विकेट हासिल किये. तानिश चौबे को दो व अविनाश को एक सफलता हाथ लगी. टीम के लिए बेहतरीन 28रन व सात विकेट चटकाने वाले हर्ष कुमार मैन ऑफ द मैच बने. टी आर डी ओ अनवर मुस्तफा, अंपायर व स्कोरर ने प्लेयर ऑफ द मैच को पांच हजार कैशमनी व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया. मौके पर मेजबान जिला सचिव जीतेन्द्र सिंह, मनोज चौधरी, सुनील सिंह, ओम शंकर, आयुष अग्रवाल, आकाश आनंद, ज्ञान प्रकाश, अंकित विश्वकर्मा, सन्नी साहू, मधुसूदन उरांव, शशि प्रकाश, बिनीत नाग सहित अन्य उपस्थित थे. सोमवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बोकारो व लोहरदगा की टीमें आमने -सामने होगी।

विवेकानंद सेवा आश्रम में धूमधाम से मनाया गया रामकृष्ण परमहंस की 189वीं जयंती

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड के हॉस्पिटल चौक में स्थित विवेकानंद सेवा आश्रम परिसर में श्री रामकृष्ण परमहंस की 189वीं जयंती बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर आश्रम परिसर में स्थित मंदिर में श्री रामकृष्ण देव की विशेष पूजा अर्चना की गई तथा पूजा अर्चना के पश्चात जन कल्याण के लिए हवन भी किया गया।इसके पश्चात रामकृष्ण वचनामृत का पाठ किया गया।इस शुभ अवसर पर संध्या समय विशेष आरती एवं भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर आश्रम के सचिव यशवंत मिश्रा ने बताया द्वापर युग में भगवान राम, त्रेता युग में कृष्ण और कलयुग में श्री रामकृष्ण भगवान का अवतार हुआ। यह सभी भगवान विष्णु के अवतार हैं ' उन्होंने यह भी बताया कि इस मंदिर की स्थापना स्वर्गीय गजानन मिश्र के द्वारा 2000 ईस्वी में की गई थी। इसके साथ विष्णुगढ़ उच्च विद्यालय की भी स्थापना स्वर्गीय मिश्रा जी ने की थी जो आज पूरे प्रखंड में अपने शिक्षा का प्रचार प्रसार कर रहा है। कार्यक्रम में विद्यालय की वरिष्ट शिक्षिका उमा सोनी, देवेश कुमार, आयुष कुमार, पीयूष कुमार,ममता मिस, डॉ. थानेश्वर महतो, भाजपा कार्यकर्ता सुनील कुमार अकेला,निरंजन मिश्रा सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं,शिक्षकगण एवं अभिभावकगण मौजूद थे।

राजकीय मध्य विद्यालय विष्णुगढ़ में विदाई सह शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय विष्णुगढ़ में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षक लालधन महतो को भावभीनी विदाई दी गई। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुशवाहा ने सेवानिवृत शिक्षक लालधन महतो को अंग वस्त्र और बुके देकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षकों के प्रयास से आयोजित किया गया।श्री महतो करीब 30 वर्ष से शिक्षक के पद पर कार्यरत रहे।जिसमें विष्णुगढ़ प्रखंड के अनेक विद्यालय में सेवा दी। उनकी सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार ने उनका अभिनंदन किया और उनके योगदान को याद करते हुए विद्यालय में उनके द्वारा किए गए सुधारों व छात्रों को दी गई शिक्षा की सराहना की।सम्मान समारोह में शिक्षक , ग्रामीण और बच्चों ने उपहार भेंट कर सम्मानित किया।वक्ताओं ने उनके शिक्षण कार्य, अनुशासनप्रियता और छात्रों के प्रति उनके स्नेह की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेवानिवृत हुए शिक्षक लालधन महतो की विदाई गाजे बाजे के साथ विदाई दिया गया। जिसमें विद्यालय के शिक्षक छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।मौके पर बीईईओ,प्रधानाध्यापक अशोक कुशवाहा, मुन्नी देवी, निर्मल कुमार,वीरेंद्र उपाध्याय,कालीचरण पांडे,गुरु प्रसाद साव, टेकोचंद महतो, रामचंद्र यादव,थानेश्वर महतो, मधुसूदन स्वर्णकार, अशोक राम,भुनेश्वरी देवी, सुमित्रा देवी, रेखा कुमारी, निशा कुमारी, सुजाता सेन,अलका कुमारी, प्रीति कुमारी, निर्मला देवी,अनीता महतो, सुशील महतो, त्रिवेणी प्रसाद स्वर्णकार,मिश्रीलाल बर्मन,कुणाल चौरसिया, पेमा महतो,सोबरन भगत, जयवीर बर्मन, अमन कुमार, पिंकू वैध सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जुल्म और जालिम के खिलाफ मेरी आवाज बंद नहीं होगी अंजाम की परवाह नहीं: मुमताज अली

दबंग हिन्द,संवाददाता

गुमला। गरीबो मजबूरो कमजोरो और बेसहारो की हक और इंसाफ की आवाज बनकर सड़को पे तूफान खड़ा करने निकला हूं आजम की परवाह नहीं हमे ये बाते समाजवादी पार्टी के नेशनल स्टार कैंपेनर भ्रष्टाचार मुक्त भारत संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संरक्षक मुमताज अली धनबाद गोल्फ ग्राउंड में हुए कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन में अपने संबोधन में कहा धनबाद वन विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार वन भूमि की लूट तथा वन संपदा की तस्करी के खिलाफ धरना प्रदर्शन अनशन की घोषणा करते हुए कहा कि जबतक रिश्वतखोरी और राष्ट्रीय सम्पत्ति की लूट तथा वन संपदा की तस्करी पे पूरी तरह लगाम न लगाया जाएगा तहतक हमारा यह जन जागरण जारी रहेगा मुमताज अली ने कहा कि धनबाद वन प्रमंडल देश का सबसे बड़ा वन भूमि लुट तथा वन संपदा की तस्करी का साम्राज्य कायम है राष्ट्रीय संपति की लूट में वन संपदा की तस्करी अबैद्य माइंस एवं अवैध उत्खनन खुलेआम धनबाद डीएफओ विकास पालीवाल तथा पूर्व में पदस्थापित लेखपाल दीपक दास संचालन करा रहें है और सैकड़ों करोड़ की छती राष्ट्र तथा राज्य को पहुंचाया जा रहा है जब की स्वयं डीएफओ विकास पालीवाल तथा लेखपाल दीपक दास सैकड़ों करोड़ के स्वामी बन बैठे है मुमताज अली ने कहा कि अगर राज्य सरकार या केंद्र सरकार निष्पक्ष जांच एजेंसी से विकास पालीवाल तथा दीपक दास की अवैध तरीके से अर्जित की गई अकूत संपत्ति की जांच कराया जाए सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय ई डी से तो दोनों पालीवाल तथा दीपक दास जेल के सलाखों में रहेंगे मुमताज अली अपने कार्यकताओं तरह समाज के प्रबुद्ध नागरिकों आम जनता से नौजवानो से कहा कि आप इस देश के भविष्य है और इस तरह से राष्ट्रीय सम्पत्ति की लूट कराने वाले अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ आवाज नहीं उठाएंगे तो देश और राज्य का भारी नुकसान होगा ये लुटेरे तस्कर कुख्यात अपराधियों भूमि माफियाओं तथा विकास पालीवाल एवं दीपक दास जैसे अधिकारी कर्मचारी देश तथा राज्य को भरी नुकसान पहुंचा देंगे मुमताज अली ने कहा कि हमारा मकसद भ्रष्टाचार तरह राष्ट्रीय सम्पत्ति की लूट करने वाले तस्करों माफियाओं के खिलाफ सड़को पे उतरकर इंकलाब की आवाज बुलंद करना है और धनबाद डीएफओ विकास पालीवाल तरह लेखपाल दीपक दास की अवैध ढंग से अर्जित की गई अकूत संपत्ति की जांच कराकर दंड दिलवाना है भ्रष्ट आचरण तरह भ्रष्टाचार में लिप्त इन दोनो अधिकारों कर्मचारी के खिलाफ आंदोलन तेज होगा मुमताज अली का धनबाद में जोरदार स्वागत कार्यकताओं ने किया गुलदस्ता देकर स्वागत किया इस संवाद सम्मेलन में बालमुकुंद अग्रवाल राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव भ्रष्टाचार मुक्त भारत संघर्ष मोर्चा वैद्यनाथ महतो मनोज कर्मकार दिनेश गोप आशुतोष राय हेमलाल सिंह प्रमोद पांडेय रुकसार खातून साधना सिंह इत्यादि शामिल होकर अपने अपने विचार रखे ।

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत सीआरपीएफ ने ग्रामीणों को बीच किया सामाग्री वितरण

दबंग हिन्द,संवाददाता

चक्रधरपुर/बंदगांव। सीआरपीएफ 193 बटालियन की डी कंपनी द्वारा शुक्रवार को टेबो थाना क्षेत्र के हेसाडीह स्थित कैंप में जरुरतमंद ग्रामीणों के बीच सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत सामाग्री वितरण किया। मौके पर सीआरपीएफ 193 बटालियन के उपकमानडेंट प्रदीप कुमार घोष, समवाय अधिकारी बिमलेन्दु बांकुरा, टेबो थाना प्रभारी बिक्रांत कुमार, हेसाडीह मखिया कानु ताइसन, पंसस बासंती बोदरा उपस्थिथ होकर करीब 450-500 ग्रामीणों के बीच साड़ी, कडाही, सोलर लैम्प, सिंटेक्स वाटर टैंक, वाटर फिल्टर, युवाओं के बीच खेलकूद सामाग्री वॉलीबॉल, वॉलीबाल जर्सी सहित अन्य जरुरत की सामाग्री का वितरण किया। साथ ही युवाओं को खेल औरर शिक्षा के प्रति जागरुक किया गया और समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ग्रामीणों के बीच आपसी समन्वय स्थापित किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

RNI NO. JHAHIN/2013/54377 मुद्रक एवं प्रकाशक अजय कुमार मिश्रा द्वारा ''मिश्रा प्रकाशन'' गौरीशंकर नगर ,नया बस्ती ,कडरू ,रांची , पिन कोड -834002 से मुद्रित एवं कार्यालय हिन्दी दैनिक ''दबंग हिन्द'', गौरी शंकर नगर, नया बस्ती, कडरू, रांची-834002 से प्रकाशित।
संपादक : अब्दुल कुद्दुस*, पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिये उत्तरदायी। फोन नं : 0651-2480574, 9905737601, E-mail : dabanghind@gmail.com

महाकुंभ की सफलता ने दुनिया को चौंकाया

ललित गर्ग

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धमार्चार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है।

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है। सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुनः अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धमार्चार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफ इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटिलेंजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं। आज विश्व भारत को केवल एक राष्ट्र राज्य के रूप में नहीं देखता बल्कि उसे सनातन संस्कृति की जन्मभूमि और हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचानता है। नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भगवद्गीता का पाठ किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि विश्व भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्वीकार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप में भी योग, वेदांत और भगवद्गीता के प्रति बढ़ती रूचि यह दशार्ती है कि हिंदू जीवन दर्शन वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। महाकुंभ के खिलाफ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया, यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया, इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे, जिनके नुमाइंदे ही नहीं, बल्कि लगभग 180 देशों के लोगों ने महाकुंभ में सम्मिलित होकर महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है। अनेक विदेशी ने सनातन धर्म में दीक्षित हुए है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

किसके लिए गोल्ड कार्ड

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (उ्झल्ल'ि ळ१४ेस्र) के गोल्ड कार्ड ने पूरी दुनिया को चकमका दिया है। ट्रंप जो कहते हैं वह हमेशा कर भी दें इसकी कोई गारंटी नहीं है। और इसकी भी कोई गारंटी नहीं की जो वह करना चाहते हैं उसे सचमुच कर पाएं, मगर इतना तय है कि उन्होंने पदभार संभालते ही जिस तरह का धूम-धड़ाका किया है उसने कई देशों की नींद उड़ा दी है। कई देशों को चिंता में डाल दिया है तो कई देशों को अपनी अमेरिकी नीति पर पुनर्विचार करने पर बाध्य कर दिया है। भारत भी ट्रंप की घोषणाओं और उसके क्रियान्वयन से अछूता नहीं है। अवैध प्रवासियों की अपमानजनक वापसी की धमक भारत झेल ही रहा था कि अब उसे गोल्ड कार्ड भी परेशानी में डाल रहा है। ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना वास्तव में क्या है किसी के समझ में नहीं आई है। इस योजना के मुताबिक 50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 44 करोड़ रु पये देकर कोई भी विदेशी नागरिक अमेरिका में बस सकता है और तीव्र गति से अस्थाई नागरिकता प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो सकता है। पहली बात तो यह है कि लोग धन कमाने के लिए लोग धन कमाने के लिए अमेरिका जाना चाहते हैं, अपना धन लेकर अमेरिका में बसना नहीं। यहां ट्रंप अमेरिका को एक बिकाऊ माल की तरह बेचना चाहते हैं जैसे कोई अच्छी जमीन बेची जाती है। यानी ट्रंप अमेरिका को ऐसे स्वर्ग के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं जहां किसी भी देश का कोई व्यक्ति 50 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर बसना चाहेगा। क्या सचमुच अमेरिका ऐसा स्वर्ग है? अगर भारत की बात करें तो यहां बहुत बड़ी संख्या धनपतियों की है जिन्होंने अनेकानेक गैर कानूनी तरीकों से धनी इकट्ठा किया है और वह इसकी सुरक्षा चाहते हैं। ऐसे लोग भारत में सीधे राजनेताओं या राजनीतिक दलों को अपनी सुरक्षा के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। चुनावी चंदे में इस तरह के कई मामले उजागर हुए थे। दूसरी बात जो ट्रंप ने प्रतिभावान विदेशी छात्रों के बारे में कही जो अमेरिका में पढ़ाई करने के बाद नागरिकता नहीं मिलने के कारण अपने मूल देश में लौटकर व्यापार करते हैं और करोड़ों में खेलने लगते हैं। सवाल है कि कोई अमेरिकी कंपनी 50 लाख डॉलर देकर ऐसे प्रतिभावान उद्योगों को नौकरी देने में रु चि क्यों दिखाएगी। इसका कोई ठोस तर्क सामने नहीं है। बहरहाल, जनता की गाढ़ी कमाई को अमेरिका में ले जाकर बसने के भ्रष्ट पूंजीपतियों को गोल्ड कार्ड ने जरूर सुनहरा अवसर दिखा दिया है।

चिंतन-मनन

व्यवहार से ही मिल गया सवाल का जवाब

एक दार्शनिक समस्याओं के अत्यंत सटीक समाधान बताते थे। एक बार उनके पास एक सेनापति पहुंचा और स्वर्ग-नर्क के विषय में जानकारी चाही। दार्शनिक ने उसका पूर्ण परिचय पूछा तो उसने अपने वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में सविस्तार बताया। उसकी बातें सुनकर दार्शनिक ने कहा - शक्ल-सूरत से तो आप सेनापति नहीं, भिखारी लगते हैं। मुझे विश्वास नहीं होता कि आपमें हथियार उठाने की क्षमता भी होगी। दार्शनिक की अपमानजनक बातें सुनकर सेनापति को गुस्सा आ गया। उसने म्यान से तलवार निकाल ली। यह देख दार्शनिक ठहाका लगाते हुए बोले - अच्छा तो आप तलवार भी रखते हैं। यह शायद काठ की होगी। लोहे की होती तो अब तक आपके हाथ से छूटकर गिर गई होती। अब तो सेनापति आपे से बाहर हो गया। उसकी आंखें क्रोध से लाल हो गईं और वह दार्शनिक पर हमला करने को उद्यत हो गया। तभी दार्शनिक ने गंभीर होकर कहा - बस यही नर्क है। क्रोध में उन्मत्ता होकर आपने अपना विवेक खो दिया और मेरी हत्या करने को तत्पर हो गए। दार्शनिक की बात सुनकर सेनापति ने शांत होकर तलवार म्यान में वापस रख ली। तब दार्शनिक ने कहा - विवेक जाग्रत होने पर व्यक्ति को अपनी भूलों का अहसास होने लगता है। मन शांत होने से स्थिरता आती है और दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। यही अनुभूति स्वर्ग है। सेनापति को अपने प्रश्न का उत्तार मिल गया। सार यह है कि आत्मनियंत्रण से विवेक उपजता है, जिसके कारण अनुचित कर्म या व्यवहार पर रोक लगती है और जीवन में शांति व संतोष की अनुभूति होती है।

जेलेंस्की की बेबाकी और अमेरिका की गिरती साख

सौरभ जैन अंकित

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई में तीखी नोंक-झोंक ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी। यह बैठक मुख्य रूप से अमेरिका-यूक्रेन संबंधों को मजबूत करने और सैन्य सहायता पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी, लेकिन वार्ता के दौरान दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई। इस टकराव ने अमेरिका की साख और वैश्विक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका से मिनरल डील और सैन्य सहायता की उम्मीद लेकर वहाँ पहुंचे थे, लेकिन ट्रंप ने आर्थिक मदद के बदले अमेरिका को वित्तीय रिटर्न देने की शर्त रखी। उन्होंने यूक्रेन से 500 अरब डॉलर की मांग की, हालांकि वह 350 अरब डॉलर तक की डील फाइनल करना चाहते थे। जब ट्रंप ने सुरक्षा सहायता पर चर्चा करने से इनकार कर दिया, तो जेलेंस्की ने खुलकर अपना विरोध दर्ज कराया।

जब एक पत्रकार ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता पर सवाल किया, तो ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा, अभी सुरक्षा के बारे में बात नहीं करना चाहता, मैं चाहता हूं कि बस डील हो जाए। इस पर जेलेंस्की ने जोर देकर कहा, यह युद्ध रूस और यूक्रेन के बीच है, अमेरिका और रूस के बीच नहीं। अगर पुतिन को नहीं रोका गया, तो वह पोलैंड पर भी हमला कर सकते हैं।

इस बयान पर ट्रंप भड़क गए और जेलेंस्की पर सीजफायर न चाहने और लाखों लोगों की जिंदगी के साथ खेलने का आरोप लगा दिया। दोनों के बीच बढ़ती तल्खी के कारण व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने जेलेंस्की को तुरंत बैठक समाप्त कर व्हाइट हाउस छोड़ने के लिए कह दिया। इसके बाद जेलेंस्की लंदन के लिए रवाना हो गए, जहां वह ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा आयोजित यूक्रेन समिट में शामिल हुए।

इस विवाद के बाद वैश्विक राजनीति में अमेरिका की साख गिरने लगी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टेरसन और एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहक्ना ने रूस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए जेलेंस्की का समर्थन किया। पोलैंड, स्पेन, आयरलैंड और लात्विया ने भी यूक्रेन को समर्थन देने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी जेलेंस्की के पक्ष में बयान दिया।

इस घटनाक्रम के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि भविष्य में अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने बेबाकी से अपनी बात रखेंगे। अमेरिका, जो अब तक वैश्विक राजनीति में एक निर्णायक शक्ति के रूप में देखा जाता था, उसकी साख लगातार गिर रही है। जेलेंस्की की मुखरता ने यह संदेश दे दिया है कि छोटे और मध्यम आकार के देश भी अब अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के सामने झुकने को तैयार नहीं होंगे।

अमेरिका के इस विवादास्पद रुख के कारण उसकी वैश्विक विश्वसनीयता पर भी असर पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति अब सहयोगी देशों को असमंजस में डाल रही है। इससे पहले, अमेरिका कई अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों से पीछे हट चुका है, जिससे उसकी छवि एक अविश्वसनीय सहयोगी के रूप में बन रही है। अब इस घटना के बाद, कई यूरोपीय और एशियाई देश अपने स्वतंत्र कूटनीतिक और आर्थिक रास्ते तलाशने शुरू कर देंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की बेबाकी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई उनकी तीखी बहस ने वैश्विक राजनीति को एक नया मोड़ दे दिया है। यह स्पष्ट हो चुका है कि अमेरिका अब वह महाशक्ति नहीं रहा जिस पर पूरी दुनिया आंख मूंदकर विश्वास कर सके। भविष्य में अन्य देश भी अमेरिका के सामने मजबूती से खड़े होंगे और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर अधिक ध्यान देंगे।

अमेरिका अब अपने हितों को प्राथमिकता देने के लिए अपने सहयोगियों को दबाव में लेने की रणनीति अपनाने की कोशिश कर रहा है, यूरोपीय देशों और अन्य वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है अब विश्व राजनीति बहुपक्षीय दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां अमेरिका को अपना वर्चस्व बनाये रखना संभव नहीं होगा।

तंबाकू नियंत्रण : बीस बरस और भविष्य की राह

अमरपाल सिंह वर्मा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में एक ऐसी संधि ने बीस साल पूरे कर लिए हैं, जिसका दुनिया भर में जन स्वास्थ्य को व्यापक लाभ मिला है। विश्व में फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफसीटीसी) नामक यह संधि 27 फरवरी 2005 को हुई थी।

अब इसे इतिहास की ऐसी पहल के रूप में स्वीकार्यता मिल गई है जिसे न केवल व्यापक रूप से अपनाया गया है बल्कि जिसके अपेक्षित परिणाम भी सामने आए हैं। इस संधि की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी बदौलत लाखों लोगों की जान बचाने में कामयाबी मिली है। मानवता के लिए एक गंभीर संकट बन चुके तंबाकू के दुष्प्रभावों को कम करने में इस संधि की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

यह सर्वविदित है कि तंबाकू मानवता के लिए एक अभिशाप बन चुका है। यह दुनिया में कैंसर, टीबी जैसी बीमारियों और उनकी वजह से होने वाली मौतों कारण बन रहा है। तंबाकू के कारण हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 20 प्रतिशत हृदय रोगियों की मौत के लिए तंबाकू ही जिम्मेदार है। इसके अलावा यह सामाजिक एवं आर्थिक दबाव भी बढ़ाता है जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अधिक प्रभावित होते हैं।

संधि के तहत कई प्रभावी उपाय अपनाए गए हैं जिनका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वर्तमान में दुनिया के 138 देशों में सिगरेट के पैकेटों पर चेतावनियां दी जाती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कई देशों में तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग को साधारण कर दिया गया है, जिससे ब्रांडिंग और आकषर्क डिजाइन की संभावनाओं को समाप्त करने में मदद मिली है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस संधि की बदौलत तंबाकू विज्ञापनों और प्रमोशन पर 66 से अधिक देशों में प्रतिबंध लगाया जा चुका है। सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों और अन्य बंद इमारतों में धूम्रपान निषेध से निष्क्रिय धूम्रपान के कारण होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिली है। इससे ऐसे लोगों का जीवन बचाने में सहायता मिली है, जो खुद सिगरेट का प्रयोग नहीं करते पर धूम्रपान करने वाले अन्य लोगों की वजह से इसका खतरा झेलते हैं। इसके परिणामस्वरूप, वि की एक चौथाई आबादी ऐसी नीतियों के दायरे में आ चुकी है, जिससे तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई है।

डब्ल्यूएचओ ने संधि की 20 वीं वषर्गांठ के मौके पर कहा है कि तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाव पर केंद्रित यूएन संधि ने पिछले दो दशकों में लाखों-करोड़ों जिंदगियों की रक्षा करने में मदद की है। यह एक तथ्य है कि तंबाकू गैर संचारी रोगों का एक बड़ा कारण है जो न केवल असामयिक मौतों का कारण बनता है, बल्कि इससे प्रभावित लोग विकलागंता का भी शिकार हो सकते हैं। जो गरीब लोग तंबाकू जनित बीमारियों से पीड़ित होते हैं, उन पर इलाज का भारी बोझ पड़ता है। ऐसे लोग आम लोगों की तुलना में पोषक आहार से भी वंचित रहते हैं क्योंकि वह अपनी आमदनी का एक बड़ा हिस्सा महंगे तंबाकू उत्पादों पर खर्च कर डालते हैं।

तंबाकू उत्पादन के लिए अत्यधिक जमीन एवं पानी की जरूरत पड़ रही है। अगर तंबाकू के प्रति लोग नकारात्मक रवैया अपनाएं तो इस जमीन व पानी का इस्तेमाल जरूरी खाद्यान्न के उत्पादन में किया जा सकता है। यदि तंबाकू का प्रचलन कम हो तो इन संसाधनों का उपयोग अधिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यकीनन, इस संधि के तहत बहुत काम किया गया है पर अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। डब्ल्यूएचओ के और अन्य विशेषज्ञ इस संधि के तहत तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने, विज्ञापन व प्रायोजकों पर रोक लगाने, नये तंबाकू व निकोटीन उत्पादों से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने जैसे विभिन्न उपायों को अपनाने पर बल दे रहे हैं। इस दिशा में सक्रियता से काम होना चाहिए।

साथ ही, तंबाकू के प्रति नकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए शिक्षा और जागरूकता अभियानों को और सशक्त करने की आवश्यकता है। लोगों को यह समझाय जाना चाहिए कि तंबाकू सेवन केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि यह एक वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक संकट है। यदि सरकारें, समाज और आम लोग मिलकर इस प्रयास को जारी रखें तो एक स्वस्थ और तंबाकू मुक्त विश्व की कल्पना को साकार किया जा सकता है।

सीएम ने नियोजित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिए

- महिला शिक्षकों को प्रेरित करने का किया प्रयास
- शिक्षा मंत्री को मंच पर खड़ा कर सबको चौंकाया
- 59 हजार से अधिक शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र
- सरकार ने रोजगार के अवसरों पर जोर दिया

दबंग हिंद संवाददाता

पटना। बिहार के पटना में एक कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक के रूप में नियुक्ति पत्र दिए। साथ ही, उन्होंने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार को सबके सामने मंच पर खड़ा कर दिया, जिसके कारण महिला शिक्षकों के साथ कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

महिला शिक्षकों को हंसी-खुशी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित : दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में आयोजित एक समारोह में साक्षमता परीक्षा पास करने वाले नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने महिला शिक्षकों को हंसी-खुशी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान एक रोचक वाकया हुआ जब उन्होंने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार को सभी के सामने खड़ा कर दिया। नीतीश कुमार ने मंच पर बैठे शिक्षा मंत्री को खड़े होने का इशारा किया। शुरूआत में मंत्री संकोच कर रहे थे, लेकिन सीएम के दोबारा कहने पर वे खड़े हो गए। सीएम नीतीश ने हंसते हुए कहा, 'अरे खड़ा होइए'।

संवाद कक्ष में नियुक्ति पत्र का वितरण : मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद कक्ष में आयोजित इस नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में सभी लोग इस वाकये से हैरान रह गए। कार्यक्रम में सीएम ने शिक्षा मंत्री को खड़ा कराकर सबको चौंका दिया। यह घटना बिहार विधानसभा चुनाव से पहले की है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार चुनाव से पहले सभी लंबित कामों को निपटाना चाहते हैं। इसी क्रम में यह नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया था।

59 हजार से अधिक विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र : मुख्यमंत्री ने सक्षमता परीक्षा-2 पास करने वाले 59 हजार से अधिक विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार के साथ शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव और अन्य मंत्री एवं अधिकारी मौजूद थे। नियुक्ति पत्र वितरण के बाद, सीएम नीतीश कुमार ने लोगों को संबोधित किया और सरकार द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान करने की बात कही।

समर्थकों ने मनाया सीएम नीतीश का जन्मदिन

महावीर मंदिर में जेडीयू कार्यकताओं ने पूजा-अर्चना की
जन्मदिन पर पोस्टरों में निशांत कुमार की तस्वीरें शामिल

दबंग हिंद संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज जन्मदिन मनाया जा रहा है। हालांकि नीतीश कुमार खुद अपना जन्मदिन नहीं मनाते, लेकिन उनके समर्थक हर साल की तरह इस बार भी पूरे जोश और उत्साह के साथ इसे मना रहे हैं। पटना के महावीर मंदिर में जेडीयू कार्यकताओं ने पूजा-अर्चना की और गरीबों को फल व मिठाई बांटी। महावीर मंदिर में मंत्री अशोक चौधरी ने 75 किलो का लड्डू चढ़ाया और 75 कबूतर भी उड़ाए। इस बीच जेडीयू कार्यकताओं ने पोस्टर के जरिए अपने नेता नीतीश कुमार से बर्थडे का रिटर्न गिफ्ट भी मांग लिया।

जेडीयू के पोस्टरों में निशांत कुमार की मौजूदगी : दरअसल इस बार जन्मदिन के अवसर पर लगे पोस्टरों में नीतीश कुमार के साथ उनके बेटे निशांत कुमार की तस्वीरें भी देखी गईं। इन पोस्टर के जरिए जेडीयू कार्यकताओं ने पार्टी के मुखिया को ये बताने की कोशिश की है कि वो निशांत कुमार को जेडीयू में चाहते हैं। जेडीयू के कार्यकार्ताओं ने कहा कि बिहार का शासन एक इंजीनियर ही चला रहा है। हम चाहते हैं आगे भी एक इंजीनियर ही चलाए। बता दें, निशांत कुमार ने भी इंजीनियरिंग की है।

हालांकि अभी तक इन पोस्टर पर किसी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इधर पोस्टर से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि निशांत जल्द ही राजनीति में कदम रख सकते हैं। कार्यकताओं के इस कदम को उनके राजनीति में प्रवेश के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

क्या निशांत करेंगे राजनीति में एंट्री ? बिहार की राजनीति में इन दिनों यह चर्चा जोरों पर है कि निशांत कुमार राजनीति में आने वाले हैं। हालांकि, इस पर अब तक न तो खुद निशांत और न ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोई बयान दिया है। बता दें, नीतीश कुमार कई बार परिवारवाद के खिलाफ खुलकर बोल चुके हैं, जिस पर विपक्षी दल अब सवाल खड़े कर रहे हैं। लेकिन जेडीयू और बीजेपी के नेता इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। उनका कहना है कि अगर निशांत राजनीति में आते हैं।

आरा में तीन बाइक की आपस में हुई टक्कर, एक की मौत

दबंग हिंद संवाददाता

आरा। सकड़ी हार्डवेयर मॉल के समीप डिवाइडर क्रॉस करने के दौरान तीन बाइक की आपस में टक्कर हो गई। यह दुर्घटना इतनी भयानक थी कि आपस में तीनों बाइक एक-एक करके टकरा गईं। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई और एक घायल हो गया। हादसाबक्सर पटना फोरलेन सकड़ी हार्डवेयर माल के नजदीक हुआ। यहां डिवाइडर क्रॉस करने के दौरान ये हादसा हुआ। आनन-फानन में स्थानीय लोग दोनों घायलों को दोनों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोईलवर ले गए। यहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया और दूसरा का इलाज चल रहा है।

बीमार लालू यादव का चुनावी दंगल : बीजेपी पर जमकर बरसे

एकमा में राजद कार्यकताओं को दिया 'जीत का मंत्र'

दबंग हिंद संवाददाता

छपरा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव शनिवार को सारण जिले के एकमा पहुंचे। यहां उन्होंने विधायक श्रीकांत यादव के आवास पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्हें 'गुरुमंत्र' दिया। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए चुनावी तैयारियों में अभी से जुट जाने का आह्वान किया।

लालू यादव ने कार्यकताओं को दिया 'जीत का मंत्र'

राजद अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया और विधायक श्रीकांत यादव के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'श्रीकांत यादव लंबे समय से बुला रहे थे। आज मौसम खराब था, फिर भी मैं आप सभी से मिलने आया हूं।' उन्होंने कार्यकताओं से दृढ़ता से डटे रहने और आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों का मुकाबला करने का संदेश दिया।

सेहत ठीक नहीं, फिर भी जनता के बीच रहूंगा: लालू यादव

अपने स्वास्थ्य को लेकर लालू यादव ने कहा, 'मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है, लेकिन फिर भी मैं क्षेत्र में आता रहूंगा। आप सभी को पूरी मजबूती के साथ राजद को मजबूत करना है।' उन्होंने सारण जिले में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में कारखानों और इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गई है।

लालू ने भाजपा-एनडीए पर साधा निशाना

इसके पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव ने भाजपा और एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अतिपिछड़ों के खिलाफ काम कर रही है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा- 'भाजपा और एनडीए दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अतिपिछड़ों की असल दुश्मन है। बिहार में भाजपा और नीतीश सरकार मिलकर 16 प्रतिशत आरक्षण की चोरी कर रही है और आरक्षित वर्गों की नौकरियों पर डकैती डाल रही है।'

राजद विधायक श्रीकांत यादव के आवास पर पहुंचे लालू यादव, कार्यकताओं से किया चुनाव में जुटने का आह्वान

बिहार में चुनावी हलचल तेज

इस साल के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव संभावित हैं, जिसके चलते सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। राजद के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव भी प्रदेशभर में दौरे कर कार्यकताओं से मिल रहे हैं और उनकी राय ले रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कई घोषणाएं भी की हैं, जिससे बिहार की राजनीति गर्मा गई है।

आईपीएस विकास वैभव ने बिहार संकल्प सभा की दी जानकारी

दबंग हिंद संवाददाता

पटना। विकास वैभव ने बिहार के विकास के लिए एक नए अभियान की घोषणा की है। यह अभियान शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य पर केंद्रित होगा। इसका लक्ष्य पलायन को रोकना है। 22 मार्च 2025 को पटना में ₹विकसित बिहार संकल्प सभा₹ का आयोजन किया जाएगा। वैभव जी का मानना है कि कई लोग बिहार में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम कर रहे हैं। इस अभियान से बिहार के लोगों को बेहतर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। बेहतर सुविधाएं मिलने से लोग बिहार से बाहर नहीं जाएँगे। विकास वैभव ने कहा, समाज के कई अच्छे लोग बिहार में बदलाव लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

दो युवकों की गोली मारकर हत्या

दबंग हिंद संवाददता

छपरा। छपरा के जलालपुर में दो युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना मकनपुर गाँव में जीएस बंगरा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के पास हुई। मृतकों की पहचान मशरक थाना क्षेत्र के कवलपुरा निवासी फारुख और सकरीद निवासी अशरफ के रूप में हुई है। पुलिस प्रेम प्रसंग को हत्या का कारण मान रही है। घटनास्थल से एक मोटरसाइकिल भी मिली है। एसआईटी का गठन कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। डीआईजी ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। शनिवार सुबह मकनपुर पोखड़े के पास सड़क किनारे दो शव मिले। सुबह की सैर पर निकले लोगों ने शव देखे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पता चला कि दोनों युवकों को गोली मारी गई थी। घटनास्थल पर एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। मृतकों की पहचान फारुख (30 वर्ष) और अशरफ (25 वर्ष) के रूप में हुई। फारुख मशरक थाना क्षेत्र के कवलपुरा गाँव का रहने वाला था, जबकि अशरफ सकरीद का निवासी था। स्थानीय निवासी मोहम्मद तुफैल ने बताया कि सुबह सैर के दौरान उन्हें सड़क किनारे दो शव दिखाई दिए। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

बिहार के गांवों से निकलेंगे अब नए खेल सितारे! पंचायतों में गूंजेगी खेल की सीटी

दबंग हिंद संवाददता

सीतामढ़ी। बिहार सरकार खेल के विकास को लेकर बराबर प्रयासरत रही है। खेल और खिलाड़ियों के हित में कई योजनाएं लागू कर रखी है। सरकार की सोच है ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों की क्षमता में वृद्धि करने के साथ ही उन्हें बेहतर अवसर दिलाया जाए। ताकि ये खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन और खेल कर अपने गांव और जिला का नाम रौशन कर सके। इसी सोच के तहत कुछ वर्ष पूर्व हाइस्कूलों में फुटबॉल के स्टेडियम निर्माण कराए गए थे। अब प्रत्येक पंचायत में खेल क्लब गठन करने की कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि विभिन्न खेलों के अधिकांश खिलाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों के ही होते है, लेकिन उन खिलाड़ियों के

अभ्यास के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में समुचित साधन नहीं होते है। इस कारण ऐसे खिलाड़ियों को कई तरह की परेशानी झेलनी पड़ती है। हालांकि अब वह दिन दूर नहीं जब सरकार के साधन से खिलाड़ी बेहतर तरीके से प्रशिक्षण के साथ ही मार्गदर्शन भी पा सकेंगे।

क्लब के गठन के लिए पंजीकरण 28 फरवरी तक की निर्धारित की गई थी। 25 फरवरी तक की रिपोर्ट के अनुसार 255 पंचायतों ने क्लब गठन के लिए खेल विभाग के पोर्टल पर निबंधन कराया था। सोनबरसा प्रखंड की तीन पंचायतों ने निबंधन नहीं कराया था। जिसमें इंदरवा, मढ़िया और सिंहवाहिनी पंचायत शामिल था। डीएम की सख्ती के बाद पंजीकरण की संख्या बढ़ी थी।

पंचायत खेल क्लब के लिए आवश्यक निर्देश

जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक खेल क्लब होगा

क्लब फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, चेस, कैरम, खो-खो, टेबल टेनिस व क्रॉसवर्ड में से किसी एक या अधिक खेलो से जुड़ा हो

बिरजू दास, उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा ने बताया कि खेल का सर्वांगीण विकास को लेकर खेल विभाग के स्तर से सभी पंचायतों में खेल क्लब का गठन होना है। इसके तहत अभी खेल का मैदान और प्रशिक्षक समेत अन्य बिंदुओं पर विभाग को समेकित रिपोर्ट भेज दी गई है। निबंधन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभागीय स्तर से जारी मार्गदर्शिका के अनुरूप इस दिशा में अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

सीएम की रेस में नीतीश से बहुत आगे निकले तेजस्वी

एजेंसी

पटना। बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इंडिया टुडे और सी वोटर्स ने एक सर्वे किया है। इस सर्वे में लोगों से पूछा गया कि वे किसे मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। सर्वे के नतीजे बताते हैं कि नीतीश कुमार की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे लोकप्रिय विकल्प बनकर उभर रहे हैं। प्रशांत किशोर और सम्राट चौधरी भी दौड़ में हैं। वहीं, चिराग पासवान की लोकप्रियता में भारी गिरावट देखी गई है। बिहार के आधे लोग मौजूदा सरकार से नाखुश हैं और बदलाव चाहते हैं।

सी वोटर्स के सर्वे में चौंकाने वाला खुलासा : दरअसल, इंडिया टुडे और सी वोटर्स ने बिहार के लोगों की राय जानी। उन्होंने पूछा कि वे किसे मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। यह सर्वेक्षण विधानसभा चुनाव से पहले किया गया। इसमें सीटों के बारे में नहीं पूछा गया। सिर्फ मुख्यमंत्री पद के लिए लोगों की पसंद जानी गई। नतीजे बताते हैं कि नीतीश कुमार की लोकप्रियता कम हो रही है। तेजस्वी यादव सबसे आगे हैं। प्रशांत किशोर और सम्राट चौधरी भी लोगों की पसंद बन रहे हैं। चिराग पासवान की लोकप्रियता में गिरावट आई है। कई लोग मौजूदा सरकार से नाखुश हैं और

बदलाव चाहते हैं।

नीतीश को सीएम के रुप में नहीं देखना चाहते लोग : नीतीश कुमार लगभग 20 साल से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। लेकिन अब लोग उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहते। सर्वे के मुताबिक सिर्फ 18% लोग ही उन्हें मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहते हैं। 82% लोग चाहते हैं कि कोई और मुख्यमंत्री बने। सी वोटर सर्वे में 58 फीसदी लोगों ने कहा कि नीतीश कुमार की विश्वसनीयता कम हुई है। 13% लोगों ने कहा कि उनकी विश्वसनीयता में कुछ कमी आई है। केवल 21% लोगों का मानना है कि उनकी विश्वसनीयता में कोई कमी नहीं आई है।

सर्वे में तेजस्वी यादव सबसे आगे : सर्वे में लोगों से पूछा गया कि वे किसे मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। 41% लोगों ने तेजस्वी यादव का नाम लिया। 15% लोगों ने प्रशांत किशोर को मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त बताया। प्रशांत किशोर जन सुराज के संस्थापक हैं। 8% लोगों ने सम्राट चौधरी का नाम लिया। सम्राट चौधरी इखढ के नेता और वर्तमान में उपमुख्यमंत्री हैं। वहीं, चिराग पासवान की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। अब सिर्फ 4% लोग ही उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए योग्य मानते हैं।

मौजूदा सरकार से 50 फीसदी लोग खुश नहीं : सर्वे के अनुसार 50% लोग मौजूदा एनडीए सरकार से नाखुश हैं और बदलाव चाहते हैं। 22% लोग नाखुश हैं लेकिन बदलाव नहीं चाहते। 25% लोग ना तो नाखुश हैं और ना ही बदलाव चाहते हैं। बता दें कि हाल ही में नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। उन्होंने इखढ के 7 नए मंत्रियों को शामिल किया है। इसके बाद इखढ ने कहा है कि वे नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। बिहार में विधानसभा चुनाव इसी साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले हैं।

एक नजर

वास्तानिया की परीक्षा में बही कदाचार की गंगोत्री

दबंग हिंद संवाददाता

सीतामढ़ी। बिहार राज्य मदरसा बोर्ड, पटना के दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन में वास्तनिया, उर्दू की परीक्षा 26 फरवरी को संपन्न हो गई। इस परीक्षा में एक केंद्र पर कदाचार की गंगोत्री कैसे बही और इसके एवज में कैसे परीक्षार्थियों से अवैध वसूली की जा रही है, का एक वीडियो बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो ही सब कुछ बयां कर दे रहा है कि परीक्षा में किस हद तक कदाचार हुई है। बहरहाल, इस मामले में संलिप्त शिक्षक शायद ही बच पाएंगे। कारण कि यह मामला डीएम के संज्ञान में है। किसी ने अवैध वसूली का वीडियो वायरल करने के साथ ही इसे डीएम को भी भेज दिया। डीएम द्वारा जांच का आदेश दिया गया। डीईओ के स्तर से इसकी जांच नानपुर बीईओ को सौंपी गई। जांच में मामला सच पाया गया है। इसके साथ ही केंद्राधीक्षक की कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा किया जाने लगा है। यह बात अलग है कि जांच पदाधिकारी के समक्ष केंद्राधीक्षक सह प्राचार्य उजैर अख्तर इस संबंध में कोई जानकारी नहीं होने की बात कही। यह मामला शहर स्थित मदरसा रहमानिया, मेहसौल का है।

क्या है पूरा मामला : डीएम को भेजे वीडियो और शिकायत में कहा गया था कि केंद्राधीक्षक सह प्राचार्य उजैर अख्तर और सहायक शिक्षक अशरफ अली के द्वारा बाहरी मदरसा के शिक्षक सलीम दुरानी एवं एनामुल हक से प्रत्येक परीक्षार्थी से 250 रुपये की अवैध वसूली कराई गई है। डीईओ के आदेश पर नानपुर बीईओ हरिचन्द्र राय ने आरोपित मदरसा रहमानिया, मेहसौल में जांच की। बीईओ ने वीडियो के आधार पर परीक्षार्थियों से अवैध वसूली के बारे में पूछताछ की, तो उसने वसूली किए जाने की बात कही। अवैध वसूली का आरोप बाहरी मदरसा के शिक्षक पर लगी है। यानी केंद्राधीक्षक द्वारा बिना किसी अधिकारी की अनुमति से अवैध रूप से मदरसा रेयाजुल उलूम भलहा, प्रखंड, बथनाहा के सहायक शिक्षक सलीम दुरानी और उसी मदरसा के प्रधान मौलवी एनामुल हक की प्रतिनियुक्ति परीक्षा के दौरान की गई थी, जो नहीं करना था। गौरतलब है कि बीईओ ने डीईओ को जांच रिपोर्ट में अवैध वसूली की पुष्टि के साथ रिपोर्ट सौंप दी है।

दरभंगा में हो रहा दुनिया का सबसे बड़ा यज्ञ

दबंग हिंद संवाददता

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले के लगमा गांव में दुनिया का सबसे बड़ा यज्ञ हो रहा है। 1 से 16 मार्च तक लक्षचंडी महायज्ञ और अति विष्णु यज्ञ का आयोजन हो रहा है। इस यज्ञ में 2100 पंडित शामिल होंगे और बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी 11 से 13 मार्च तक उपस्थित रहेंगे। यह यज्ञ विश्व कल्याण के लिए किया जा रहा है। आज 1500 कन्याओं ने कलश यात्रा निकाली। इसी के साथ यज्ञ शुरू हो गया। यहां पर 108 हवन कुंड बनाए गए हैं।

दरभंगा के तारडीह प्रखंड के लगमा गांव में स्थित ब्रह्मचर्य आश्रम में भव्य धार्मिक आयोजन हो रहा है। 1 मार्च से 16 मार्च तक चलने वाले इस आयोजन में दो महायज्ञ होंगे, लक्षचंडी महायज्ञ और अति विष्णु महायज्ञ। शनिवार को 1500 कन्याओं की कलश यात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इसके लिए एक विशाल पंडाल बनाया गया है जिसमें 108 हवन कुंड स्थापित किए गए हैं। देश भर से 2100 पंडित यहां हवन, पूजा और पाठ करेंगे। इस आयोजन में बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी तीन दिनों के लिए शामिल होंगे।

स्थानीय आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री कृष्ण मोहन दास ब्रह्मचारी ने बताया कि लगमा ब्रह्मचर्य आश्रम में दो महायज्ञ एक साथ हो रहे हैं। पहला लक्षचंडी महायज्ञ और दूसरा अति विष्णु महायज्ञ। इनमें सीताराम और विष्णु भगवान की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा भी होगी। देशभर से आए पंडित दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन और पूजन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में काफी समय से ऐसा कोई बड़ा यज्ञ नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि यह यज्ञ विश्व कल्याण के लिए आयोजित किया जा रहा है। देश के विभिन्न धर्मस्थलों से पंडित और विद्वान इसमें भाग ले रहे हैं। यह एक अद्भुत और अनोखा आयोजन होगा। एसडीओ विकास कुमार ने बताया कि प्रशासनिक तैयारियां पूरी हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। अग्निशमन विभाग की टीम यहां मौजूद रहेगी। सिविल सर्जन ने एक मेडिकल टीम तैनात किया। मेला क्षेत्र में 200 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

पुलिस ने 3500 लीटर विदेशी शराब पकड़ी

दबंग हिंद संवाददता

पूर्वी चंपारण। मोतिहारी पुलिस ने पंजाब से आ रही 3500 लीटर विदेशी शराब पकड़ी है। एक कंटेनर और एक पिकअप गाड़ी भी जब्त की गई है। यह कार्रवाई मेहसी थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की खेप सुरसाबाद के पुराने कोल्ड स्टोर के पास पहुंचने वाली है। पुलिस ने घेराबंदी की, लेकिन तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पकड़ी गई शराब की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने तस्करों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश जारी है। दरअसल, मेहसी थानाध्यक्ष रंधीर कुमार भट्ट को सूचना मिली थी कि पंजाब से भारी मात्रा में शराब आ रही है। यह शराब एक कंटेनर और एक पिकअप में थी। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और सुरसाबाद स्थित पुराने कोल्ड स्टोर के पास जाल बिछाया। जैसे ही शराब से लदे वाहन वहां पहुंचे, पुलिस ने उन्हें घेर लिया। हालांकि, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके से शराब से भरा कंटेनर और पिकअप जब्त कर लिया। जब्त की गई शराब विदेशी ब्रांड की है और इसकी कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। पुलिस ने बताया कि तस्करों की पहचान कर ली गई है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि जिले में शराबबंदी को सख्ती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि शराब तस्करी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे पहले मोतिहारी रेलवे स्टेशन से पुलिस ने भारी मात्रा में शराब जब्त की थी। सार्वजनिक शौचालय के पास आरपीएफ और जीआरपी ने एक बोरी से 40 टेट्रा पैक शराब जब्त की थी। इस मामले में भी तस्कर फरार हो गए थे। फिलहाल पुलिस दोनों मामले में तस्करों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है।

छपरा में पति ने बनवाया 2 करोड़ का 'शक्ति' धाम

दबंग हिंद संवाददता

छपरा। बिहार के छपरा के मांझी प्रखंड स्थित गोबरही गांव में पति के प्रेम और समर्पण की एक अनोखी मिसाल देखने को मिली है। गांव के निवासी विजय सिंह ने अपनी दिवंगत पत्नी स्व. रेणु देवी की याद में भव्य शिव मंदिर का निर्माण कराया है। इस मंदिर की लागत करीब 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है। विजय सिंह की पत्नी रेणु देवी का महाशिवरात्रि के दिन निधन हुआ था। उनकी अंतिम इच्छा थी कि उनके पति उनकी स्मृति में एक शिव मंदिर का निर्माण कराएं। विजय सिंह ने इस इच्छा को पूरा करने के लिए राजस्थान से कारीगरों को बुलाकर एक भव्य मंदिर 'शिवशक्ति धाम' का निर्माण करवाया।

मुश्किल में फंसी तृप्ति डिमरी की 'धड़क 2

पिछले साल सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क 2' की घोषणा की गई थी। फिल्म नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, बाद में इसे साल 2025 तक के लिए टाल दिया गया। इस बीच चर्चा थी कि यह फिल्म इस साल होली के त्यौहार के आस-पास रिलीज हो सकती है। होली तो नजदीक आ रही है, लेकिन फिल्म का प्रमोशन अभी तक शुरू नहीं हुआ है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक 'धड़क 2' को सीबीएफसी से प्रमाणन प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं विस्तार सेज किस समस्या का करना पड़ रहा सामना? बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार पोर्टल को एक सूत्र ने बताया, धड़क 2 जाति के मुद्दों पर आधारित है और एक चौंकाने वाली कहानी है। सीबीएफसी की जांच समिति ने इस तरह की फिल्म के लिए निर्माताओं की सराहना की, लेकिन इसके कंटेंट की वजह से वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि फिल्म को क्या रेटिंग दी जानी चाहिए और कौन से सीन काटे जाने चाहिए, यदि कोई ऐसा सीन हो।

सेंसर की मंजूरी के बाद शुरू होगा प्रमोशन?

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक ट्रेड एक्सपर्ट ने पोर्टल को बताया कि 'धड़क 2' के निर्माता सेंसर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही फिल्म का प्रमोशन शुरू करेंगे। इसलिए, अगर उन्हें सीबीएफसी से मंजूरी मिल जाती है, तो 'धड़क 2' 14 मार्च को रिलीज हो सकती है या इसके डेट को आगे बढ़ाया जा सकता है।

तमिल वर्जन पास तो 'धड़क 2' पर क्यों सवाल?

कहा जा रहा है कि 'धड़क 2' तमिल फिल्म 'परीयेरुम पेरुमल' का रीमेक है और इस फिल्म को सीबीएफसी के साथ किसी भी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा था। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि इसकी कहानी भी वही होगी तो फिर इस फिल्म पर सवाल क्यों उठ रहे हैं? साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'धड़क' भी इसी विषय पर आधारित थी। जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर की फिल्म मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी। फिल्म का मोशन पोस्टर जब रिलीज हुआ था, तो उस पर लिखा था, एक था राजा, एक थी रानी। जात अलग थी खतम कहानी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म जातीय मुद्दों पर आधारित होगी।

निजी जिंदगी पर ट्रोल करने वालों को सबा ने दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की अभिनेत्री सबा आजाद अकसर ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड होने को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल होती हैं। हाल ही में उन्होंने स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया है कि वह सोशल मीडिया पर असहज होती हैं। जब भी उन्हें सोशल मीडिया पर कोई ट्रोल करता है, तो वह इससे प्राभवित होती हैं।

सोशल मीडिया से नहीं रह सकते दूर

सबा आजाद ने कहा कि सोशल मीडिया थोड़ा अजीब है। उन्होंने कहा कि मैं लगातार तीन दिन तक पोस्ट करती हूं और फिर एक महीने के लिए गायब हो जाती हूं। यह कलाकारों के लिए एक तरह का पोर्टफोलियो बन गया है। इससे ऐसे रिश्ता है कि इसके साथ नहीं रह सकते न ही इसके बिना रह सकते हैं। जैसे-जैसे लोगों में असंतोष बढ़ता है, वैसे-वैसे ऑनलाइन इस तरह का व्यवहार भी बढ़ता है।

चमड़ी मोटी हो गई है

सबा ने आगे कहा कि अगर आप खुश इंसान हैं तो आप एक फेक अकाउंट बनाकर किसी को ट्रोल नहीं करेंगे। हम उस इंसान की फिक्र क्यों करें जो बिना नाम, बिना चेहरे का है और अपनी जिंदगी से निराश है। सबा ने आगे कहा कि उन्हें इतना ट्रोल किया गया है कि अब उनकी चमड़ी मोटी हो गई है। सबा ने बताया कि नाराज होने के बजाए दूसरा रास्ता यह है कि इसे देखा जाए। मैं दुखी हूं कि ट्रोलर्स को ये सब करना पड़ा रहा है। सबा ने आगे कहा शुरूआत में मैंने सोचा कि अगर मैं अपने काम पर ध्यान दे रही हूं, तो आपको क्या दिक्कत है? लेकिन फिर, जब मैंने इस पर विचार किया, तो मुझे एहसास हुआ कि यह सिर्फ दुखद है, और इसके लिए अपनी नींद खराब करना जरूरी नहीं है। लेकिन अब मेरी चमड़ी मोटी हो गई है। मैंने भले ही लंबे वक्त तक दूसरा गाल आगे कर रखा हो, लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझमें अभी भी जवाब देने की ताकत है। अब आप मुझसे ये उम्मीद नहीं कर सकते कि मैं खामोश रहूं। मुझे परवाह नहीं कि अब लोग मुझे क्या कहेंगे। हाल ही में जब हू इज योर गाइनैक के दूसरे सीजन का शो रिलीज किया गया तब किसी ने कहा कि वह ऋतिक की गर्लफ्रेंड हैं इसलिए उन्हें काम करने की जरूरत नहीं है। इस पर सबा ने ट्रोलर को जवाब दिया था।

रिश्ते के बारे में

सबा और ऋतिक रोशन ने साल 2022 में एक दूसरे को डेटिंग करना शुरू किया। दोनों ने अपने रिश्ते का ऐलान अक्टूबर 2022 में किया। तब ऋतिक ने सबा के साथ तस्वीर शेयर की थी। तभी से सबा को ऋतिक की गर्लफ्रेंड होने के लिए ट्रोल किया जा रहा है।

हाल ही में सबा आजाद को क्राइम बीट में देखा गया। इस फिल्म में सबा के अलावा सुधीर मिश्रा और संजीव कौल हैं। इसमें साकिब सलीम, राहुल भट्ट के अलावा दानिश हुसैन हैं। यह फिल्म सोमनाथ बताब्याल की नॉवेल द प्राइस यू पे पर आधारित है। इसमें खोजी पत्रकारिता और रिपोर्टिंग के बारे में दिखाया गया है।

क्या शाहरुख खान की 'पठान' का बनेगा प्रीक्वल? जॉन अब्राहम ने कहानी को लेकर हिंट दिया

इन दिनों जॉन अब्राहम अपनी फिल्म 'डिप्लोमेट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लोमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर तो जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म 'पठान' का प्रीक्वल भी बनाएं।

बनना चाहिए 'पठान' का प्रीक्वल

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए गए एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं किसी फ्रैंचाइजी फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म 'पठान' में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था।' आगे वह कहते हैं, 'आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे।

कहानी को लेकर क्या बोले जॉन

फिल्म 'पठानी' की कहानी को लेकर भी जॉन बताते हैं कि उनके किरदार जिम के पास्ट के बारे में दर्शकों को पता होना चाहिए। दरअसल, वह मानते हैं कि जिम के किरदार में दम है, उसकी कहानी अच्छी बन सकती है। साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या वह यशराज यूनिवर्स की फिल्म 'वॉर' में उनके किरदार जिम के लिए कोई संभावना बन सकती है। तो इस पर भी जॉन का कहना है कि कुछ भी संभव हो सकता है।

पठान में विलेन बने थे जॉन

शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। शाहरुख के किरदार पठान को यह किरदार अच्छी खासी टक्कर देता है। फिल्म में दीपिका पादुकोण भी एक अहम रोल नजर आईं।

इन फिल्मों में भी आएंगे नजर

जॉन अब्राहम फिल्म 'डिप्लोमेट' के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें 'तेहरान' और 'तारिक' जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

तंडेल की सफलता के बाद डीजे बने नागा चैतन्य

नागा चैतन्य इन दिनों अपनी फिल्म तंडेल की सफलता का जश्न मना रहे हैं। अब नागा चैतन्य की एक प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पति की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे डीजे बन गए हैं। नागा चैतन्य ने डीजे की भूमिका निभाई और अपने अंदर के संगीतकार को डेक पर उतारा। फोटो में नागा चैतन्य को प्रोफेशनल सेटअप के साथ म्यूजिक मिक्सिंग में व्यस्त दिखे। स्वेटर के साथ कैजुअल कपड़े पहने वह अपने गले में हेडफोन लटकाए डीजे की तरह ध्यान केंद्रित करते हुए दिख रहे थे। शोभिता ने तस्वीर साझा करते हुए चैतन्य को टैग किया और दिल वाले इमोजी भी बनाए।

करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने मार्को निर्देशक के साथ मिलाया हाथ, एक्शन फिल्म पर साथ करेंगे काम

मलयालम सिनेमा के एक्शन स्टार हनीफ अदेनी बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और वह इसे अपने स्टाइल में कर रहे हैं। मार्को की भूमिका में धमाल मचाने के बाद फिल्म निर्माता को किसी और ने नहीं, बल्कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने एक धमाकेदार एक्शन फिल्म के लिए साइन किया है, जो जितनी दमदार है, उतनी ही मजेदार भी है। द ग्रेट फादर (2017) और मिखेल (2019) जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाने वाले हनीफ अदेनी ने एक बार फिर मार्को के साथ अपनी प्रतिभा साबित की, जो एक क्रूर और अथक एक्शन से भरपूर फिल्म है। अब, वह अपनी सिग्नेचर हाई-इम्पैक्ट स्टोरीटेलिंग को हिंदी सिनेमा में लाने के लिए तैयार हैं। कथित तौर पर आगामी प्रोजेक्ट को बहुभाषी रिलीज के लिए प्लान किया जा रहा है। फिल्म के बारे में विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।

आधिकारिक एलान का इंतजार

हनीफ अदेनी के जुड़ने से धर्मा प्रोडक्शंस बैनर बड़े पर्दे पर एक्शन की उम्मीद जगा रहा है। दूसरी ओर इसके आधिकारिक एलान का इंतजार है। साथ ही कलाकारों की घोषणा होनी भी बाकी है। हनीफ अदेनी एक फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक हैं, जो मलयालम सिनेमा में काम करते हैं। उन्होंने 2017 की फिल्म द ग्रेट फादर से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। पटकथा लेखक के रूप में उनका अगला काम अमीर है, जिसमें ममूटी मुख्य भूमिका में हैं। धर्मा प्रोडक्शंस अब कई प्रोजेक्ट्स की रिलीज की तैयारी कर रहा है, जिनमें से एक है- केसरी- चैप्टर 2, जो जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे स्टारर यह फिल्म राजनेता और वकील सी. शंकरन नायर के इर्द-गिर्द घूमती वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है। इसके साथ ही, धड़क 2 भी है, जो 2018 की तमिल फिल्म परियेरम पेरुमल पर आधारित एक शक्तिशाली लव ड्रामा है, जिसमें तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में हैं।

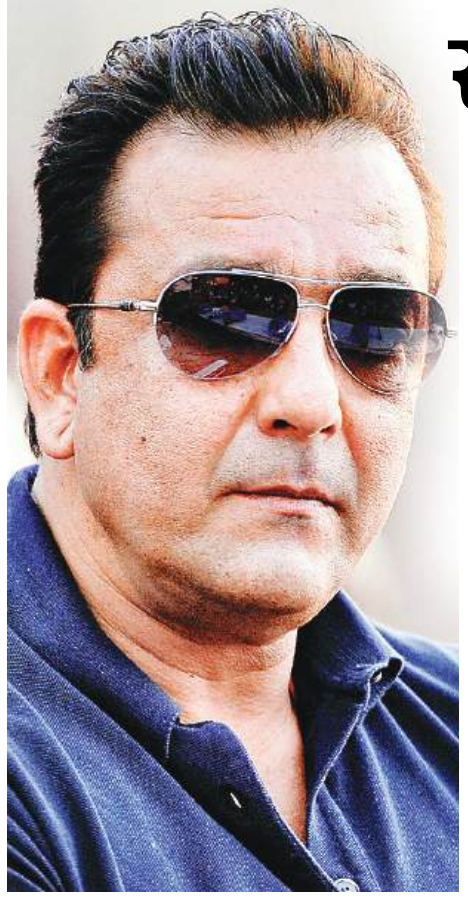

संजय दत्त ने बताया, कब तांडव मचाएगी 'द भूतनी'

अभिनेता संजय दत्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'द भूतनी' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेता ने बुधवार को महाशिवरात्रि के मौके पर सोशल मीडिया पर अपकमिंग एक्शन-हॉरर कॉमेडी के टाइटल के साथ ही रिलीज की तारीख भी बताई। इंस्टाग्राम पर एक्टर का पोस्ट शेयर करते हुए सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर ने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम 'द भूतनी' रखा गया है। यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता संजय दत्त ने लिखा, इस गुड फाइडे, डर को एक नई डेट मिल गई है। पहले से कहीं ज्यादा हॉरर, एक्शन और कॉमेडी के लिए तैयार हो जाइए! 'द भूतनी' मचाएगी तांडव।

बता दें, पहले अपकमिंग फिल्म का नाम 'द वर्जिन ट्री' था, लेकिन अब इसका नाम बदलकर 'द भूतनी' रख दिया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का एक छोटा टीजर भी शेयर किया, जो हमें रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाती है, जहां प्यार, अंधकार में बदल जाता है। सिद्धांत सचदेव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह और आसिफ खान जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स के तहत दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने फिल्म का निर्माण किया है। निर्माताओं ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर फिल्म का एक डरावना पोस्टर शेयर किया था, जिसमें घोषणा की थी कि प्रोजेक्ट का टाइटल और रिलीज की तारीख 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर सामने आएगी। पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, महादेव की भक्ति में शक्ति है! बहुत हुआ इंतजार! बाबा तारीख तय कर रहे हैं! वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय दत्त के पास बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'वेलकम टू द जंगल' भी है। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त के साथ अक्षय कुमार, रवीना टंडन, दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, लारा दत्ता, बॉबी देओल, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, संजय दत्त के पास 'सन ऑफ सरदार 2' भी है, जिसमें वह अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के साथ मुख्य भूमिका में हैं। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में तैयार इस फिल्म का निर्माण अजय देवगन ने जियो स्टूडियो के सहयोग से देवगन फिल्म्स के बैनर तले किया है।

निर्देशक अरुण माथेश्वरन की फिल्म में दिखेंगे अक्षय

अक्षय कुमार पिछली बार फिल्म स्काई फोर्स में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई की थी। हालांकि, अक्षय ने फिल्म में अपने अभिनय के जरिए खूब वाहवाही लूटी थी। आने वाले दिनों में अक्षय की कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं और अब उनके खाते से एक नई फिल्म जुड़ गई है। दरअसल अक्षय निर्देशक अरुण माथेश्वरन की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अरुण बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और अपनी पहली हिंदी फिल्म के लिए वह अक्षय के साथ बातचीत कर रहे हैं। अक्षय को उनकी फिल्म की कहानी पसंद आई है और वह इसका हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी भी दे चुके हैं। फिल्म एक्शन थ्रिलर होने वाली है। फिल्म काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है।

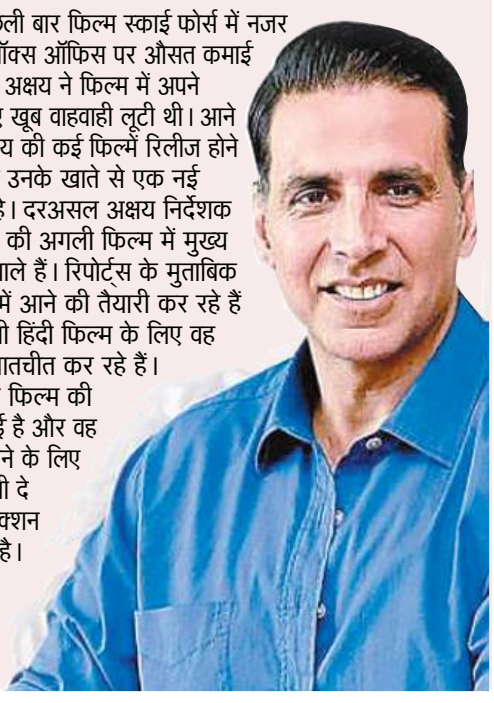

भारत बनाम न्यूजीलैंड: चैंपियंस ट्रॉफी में टॉप पर पहुंचने की जंग

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम अपना आखिरी लीग मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इस मैच पर सभी की नजरें टिकी हैं, क्योंकि यह मुकाबला तय करेगा कि ग्रुप ए में कौन सी टीम शीर्ष पर रहेगी। भारत और न्यूजीलैंड दोनों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, लेकिन ग्रुप स्टेज में पहला स्थान हासिल करने के लिए यह मैच बेहद अहम होगा। अब तक भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। पहले मैच में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया और फिर पाकिस्तान को भी 6 विकेट से मात दी। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने भी अपने दोनों मुकाबले जीते हैं। उन्होंने पाकिस्तान को 60 रनों से हराया और फिर बांग्लादेश को 5 विकेट से शिकस्त दी। ऐसे में दोनों टीमें पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेंगी।

इस टूर्नामेंट में अब तक तीन मैच बारिश की वजह से प्रभावित हुए हैं। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था, जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश का मैच भी बारिश के कारण नहीं हो सका। ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच मैच आधा ही खेला जा सका और अंकों का बंटवारा हुआ। ऐसे में फैंस के मन में यह सवाल जरूर उठ रहा है कि भारत और न्यूजीलैंड के मुकाबले पर मौसम का क्या असर पड़ेगा।

राहत की बात यह है कि मौसम पूरी तरह से साफ रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दुबई में तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा और ह्यूमिडिटी 47त्न तक होगी। मैच के दौरान हवा की गति 29 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है, लेकिन बारिश की संभावना केवल 5त्न ही जताई गई है। इसका मतलब यह है कि फैंस को पूरे 50 ओवर का रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

भारतीय टीम की अगुआई कप्तान रोहित शर्मा करेंगे, जबकि न्यूजीलैंड की कप्तानी केन विलियमसन के हाथों में होगी। भारत के लिए विराट कोहली, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी अहम भूमिका निभा सकते हैं, जबकि न्यूजीलैंड की टीम डेवोन कॉनवे, ट्रेंट बोल्ट और मिशेल सैंटनर पर निर्भर रहेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा। भारत में इसे स्पोर्ट्स18 एचडी और स्पोर्ट्स18 एसडी चैनलों पर लाइव देखा जा सकता है।

मौसम और पिच रिपोर्ट

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह हाई-वोल्टेज मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। अच्छी खबर यह है कि मौसम पूरी तरह से मैच के अनुकूल रहेगा। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, दुबई में रविवार को तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि ह्यूमिडिटी 47 फीसदी तक रहेगी। हवा की गति 29 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी और आसमान साफ रहेगा। बारिश की संभावना केवल 5 फीसदी है, जिससे पूरे मैच के सुचारू रूप से संपन्न होने की उम्मीद है।

वहीं पिच की बात करें तो दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच को धीमा बताया जा रहा है, जहां स्पिनर्स को मदद मिलने की संभावना है। पिच पर गेंद थोड़ा रुककर आती है, जिससे शुरुआती बल्लेबाजों को परेशानी हो सकती है। हालांकि, सेट होने के बाद बल्लेबाजी आसान हो सकती है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से 7 में उसे जीत मिली है और केवल 1 में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, उसी तरह न्यूजीलैंड को भी मात देकर सेमीफाइनल में मजबूती से कदम रखेगी। अब देखना यह होगा कि सुपर संडे का यह रोमांचक मुकाबला किसके नाम होता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रवींद्र जड़ेजा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंड - विल यंग, डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, रचिन रविंद्र, टॉम लैथम (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, विलियम ओरोर्के।

चैंपियंस ट्रॉफी: अफगानिस्तान से हार से दुखी इंग्लैंड के कप्तान बटलर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप से बाहर होने के बाद जोस बटलर ने इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है, उन्होंने घोषणा की कि वह कराची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी बार टीम का नेतृत्व करेंगे। बटलर ने कहा कि वह इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ रहे हैं। यह उनके और टीम के लिए सही फैसला है। उम्मीद है कि ब्रेंडन मैकुलम के साथ कोई और आ सकता है जो टीम को वहां ले जाएगा जहां इसकी जरूरत है।

बटलर इंग्लैंड के लिए खेलना जारी रखेंगे और उन्होंने कहा कि वह वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी हावी भावनाएं उदासी और निराशा हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है, समय के साथ, यह बीत जाएगा और वह अपने क्रिकेट का आनंद ले सकेंगे और यह भी प्रतिबिंबित करने में सक्षम होंगे कि अपने देश की कप्तानी करना कितना बड़ा सम्मान है और इसके साथ आने वाली सभी विशेष चीजें।

बता दें बटलर को जून 2022 में इयोन मोर्गन के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया था और उन्होंने उस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीता था, लेकिन लगातार तीन असफल आईसीसी आयोजनों 2023 में 50 ओवर विश्व कप, 2024 में टी20 विश्व कप और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब उनपर दबाव बन गया था। इंग्लैंड क्रिकेट के परिणामों में तेजी से गिरावट आई थी जिसका जिम्मेदार बटलर को माना गया था।

बटलर ने अफगानिस्तान से इंग्लैंड की 8 रन से हार के बाद संकेत दिया कि वह साल 10 मैचों में नौवीं हार मिलने पर इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा था कि उन्हें सभी संभावनाओं पर विचार करने और इस पर काम करने की जरूरत है कि क्या वह समस्या का हिस्सा हैं या समाधान का।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, मैथ्यू शॉर्ट सेमीफाइनल से हो सकते हैं बाहर

करांची (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बिना कोई मैच जीते सेमीफाइनल में पहुंच चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लग सकता है। टीम के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट चोटिल हो गए हैं और उनके आगामी मुकाबले में खेलने पर संशय बना हुआ है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेले गए मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वह सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि शॉर्ट अभी संघर्ष कर रहे हैं और उनके ठीक होने के लिए कुछ दिन काफी कम हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि उनकी जगह कौन सा खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल होगा, लेकिन माना जा रहा है कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका मिल सकता है। मैथ्यू शॉर्ट ने अफगानिस्तान के खिलाफ 15 गेंदों पर 20 रन बनाए थे, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 102 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 83 रन बनाए हैं, जिससे वह टीम के अहम बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइनअप पर असर पड़ सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया 274 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और 13 ओवर में एक विकेट खोकर 109 रन बना चुकी थी। लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और करीब एक घंटे की देरी के बाद अंपायरों ने गीली पिच की वजह से मैच रद्द करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल ग्रुप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। टीम को अब यह जानने के लिए रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले का इंतजार करना होगा कि उसका सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को दुबई में होगा या 5 मार्च को लाहौर में।

न्यूजीलैंड 5 खब्बू बल्लेबाजों के साथ खेलेगी, शमी की जगह अर्शदीप को मिलेगा मौका

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम में 5 खब्बू बल्लेबाजों की मौजूदगी और पाकिस्तान के खिलाफ मैच में मोहम्मद शमी को पिंडली में हुई हल्की परेशानी के कारण भारतीय टीम प्रबंधन रविवार को चैम्पियंस ट्रॉफी के मैच में इस अनुभवी तेज गेंदबाज को आराम देकर अर्शदीप सिंह को उतार सकता है। शुक्रवार को अभ्यास सत्र को संकेत माने तो पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप इस मैच में शमी की जगह खेल सकते हैं। उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल के साथ काफी अभ्यास किया और 13 ओवर डाले।

शमी ने छोटे रनअप के साथ सिर्फ छह सात ओवर फेंके। पाकिस्तान के खिलाफ 23 फरवरी के मैच में शमी को तीसरे ओवर के बाद ही फिजियो से दाहिने पैर में उपचार कराना पड़ा था। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों के हावभाव से लग रहा था कि भारत सेमीफाइनल से पहले शमी को ब्रेक दे सकता है। केएल राहुल ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि विजयी संयोजन में बदलाव होगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता लेकिन सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने शाम को संकेत दिया कि गेंदबाजी संयोजन में बदलाव हो सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अर्शदीप का प्रदर्शन

अर्शदीप ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट में उन्होंने 8 मैचों में 17 विकेट लिए, जो किसी एक संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड है (फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त)। उनका औसत 12.64 और इकोनॉमी रेट 7.16 रहा। फाइनल में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए, जिससे भारत ने 169 रन का स्कोर डिफेंड किया।

अर्शदीप का वनडे प्रदर्शन

अर्शदीप ने हाल में ज्यादा वनडे नहीं खेले हैं। उनका आखिरी वनडे दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था, जहां उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट लिए थे, जिसमें एक फाइव-विकेट हॉल (5/37) शामिल था। इसके बाद से वे मुख्य रूप से टी20 पर केंद्रित रहे हैं।

सरफराज को जून में मिल सकता है टेस्ट खेलने का अवसर

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं।

सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है। इसके अलावा 54 फर्स्ट क्लास मैचों में सरफराज खान के नाम 4593 रन दर्ज हैं।

पसंदीदा कवर ड्राइव से पारी को नियंत्रित करते हैं विराट

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि कवर ड्राइव उनका पसंदीदा शॉट है । कोहली के अनुसार इस शॉट से वह पारी को नियंत्रित भी कर पाते हैं हालांकि कभी-कभी ये नुकसान देह भी रहा है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफ में शतक के दौरान भी कई कवर ड्राइव लगाये थे। कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि ये एक कठिन स्थिति है। ये कवर ड्राइव पिछले कुछ साल में मेरी कमजोरी रहा है हालांकि इसी शॉट से उन्होंने काफी रन भी बनाये हैं।,कोहली ने कहा, ''क्योंकि जब मैं इस तरह के शॉट लगाता हूं तो मैं क्रीज पर बल्लेबाजी करते समय नियंत्रण महसूस करता हूं। इसलिए पाक के खिलाफ खेली गयी पारी मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक अच्छी पारी थी।। उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर पर उनकी भूमिका पिछले कुछ साल में बदलाव रहित रही है। एक बात जो मैंने हमेशा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते समय सोची है, वह है जोखिम को कम करना और यह तय करना कि मैं अपनी टीम को जीत की स्थिति में बनाये रखूं। विराट जब पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में जब शतक लगाने के करीब थे, तो उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े अक्षर पटेल इस बात का हिसाब लगा रहे थे कि किस प्रकार खेला जाये जिससे विराट शतक तक पहुंच पायें।

संयम रखे अफगानिस्तान तो एक दशक में जीत लेगा आईसीसी टूर्नामेंट : डेल स्टेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि तेजी से आगे बढ़ रही अफगानिस्तान की टीम के खिलाड़ी अगर मैदान पर सयंम से खेलना सीख लें तो अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का सीमित ओवर का टूर्नामेंट जीत सकती है। अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी जिसमें उसने पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था। पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। अपने देश में युद्ध और अस्थिरता के बावजूद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम अब सफेद गेंद के टूर्नामेंट में मजबूत टीम बन गई है।

स्टेन ने कहा कि हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम इंस्टाग्राम स्टोरी को भी महज मुश्किल से दो सेकेंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। उन्होंने कहा कि संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। और एक बार जब वे ऐसा कर लेंगे तो अगले दशक में वे निश्चित रूप से आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।

स्टेन ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। पारी बनाते हुए और विकेट लेने के लिए संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में बल्लेबाजी में ही क्रीज पर इतनी अधिक हलचल होती क्योंकि वे छक्का मारने की कोशिश करते हैं और वे पारी को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं।

अफगानिस्तान की टीम इंग्लैंड को हराने के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ तीन तरफा मुकाबले में थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका से पहले मैच में हारने और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टरफाइनल के बारिश की भेंट चढ़ने से उसे काफी नुकसान हुआ।

आंकड़ों के हिसाब से अफगानिस्तान की टीम अब भी क्वालीफाई कर सकती है, अगर इंग्लैंड की टीम शनिवार को दक्षिण अफ्रीका पर बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ले। लेकिन इसकी संभावना कम है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका का नेट रेट 2.140 है जो अफगानिस्तान के माइनस 0.990 से काफी बेहतर है।

जब सीमा पर शांति होगी तभी खेली जाएगी भारत-पाक द्विपक्षीय सीरीज : गावस्कर

मुम्बई । भारत और पाकिस्तान ने करीब एक दशक से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनो ही टीमों ने अंतिम बार कोई सीरीज साल 2012-13 में खेली थी। तब पाक टीम भारत दौरे पर आई थी। इसके बाद से ही राजनीतिक तनाव के चलते भारतीय टीम ने पाक दौरे से इंकार कर दिया। इसके पीछे एक बड़ा कारण खिलाड़ियों की सुरक्षा का भी है। भारतीय टीम अभी जारी चैम्पियंस ट्रॉफी में अपने मुकाबले दुबई में खेल रही है जबकि इस टूर्नामेंट का मेजबान पाक है। वहीं जब एक शो में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर से पूछा गया कि भारतीय टीम कब पाक के साथ द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी तो गावस्कर ने कहा कि जब तक सीमा पर शांति नहीं हो जाती, तब तक द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधों की बहाली संभव नहीं है। गावस्कर ने कहा कि जब सीमा पर शांति होगी तो तभी खेल भी संभव है। अगर सीमा पर शांति रहती है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखिए ठीक है हमारे यहां कोई घटना नहीं हुई बिल्कुल भी नहीं। तो चलिए कम से कम बाचतीत से शुरुआत करते हैं। गावस्कर ने आगे कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि बातचीत के प्रयास चल रहे होंगे पर जब तक जमीन पर सब कुछ ठीक न हो कुछ कहा नहीं जा सकता । आये दिन हम आतंकी घुसपैठ की बातें सुनते हैं। इसी कारण भारत सरकार कह रही है कि पहले पाक अपनी हरकतें रोके उसके बाद ही खेल होना संभव है।

शमी खतरनाक गेंदबाज, हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का ढूंढते हैं तरीका

-केएल राहुल ने किया खुलासा, कीपिंग के अनुभव किए साझा

दुबई (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर और बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले से पहले मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह में से खरतनाक कौन? वाले सवाल का जवाब दिया है। बुमराह चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिला है। इस दौरान टीम इंडिया के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। मोहम्मद शमी का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन शानदार रहा है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मैच में काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। इस बीच राहुल ने शमी के सामने कीपिंग के अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया है।

राहुल ने खुलासा किया कि मोहम्मद शमी हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का एक तरीका ढूंढते हैं, अक्सर उन्हें फुल-लेंथ डाइव लगाने के लिए मजबूर करते हैं। राहुल ने बुमराह से ज्यादा शमी को तवज्जो दी है और कहा कि विकेटकीपिंग के दौरान शमी के खिलाफ मुश्किल बात यह है कि हर खेल में किसी न किसी तरह वह यह तय करते हैं कि मैं पूरी लंबाई में गोता लगाऊं और फिर वह मुझे स्टंप के पीछे शानदार प्रदर्शन करने या कभी-कभी बेवकूफ दिखने के एक या दो मौके देते हैं।

उन्होंने कहा कि शमी, बुमराह के साथ मिलकर प्रभाव पैदा करते हैं। राहुल ने हाल के नेट सत्र को याद किया जहां शमी की तेज़ गति ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया था। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में नेट पर शमी ने मुझे सीधे बैज पर मारा। इसलिए ये सभी चीजें उसे एक बहुत ही मुश्किल गेंदबाज बनाती हैं जिसके खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है। राहुल ने कहा कि बुमराह दूसरे या तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि इसका किसी चीज से क्या लेना-देना है, लेकिन वह स्टंप के पीछे भी गेंद को डगमगाते हैं। इसलिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। अपने प्राकृतिक सीम मूवमेंट से परे, राहुल ने शमी की सटीकता और तीक्ष्णता पर जोर दिया, ऐसे पहलू जिनकी अक्सर सराहना नहीं की जाती है।

सहायक कोच ने बताया पंत के बाहर बैठने का कारण

नई दिल्ली। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है और अब ग्रुप स्टेज में शीर्ष स्थान पाने के लिए उसका मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अभी तक एक भी मैच नहीं खेले हैं, लेकिन टीम प्रबंधन उन्हें तैयार रखना चाहता है। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में स्वीकार किया कि पंत के लिए बाहर बैठना आसान नहीं रहा, लेकिन इस स्तर के क्रिकेट में ऐसा होता है। उन्होंने कहा, ऋषभ के लिए बाहर रहना मुश्किल रहा है, लेकिन क्रिकेट का नेचर यही है। केएल राहुल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, हालांकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले, क्योंकि हमें पंत को भी तैयार रखना था। हमें नहीं पता कि कब उनकी जरूरत पड़ जाए, लेकिन दो शानदार विकेटकीपर टीम में होना हमेशा फायदेमंद रहता है। डोइशे ने आगे बताया कि न्यूजीलैंड के पास चार स्पिनर हैं, जिससे मुकाबला और रोचक हो सकता है। उन्होंने कहा, यह स्पिनरों की टक्कर होगी। टूर्नामेंट से पहले हमने नहीं सोचा था कि स्पिनर्स इतनी अहम भूमिका निभाएंगे, लेकिन पिच ने भी उनकी मदद की है। मुझे यकीन है कि अगले मैच में भी स्पिनरों का प्रभाव देखने को मिलेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला बेहद अहम होने वाला है। जहां भारतीय टीम की नजर ग्रुप में टॉप पर रहने पर होगी, वहीं न्यूजीलैंड भी इस मैच को जीतकर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

चैंपियन ट्राफी के फाइनल में इंडिया-आस्ट्रेलिया हो सकते हैं आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियन ट्राफी 2025 के तीन टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जबकि चौथी टीम आज होने वाले मैच पर तय होगी। टीम इंडिया के बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल्स के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। चौथी टीम साउथ अफ्रीका हो सकती है। साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जीत जरुरी नहीं। ऐसे में कहा जा सकता है कि वर्ल्ड कप 2023 जैसे स्थिति बन सकती है और चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भी टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो सकता है।

बता दें वर्ल्ड कप 2023 की सेमीफाइनल्स इंडिया, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच हुआ था। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी यही चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने वाली हैं, जिनमें से भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहले ही पहुंच चुकी हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम को अगर इंग्लैंड के खिलाफ जीत मिलती है तो साउथ अफ्रीका टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी और अगर इंग्लैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका की टीम मैच हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल खेलेगी।

इसके लिए साउथ अफ्रीका को अगर इंग्लैंड ने 300 रन बनाए तो 207 या इससे ज्यादा रनों से हार नहीं मिलनी चाहिए। इसके अलावा अगर साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की और 300 रन बनाए तो इंग्लैंड को 11.1 ओवर में उस टारगेट को चेज नहीं करने देना चाहिए। अगर इससे बच जाती है और साउथ अफ्रीका की टीम मुकाबला हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, क्योंकि साउथ अफ्रीका के तीन पॉइंट रहेंगे और अफगानिस्तान से उसका नेट रन रेट बेहतर रहेगा।

माना जा रहा है कि इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हो सकता है। अगर पहला सेमीफाइनल इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच होता है और दूसरा सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच और दोनों टीमें अपने सेमीफाइनल्स जीत जाएं तो फिर फाइनल में दोनों का मुकाबला हो सकती है। अगर साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को हरा दिया तो फिर ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में दूसरे पायदान पर होगी, जबकि इंडिया ने न्यूजीलैंड को हरा दिया तो भारत की टीम ग्रुप ए में नंबर वन होगी। ऐसे में इन दोनों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा।

श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट हुआ हैक, फैंस को दी सतर्क रहने की चेतावनी

मुंबई । मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपने प्रशंसकों को आगाह किया है कि उनका एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। उन्होंने फैंस से आग्रह किया कि वे उनके अकाउंट से किए गए किसी भी पोस्ट, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और न ही उन पर क्लिक करें। शनिवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक पोस्ट में श्रेया ने बताया कि कई कोशिशों के बावजूद वह अपना अकाउंट रिकवर नहीं कर पाई हैं। उन्होंने लिखा, सभी प्रशंसकों और दोस्तों को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। मैंने एक्स टीम से संपर्क करने की हर संभव कोशिश की, लेकिन सिर्फ

कुछ ऑटो-जवाब ही मिले, कोई मदद नहीं मिली। अब मैं अपने अकाउंट में लॉगिन भी नहीं कर सकती और न ही इसे डिलीट कर सकती हूं। कृपया उस अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी मैसेज पर भरोसा करें। ये सभी फर्जी और धोखाधड़ी वाले लिंक हैं। अगर मेरा अकाउंट वापस मिल जाता है और सुरक्षित होता है, तो मैं खुद वीडियो के जरिए इसकी जानकारी दूंगी। इस बीच, श्रेया हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एंटी-ओबेसिटी (मोटापा विरोधी) अभियान का समर्थन करने को लेकर चर्चा में रही हैं। श्रेया ने एक वीडियो साझा कर कहा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एंटी-ओबेसिटी अभियान शुरू किया है। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा देश तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसके लिए हमें अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा। आइए, सही खान-पान अपनाने की शपथ लें, तेल और चीनी का सेवन कम करें, पोषण से भरपूर और मौसमी भोजन खाएं, और बच्चों को भी पौष्टिक आहार दें। अच्छी सेहत ही असली संपत्ति है। इसलिए, छोटे-छोटे बदलाव करके हम देश में बड़ा असर ला सकते हैं। मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा दे रहा है। आइए, एक स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं, क्योंकि यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी विरासत होगी। गौरतलब है कि 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभिनेता मोहनलाल, आर. माधवन, निरहुआ और गायिका श्रेया घोषाल को इस अभियान में शामिल होने के लिए नामांकित किया था।

पुणे रेप केस का आरोपी गिरफ्तार , डिप्टी सीएम अजित बोले- ऐसी घटनाएं कहीं भी नहीं होनी चाहिए

पुणे। पुणे रेप केस के आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे को पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी के लिए ड्रोन, खोजी कुत्तों, 13 पुलिस टीमों और खुफिया विभाग की मदद ली गई। आरोपी पुणे जिले के शिरुर तहसील के गुनात गांव के पास धान के खेत में छिपा हुआ था। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने इस घटना पर बयान दिया और कहा, कि गुरुवार तक लोग सवाल उठा रहे थे कि आरोपी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। हमने उसे पकड़ने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग किया। वह धान के खेत में छिपा था और उसकी स्थिति ऐसी थी कि उसने आत्महत्या करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सख्त कानून लागू किए जाएंगे और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपी को थर्मल इमेजिंग कैमरों से लैस ड्रोन की मदद से ट्रैक किया। इससे हवाई तस्वीरें प्राप्त हुईं, जिससे पता चला कि आरोपी खेत में छिपा है। आधी रात को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर पुणे सत्र न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 12 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

बिहार में बर्ड फ्लू से कई कौओं की मौत, प्रशासन ने जारी किए सतर्कता के निर्देश

पटना । बिहार के जहानाबाद जिले में हाल ही में हुए असामान्य घटना ने लोगों में चिंता और हलचल मचा दिया है। 18 फरवरी को कई कौओं की मौत का कारण बताया जा रहा है बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा एच5एन1)। जिला प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए सतर्कता के निर्देश जारी किए हैं। आधिकारिकों का कहना है कि कोलकाता स्थित आरडीडीएल संस्थान की जांच रिपोर्ट में मृत कौओं में एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई है। जिले के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने कहा कि प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और बीमार या मृत पक्षियों से दूर रहने की सलाह दी है। इस परिस्थिति को संभालने के लिए परिवारों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है तथा पोल्ट्री फार्मों में सफाई का काम चल रहा है। अगर और मामले सामने आते हैं, तो संक्रमण को रोकने के लिए पक्षियों को मारने का फैसला लिया जा सकता है। संबंधित अधिकारियों ने बात करते हुए कहा कि घरेलू मुर्गियों में भी संक्रमण का पता चलेगा। प्रभावित क्षेत्रों में दी गई सोडियम हाइपोक्लोराइट की छीड़काव की गई है ताकि वायरस का फैलाव रोका जा सके। विभिन्न उद्यमी इकाइयों और लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की देखभाल के लिए सरकार ने सभी जरूरी कदम उठाने की पुष्टि की है। इस अचानक घटना से स्थानीय जनता में चिंता और अस्त-व्यस्ति महसूस हो रही है और प्रशासन ने स्थिति का त्वरित नियंत्रण करने के लिए संबंधित कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

कमजोर पहाड़ी पर बर्फ का लोड बढ़ने और निर्माण से हो रहा हिमस्खलन !

नई दिल्ली। उत्तराखंड में कमजोर पहाड़ी पर बर्फ का लोड बढ़ने से हिमस्खलन होता है। हिमस्खलन के बाद चट्टान से बर्फ समेत मलमा, बोल्डर ढलान से नीचे गिरते हैं। ज्यादातर 3000 से 3500 मीटर से की ऊंचाई पर हिमस्खलन होता है।

दिल्ली में महिलाओं के आने वाले हैं अच्छे दिन, इस दिन से मिलना शुरू हो जाएंगे 2,500 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिलाओं को 8 मार्च तक भाजपा सरकार के वित्तीय सहायता कार्यक्रम के तहत 2,500 रुपये प्रति माह मिलना शुरू हो जाएगा। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी इसका संकेत दिया था। यह पहल, जो भाजपा का एक महत्वपूर्ण अभियान प्रतिज्ञा थी, महिलाओं को सीधे वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इससे पहले, आप सरकार ने महिला सम्मान योजना शुरू की थी, जिसमें 18 वर्ष से अधिक उम्र की पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक प्रदान किए जाते थे, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 2,100 रुपये करने की योजना है।

दिल्ली महिला एवं बाल विकास विभाग को महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक देने, गर्भवती माताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने और गरीब परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से पहल के लिए गुरुवार तक प्रस्ताव तैयार करने का काम सौंपा गया है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि महिला सम्मान योजना को महिला समृद्धि योजना के रूप में पुनः ब्रांडेड किया जा रहा है, जिसके लाभार्थियों को अब प्रति माह 2,500 रुपये मिलेंगे, जो कि AAP

सरकार द्वारा पहले वितरित किए गए 1,100 रुपये से एक महत्वपूर्ण वृद्धि है।

भाजपा सरकार ने सबसे पहले लाडली बहना योजना शुरू की, जिसने राज्य में महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की। तब से पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों ने इसी तरह की योजनाएं लागू की हैं जो महिलाओं के खातों में सीधे नकद जमा प्रदान करती हैं। 19 फरवरी को भाजपा विधायक दल की नेता चुनी गईं रेखा गुप्ता ने महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता को प्राथमिकता देने के निरंतर महत्व पर जोर दिया। दिल्ली चुनावों की अगुवाई के दौरान, AAP ने अपने प्रमुख वादों में से एक के रूप में 2,100 रुपये की मासिक सहायता प्रदान करने का वादा किया था।

दिल्ली को इस महीने 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी : परिवहन मंत्री पंकज सिंह

दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा है कि इस महीने राष्ट्रीय राजधानी को 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि दिल्ली का परिवहन विभाग वर्तमान में 235 करोड़ रुपये के घाटे में है। मंत्री ने कहा कि सरकार एक योजना पर काम कर रही है और उसका लक्ष्य एक साल के भीतर इस क्षेत्र को मुनाफे में लाना है। सिंह ने कहा, ''इस महीने हम दिल्ली में 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें लाएंगे।'' दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार में छह कैबिनेट मंत्रियों में शामिल सिंह ने 20 फरवरी को शपथ ली थी। परिवहन, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के मंत्री सिंह ने दिल्ली की परिवहन प्रणाली को जनता के लिए अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सिंह ने कहा, ''हमें सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने की आवश्यकता है ताकि लोगों को निजी वाहनों पर कम निर्भर रहना पड़े। हमारा पहला कदम दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसें शुरू करना होगा, उसके बाद परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने के लिए और सुधार किए जाएंगे।''

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव के बीच हुई झड़प में बीएसएफ जवान घायल

सिपाहीजाला। भारत-बांग्लादेश सीमा पर हालात बिगड़ते जा रहे हैं। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में 28 फरवरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और घुसपैठियों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक बीएसएफ जवान और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। जानकारी अनुसार घटना शाम 7:30 बजे की है, जब करीब 20 से 25 बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बीओपी पुटिया क्षेत्र के पास सीमा स्तंभ (बीपी) 2050/7-एस से भारतीय सीमा में प्रवेश किया। ये घुसपैठिए तस्करी गतिविधियों में शामिल थे। बीएसएफ गश्ती दल ने घुसपैठ रोकने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने हथियार छीनने की कोशिश की और हमला कर दिया। हालात बेकाबू होते देख, एक बीएसएफ जवान ने आत्मरक्षा में गैर-घातक पंप एक्शन गन (पीएजी) से गोली चलाई। गोली लगने से एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। इस बीच हुई झड़प में बीएसएफ का एक जवान भी घायल हो गया। दोनों ही घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी।

मुंबई में भी बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई

इसी बीच, मुंबई पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों पर शिकंजा कसा। डीसीपी डॉ. प्रवीण मुंधे के नेतृत्व में मानखुर्द, वाशी नाका, कलंबोली, पनवेल, ठाणे, कल्याण और मुंब्रा में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया। 16 अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार किए गए। जिनके खिलाफ पहले रिकॉर्ड नहीं था, उन पर नए केस दर्ज किए गए, जबकि पुराने अपराधियों के मामलों में नए आरोप जोड़े गए।

उद्धव के महाकुंभ नहीं जाने के निकाले जा रहे सियासी मायने

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जिस विरासत को संभाला है वो कट्टर हिंदुत्व की छवि वाली है। हिंदुओं की संस्कृति और परंपराओं के लिए लगातार लड़ते रहे हैं। लेकिन महाकुंभ में तो विपक्ष से अखिलेश यादव को छोड़ कर कोई भी बड़ा नेता नहीं गया है, लेकिन निशाने पर उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र की राजनीति की वजह से आये हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से लेकर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले तक। रामदास अठावले ने तो उद्धव ठाकरे के साथ साथ राहुल गांधी को भी निशाना बनाया है - लेकिन, राहुल गांधी को निशाना बनाये जाने और उद्धव ठाकरे को टारगेट किये जाने में बड़ा फर्क भी तो है।

उद्धव ठाकरे अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर पूरे लाव लश्कर के साथ अयोध्या गये हुए थे, लेकिन ये कैसे भूल जाते हैं कि उनके महाकुंभ न जाने पर सवाल नहीं उठेंगे। क्योंकि, मुख्यमंत्री तो वो महाविकास आघाड़ी सरकार के ही थे, जिसमें राहुल गांधी की कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी भी शामिल थी। चूंकि सवाल एकनाथ शिंदे ने उठाया है, इसलिए उद्धव ठाकरे ने जवाब भी उनको ही दिया है, ये बात अलग है कि दोनो में से किसी ने भी सीधे सीधे एक दूसरे का नाम नहीं लिया है। अपने हिंदुत्व पर सवाल उठाये जाने पर उद्धव ठाकरे ने भी जवाब दे दिया है, 'गंगा में नहाने से कोई पाप नहीं धुलता है। एकनाथ शिंदे ने महाकुंभ में शामिल नहीं होने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे को लेकर कहा था कि वो खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं। मीडिया के पूछने पर एकनाथ शिंदे ने कहा, जो लोग महाकुंभ में शामिल नहीं हुए, उनसे पूछा जाना चाहिये कि वे हिस्सा क्यों नहीं लियेज कहते रहते हैं कि वे हिंदू हैंज्बाल ठाकरे ने नारा दिया था कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं, लेकिन अब वे खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं।

दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में आंधी के साथ बारिश होने की चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में शुक्रवार से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और हल्की बारिश हुई है। वहीं शनिवार सुबह की शुरुआत भी रिमझिम बारिश से हुई। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश होने की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। कई राज्यों में आंधी तूफान के साथ बारिश भी संभावना जताई है।

आईएमडी ने पूर्वोत्तर भारत, असम और पड़ोसी राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसा बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो रहे चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा है।

अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में हल्की बारिश होने की संभावना है, साथ ही कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। दो मार्च से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर पश्चिम भारत को और ज्यादा प्रभावित करने की उम्मीद है।

वहीं मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में बारिश और बर्फबारी होने की उम्मीद है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। इसके अलावा पंजाब और हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की भी आशंका है।

वहीं दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों की बात करें तो तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बारिश हो सकती है। इनमें से कुछ क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन की संभावना के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है। गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड में हल्की बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश हो सकती है।

उमर अब्दुल्ला ने बिजली विभाग को रमजान के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति का निर्देश दिया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बिजली विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि रमजान के महीने में सहरी और इफ्तार के समय बिजली कटौती न हो। मुख्यमंत्री ने रविवार से शुरू हो रहे रमजान के महीने के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि लोग अपनी निर्वाचित सरकार से यह उम्मीद करते हैं कि इस पाक महीने के दौरान उन्हें किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''चूंकि कल से रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है, इसलिए लोगों को पूरी उम्मीद है कि सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी ताकि इस पवित्र महीने के दौरान उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।'' अब्दुल्ला ने निर्देश दिया, ''लोग चाहते हैं और हमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि सहरी और इफ्तार के समय बिजली कटौती न हो। किसी भी आवश्यक कटौती की योजना अच्छी तरह से बनाई जानी चाहिए और उचित समय-सारिणी के अनुसार दिन के समय कटौती की जा सकती है। जहां भी आवश्यक हो, रखरखाव कार्य भी दिन के समय ही किए जाने चाहिए।''

उन्होंने अधिकारियों को व्यवधानों से बचने के लिए सिस्टम संबंधी समस्याओं या दोषपूर्ण ट्रांसफॉर्मर का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया। जलापूर्ति के बारे में अब्दुल्ला ने कहा कि हाल में हुई बर्फबारी और बारिश से स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने घरों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''अल्लाह की कृपा से पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश इस संबंध में लाभदायक रही है।''

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को साफ-सफाई, खास तौर पर मस्जिदों और धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने का निर्देश दिया।

शिकायतकर्ता महिला है और उसका हर बयान सत्य मान लेना, यह सही नहीं

-हाईकोर्ट ने कहा- आरोप झूठे तो पुलिस शिकायतकर्ता पर भी कर सकती है कार्रवाई

केरल (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि आपराधिक मामलों, खासकर यौन अपराधों में यह मान लेना कि शिकायतकर्ता का हर बयान सत्य है, तो यह गलत है। कोर्ट ने यह कहा कि वर्तमान समय में ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने एक महिला कर्मचारी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत देने के दौरान सुनवाई में यह बात कही। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पुलिस ने आरोपी की शिकायत की जांच नहीं की जिसमें उसने कहा था कि नौकरी से निकाले जाने के बाद महिला ने उसे गाली दी और धमकियां दी थीं।

कोर्ट ने कहा कि एक आपराधिक मामले की जांच का मतलब केवल शिकायतकर्ता के पक्ष की जांच नहीं है, बल्कि आरोपी के मामले की भी जांच की जानी चाहिए। केवल शिकायतकर्ता महिला है यह मान लेना कि उसका हर बयान सत्य है, यह सही नहीं है। पुलिस केवल उसके बयान के आधार पर कार्रवाई नहीं कर सकती है। आरोपी के मामले को भी गंभीरता से जांचना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आजकल यह प्रवृत्ति बन गई है कि महिलाओं द्वारा पुरुषों पर यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे होते हुए भी उन्हें फंसा दिया जाता है। यदि पुलिस यह पाती है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप झूठे थे तो वह शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है। ऐसा कानून भी कहता है।

कोर्ट ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को झूठे आरोपों में फंसाया जाता है तो उसका नाम, समाज में प्रतिष्ठा और स्टेटस को नुकसान हो सकता है। केवल पैसे या मुआवजे से उसे वापस हासिल नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को सच की जांच में सतर्क और चौकस रहने की सलाह दी, ताकि अपराध मामलों की जांच के दौरान किसी निर्दोष व्यक्ति को सजा या नुकसान न हो।

बता दें महिला ने आरोप लगाया था कि कंपनी के प्रबंधक ने उसके हाथों को यौन उत्पीड़न के उद्देश्य से पकड़ा। वहीं आरोपी ने पुलिस से शिकायत की थी कि महिला ने उसे गाली दी और धमकियां दीं। उन्होंने इस संबंध में एक पेन ड्राइव में महिला की कथित बातें रिकॉर्ड करके पुलिस को सौंपी है। कोर्ट ने कहा कि यह एक ऐसा मामला था जिसमें जांच अधिकारी को आरोपी की शिकायत की भी जांच करनी चाहिए थी। कोर्ट ने आरोपी को पेन ड्राइव जांच अधिकारी के समक्ष पेश करने का आदेश दिया और जांच अधिकारी को निर्देश दिया कि वह उसकी जांच करें। जमानत का आदेश कोर्ट ने आरोपी को 50 हजार रुपए की जमानत राशि और दो सक्षम जमानतदारों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। इसके अलावा आरोपी को जांच में सहयोग करने, गवाहों को प्रभावित या डराने की कोशिश न करने और जब भी जांच अधिकारी बुलाए पेश होने का आदेश दिया है।

कमल हासन ने तीन-भाषा नीति पर स्टालिन के रुख का किया समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में तीन-भाषा नीति को लेकर सियासी गर्मी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस नीति के विरोध पर अभिनेता और मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन ने खुलकर समर्थन किया है। हासन ने स्टालिन को तमिलनाडु की रक्षा के लिए मजबूत ढाल बताते हुए उनकी तारीफ की है।

फिल्मी दुनियां के बेहतरीन अभिनेता और अब राजनीतिज्ञ कमल हासन ने दरअसल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, तमिलनाडु, तमिल भाषा और संस्कृति पर कई तरह के दबाव हैं। ऐसे समय में, स्टालिन अपने पूर्ववर्तियों की तरह राज्य की रक्षा के लिए मजबूत ढाल बनकर खड़े हैं। मैं उन्हें बधाई देता हूं। जनता जिंदाबाद!

तीन-भाषा नीति का क्यों कर रहे विरोध

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रस्तावित तीन-भाषा फॉर्मूला का कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। स्टालिन ने कहा है कि छात्रों पर तीसरी भाषा का बोझ नहीं डालना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई और उन्नत अनुवाद तकनीक भाषा की बाधाओं को दूर कर सकती है। छात्रों को मातृभाषा (तमिल) और अंग्रेजी पर ध्यान देना चाहिए, ताकि वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता हासिल कर सकें।

स्टालिन ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधा और कहा, वे कहते हैं कि उत्तर भारत में चाय, पूरी खरीदने या शौचालय इस्तेमाल करने के लिए हिंदी जरूरी है। लेकिन एआई के युग में किसी भाषा को थोपने की कोई जरूरत नहीं है।

वहीं तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने स्टालिन की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) की आलोचना की है और कहा कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की मांग बढ़ रही है। राजभवन की ओर से एक्स पर जारी बयान में कहा गया है, कि तमिलनाडु के युवा महसूस कर रहे हैं कि राज्य की कठोर दो-भाषा नीति के कारण वे पड़ोसी राज्यों के युवाओं की तुलना में अवसरों से वंचित हो रहे हैं। ऐसे में तमिलनाडु में भाषा नीति को लेकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच टकराव बढ़ता दिख रहा है। स्टालिन और कमल हासन भाषा थोपने का विरोध कर रहे हैं।

देशभर की अदालतों में 5.2 करोड़ मामले लंबित: न्याय प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की अदालतों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे न्याय प्रक्रिया धीमी हो रही है और न्याय मिलने में देरी हो रही है। देश की न्यायपालिका तीन स्तरों पर काम करती है-सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला अदालतें। इन अदालतों में मामले मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं- सिविल और आपराधिक।वर्ष 2025 में, देशभर में 5.2 करोड़ (52 मिलियन) से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 1.8 लाख से अधिक मामले 30 साल से अधिक समय से लंबित हैं। सबसे अधिक 4.5 करोड़ मामले (85प्रतिशत) सिर्फ जिला अदालतों में लंबित हैं।

हालांकि मामलों के निपटारे में तेजी लाने के लिए सरकार और न्यायपालिका विभिन्न उपायों पर विचार कर रही हैं, जिनमें डिजिटल कोर्ट सिस्टम, वैकल्पिक विवाद समाधान, लोक अदालतों को बढ़ावा देना, और न्यायधीशों की संख्या में वृद्धि शामिल हैं। हालांकि, जब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते, तब तक न्याय मिलने में देरी बनी रहेगी और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत में लंबित मामलों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। कई न्यायाधीशों और सरकारी अधिकारियों ने इसे भारतीय न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी चुनौती करार दिया है। नीति आयोग की 2018 की रिपोर्ट के अनुसार, यदि उसी गति से मामलों का निपटारा होता रहा, तो पूरा बैकलॉग खत्म करने में 324 साल लग सकते हैं।वर्तमान में न्याय मिलने में हो रही देरी के गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। 2022 में बिहार की एक अदालत ने एक व्यक्ति को सबूतों के अभाव में हत्या के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन वह पहले ही 28 साल जेल में बिता चुका था।देश में लंबित मामलों में भूमि और संपत्ति विवाद सबसे बड़ा हिस्सा रखते हैं। कुल लंबित मामलों में से 20 प्रतिशत भूमि और संपत्ति से जुड़े हुए हैं, जो कि सभी सिविल मामलों का 66 प्रतिशत है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निपटाए गए 25 प्रतिशत मामले भूमि विवादों से जुड़े होते हैं।